हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

नक्सलियों के सामने मरो या सरेंडर करो की स्थिति, 10 हजार से अधिक जवानों ने की घेराबंदी

गुफा तक पहुंची फोर्स मौजूदगी के निशान मिले

टॉप मोस्ट नक्सलियों की मौजूदगी की खबर, इनमें हिड़मा, पापाराव, सुजाता जैसे दुर्दांत भी

लंबा खिंचेगा आपरेशन, नक्सलियों के पास एक महीने का राशन-पानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

नक्सलियों के खिलाफ पांचवें दिन भी करेंगुट्टा की पहाड़ी पर अभियान जारी रहा। फोर्स ने शिकंजा कस लिया है और वे धीरे-धीरे आगे बढ़ रहे हैं। फोर्स पहाड़ी के एक हिस्से में पहुंची जहां एक गुफा में उनकी मौजूदगी के निशान पाए गए। गुफा इतनी बड़ी है कि उसमें एक हजार लोग जमा हो सकते हैं। सूत्रों का कहना है कि नक्सलियों के पास इस समय लगभग एक माह का रसद है। पानी की व्यवस्था भी है। नक्सलियों के सामने अब मरो या सरेंडर करो की स्थिति बनी हुई है। सूत्रों का कहना है कि करेंगुट्टा की पहाड़ी पर सेंट्रल कमेटी मेंबर (सीसीएम) माड़वी हिड़मा के अलावा अन्य सीसीएम दामोदर, बंडी प्रकाश, आजाद, चन्द्रान्ना जे, सुजाता, कट्टाराम चन्द्र रेड्डी, विकल्प, विज्जो, उर्मिला, गंगा, मंगड्डू, अभय के अलावा दंडकारण्य जोनल कमेटी (डीकेएसजेडसी) पापाराव व देवा की भी मौजूदगी है।

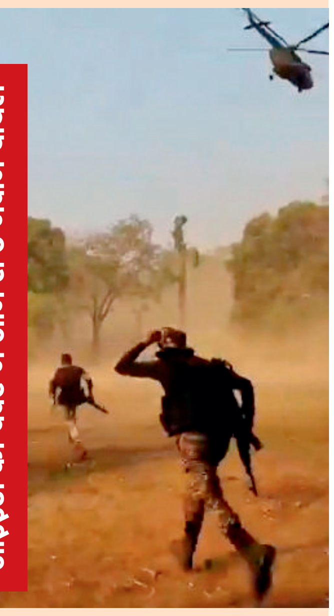

आईईडी की चपेट में आने से 3 जवान घायल

ड्रोन से रखी जा रही नजर

नक्सलियों के खिलाफ अब तक के सबसे बड़े अभियान में दस हजार से अधिक जवानों को तैनात किया गया है। इस अभियान में राज्य, केन्द्र सरकार, पुलिस मुख्यालय, केंद्रीय अर्धसैनिक बलों/ पड़ोसी राज्यों की फोर्स के अलावा बस्तर रेंज में तैनात डीआरजी, एसटीएफ, कोबरा, सीआरपीएफ, बीएसएफ, आईटीबीपी, सीएएफ, बस्तर फाइटर व अन्य सुरक्षाबल शामिल है।

खबर संक्षेप

पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट, तीन की मौत

सहारनपुर। यूपी के सहारनपुर के देवबंद में पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट हो गया। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई है। विस्फोट इतना जोरदार था कि पूरी बिल्डिंग ढह गई। शवों के चीथड़े 100 से 150 मीटर दूर तक जा गिरे। धमाके की आवाज 5 किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। विस्फोट के समय ऐसा लगा जैसे भूकंप आ गया हो। हादसे की सूचना मिलते ही कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंच गई।

सीबीएसई परीक्षा रैकेट का भंडोफोड़, 4 गिरफ्तार

नई दिल्ली। सीबीएसई की भर्ती परीक्षा में बैठने के लिए 28 वर्षीय एक व्यक्ति ने 'ब्लूटूथ डिवाइस' से लैस एक छद्म परीक्षार्थी को काम पर रखा। हालांकि, जब एक परीक्षा निरीक्षक ने दोनों के बीच बायोमेट्रिक डेटा बेमेल पाए तो दिल्ली पुलिस ने छद्म और मूल परीक्षार्थियों समेत चार लोगों को गिरफ्तार करके योजना को नाकाम कर दिया। छद्म परीक्षार्थी सचिन (26), मूल परीक्षार्थी नितिन (28) और बिचौलियों बलजिंदर (27) व श्याम सुंदर (29) के रूप में हुई है।

वायुसेना अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई पर रोक

बेंगलुरु। कर्नाटक हाईकोर्ट ने बेंगलुरु शहर की पुलिस को 'रोड रेज' मामले में भारतीय वायुसेना के विंग कमांडर शिलादित्य बोस के खिलाफ कोई भी दंडात्मक कार्रवाई करने से रोक दिया है। अधिकारी ने अपने खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को चुनौती देते हुए याचिका दायर की थी। इस पर न्यायमूर्ति हेमंत चंदनगौदर ने 24 अप्रैल को यह अंतरिम निर्देश जारी किया। घटना 21 अप्रैल को सी. वी. रमन नगर के पास हुई थी।

भारत के एक्शन से घबराया पड़ोसी मुल्क, देशभर में पाकिस्तानी नागरिकों की तलाश

भारत की कार्रवाई से पाकिस्तान के फूले हाथ-पांव

दबाव और दहशत

पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत के कड़े रुख से पाकिस्तान दबाव और दहशत में है। ऐसे में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा है कि वे पहलगाम अटैक की हर निष्पक्ष जांच में शामिल होने को तैयार हैं। शरीफ ने कहा कि पाकिस्तान को बदनाम किया जा रहा है। इधर, आतंकी हमले में शामिल लश्कर के सहयोगी संगठन टीआरएफ ने यू-टर्न लेते हुए हमले से इंकार कर दिया है।

आतंकी हमले की एनआईए करेगी जांच

केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी को सौंप दी है। गृह मंत्रालय ने इस संबंध में आधिकारिक नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। अब एनआईए इस मामले में औपचारिक रूप से केस दर्ज करके विस्तृत जांच करेगी।

पाक पीएम ने कहा-

आतंकी हमले की 'तटस्थ-पारदर्शी' जांच को तैयार

नई दिल्ली/इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने पहलगाम आतंकवादी हमले की किसी भी 'तटस्थ और पारदर्शी' जांच में शामिल होने की शनिवार को पेशकश की। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने खैबर-पख्तूनख्वा के काकुल में पाकिस्तान सैन्य अकादमी में सेना के कैडेट की 'पासिंग आउट परेड' को संबोधित करते हुए कहा, पहलगाम में हुई हालिया घटना इस निरंतर दोषारोपण के खेल का एक और उदाहरण है, जिसे पूरी तरह से बंद किया जाना चाहिए।

क जिम्मेदार देश के रूप में अपनी भूमिका को जारी रखते हुए, पाकिस्तान किसी भी तटस्थ, पारदर्शी और विश्वसनीय जांच में भागीदारी करने के लिए तैयार है।

इधर, भारत सरकार ने जारी की एडवाइजरी

सेना की गतिविधियों के सीधे प्रसारण से बचें

सरकार ने शनिवार को मीडिया से रक्षा अभियानों और सुरक्षा बलों की गतिविधियों का सीधा प्रसारण करने से बचने को कहा। साथ ही कहा कि इस तरह की सूचना देने से जाने-अनजाने में शत्रुतापूर्ण तत्वों को मदद मिल सकती है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद रक्षा मामलों पर रिपोर्टिंग के मद्देनजर यह परामर्श जारी किया गया है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की ओर से जारी परामर्श में कहा गया है, राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में, सभी मीडिया मंचों, समाचार एजेंसियों और सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं को सलाह दी जाती है कि वे रक्षा और अन्य सुरक्षा-संबंधी अभियानों से संबंधित मामलों पर रिपोर्टिंग करते समय पूरी जिम्मेदारी से काम लें और मौजूदा कानूनों और नियमों का कड़ाई से पालन करें।

क्यों घबरा रहा पाकिस्तान

छह आतंकियों के घर जमींदोज

जम्मू-कश्मीर में अब तक 6 आतंकवादियों के घर गिराए जा चुके हैं। सेना ने त्राल, अनंतनाग, पुलवामा, कुलगाम और शोपियां में सर्च ऑपरेशन के दौरान यह एक्शन लिया। शोपियां में टेररिस्ट शाहिद अहमद, त्राल में टेररिस्ट आसिफ शेख, अनंतनाग में टेररिस्ट आदिल ठोकेर, पुलवामा में टेररिस्ट हारिस अहमद और कुलगाम में टेररिस्ट जाकिर अहमद गनई का घर गिराया गया है।

कई शादियां अटकी

भारत द्वारा अटारी-वाघा-सीमा चौकी बंद करने से राजस्थान के सीमावर्ती जिले बाड़मेर के युवक की भी शादी अटक गई है। बाड़मेर जिले के इंद्रोई गांव के निवासी शैतान सिंह (25) की शादी 30 अप्रैल को पाकिस्तान के अमरकोट शहर में होनी थी। पाकिस्तान के सिंध से 13 दिन पहले अपने ससुराल जैसलमेर आईं दो दुल्हनों पर दुखों का पहाड़ का टूट गया है। उनको पीहर भेजने के आदेश आ गए हैं। इसके बाद घर में खुशियों की जगह मायूसी का माहौल है।

पाकिस्तान के रोल से किया इंकार

पाक रक्षामंत्री ने नक्सली हिंसा को बताया बगावत

एजेंसी ▶▶| इस्लामाबाद

देश-दुनिया में पहलगाम में आतंकी हिंसा को लेकर चर्चा चली रही है। इस बीच, पाकिस्तान के रक्षामंत्री ख वा जा आसिफ ने छत्तीसगढ़ में नक्सली हिंसा का जिक्र किया है। पाक रक्षा मंत्री ने दावा किया है कि भारत के भीतर ही राज्यों में लोग सरकार के खिलाफ बगावत कर रहे हैं। इस बात को स्थापित करने के लिए उन्होंने छत्तीसगढ़ का नाम लिया, पाकिस्तानी रक्षा मंत्री का इशारा छत्तीसगढ़ में जारी नक्सली हिंसा की ओर था वह इसे ही बगावत बता रहे थे।

छत्तीसगढ़ के साथ नगालैंड का जिक्र

पाक रक्षा मंत्री ने कहा कि एक दो नहीं, दर्जनों के हिसाब से नागालैंड से लेकर कश्मीर तक और साउथ, छत्तीसगढ़, मणिपुर, इन सारी जगह पर हिंदुस्तान की जो दिल्ली में जो हुकूमत है, उसके खिलाफ बगावत हो रही है। लोग अपने हुकूक (अधिकार) मांग रहे हैं। ख्वाजा आगे कहते हैं- एक हिंदुत्व वाली गवर्नमेंट जो लोगों को एक्सप्लोइड कर रही है, माइनॉरिटी को जिसमें मुसलमान भी है क्रिश्चियन भी है बुद्धिस्ट भी है। जिस वजह से इस किस्म की एक्टिविटीज हो रही है। हमसे इसका ताल्लुक नहीं है। हम किसी भी सूरत में टेररिज्म को सपोर्ट नहीं करते।

पाकिस्तान के बचाव में कही यह बात

लोकल जंगों में आम लोग इस तरह से निशाना नहीं बनने चाहिए, इसमें कोई शक की कोई गुंजाइश नहीं है, लेकिन अगर कहीं पर जो फौज है या पुलिस है जो जुल्म ढा रही है वहां पर हिंदुस्तान में स्थानीय लोगों में जो अपने अधिकार मांग रहे हैं तो वो बगावत कर रहे हैं। हथियार उठा रहे हैं तो इसमें पाकिस्तान को इल्जाम लगाना तो बहुत आसान है।

अदालत के आदेश पर कब्जा दिलाने पहुंचे कर्मी को जमीन पर पटका, लात-घूसों से पिटाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मैनपुर

गरियाबंद कोर्ट के आदेश पर कब्जा दिलाने गए कर्मी पर जानलेवा हमला कर दिया गया। प्रकरण में पुलिस ने हमले करने वाले 6 लोगों को भेजा गया जेल। वहीं, कर्मी को बेरहमी से पिटाई का किए जाने वाला वीडियो भी जमकर वायरल हो रहा है।

गरियाबंद के मैनपुर विकासखंड अंतर्गत थाना अमलीपदर क्षेत्र में न्यायालय के आदेश पर जमीन का कब्जा दिलाने मूढगेलमाल के माहुलपारा पहुंचे कोर्ट कर्मचारी के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। घटना 24 अप्रैल की है, जब आदेशिका वाहक रामराव सोलंके जमीन कब्जा से संबंधित न्यायालयी कार्रवाई के तहत मौके पर पहुंचे थे।

वीडियो वायरल, छह आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

कब्जा दिलाने गए थे, विवाद में घिर गए

जानकारी के अनुसार, कब्जा दिलाने के दौरान वहां मौजूद कुछ लोगों ने आपत्ति जताई और कर्मी पर लात-घूसे, लाठी से जानलेवा हमला कर दिया। बैग छीनकर दस्तावेज को फाड़ने की कोशिश की गई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। मामले में पीड़ित रामराव सोलंके ने थाना अमलीपदर में लिखित शिकायत दर्ज कराई गई है।

मामले में जांच जारी

थाना प्रभारी फैजुल शाह ने बताया कि रिपोर्ट पर से आरोपी मेघनाथ यादव, दिलेश्वरी यादव, चूलेश्वर यादव समेत कुल 6 आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 126(2), 221, 121(1), 132, 296, 351(2), और 191(2) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर लिया है। मामले की जांच जारी है।

नाबालिग के ब्रेस्ट को छूना रेप की कोई 'कोशिश' नहीं

कोलकाता। कलकत्ता हाईकोर्ट ने कहा है कि नशे में नाबालिग लड़की के ब्रेस्ट छूने की कोशिश करना, प्रिवेंशन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्शुअल ऑफेंस (पोक्सो) एक्ट के तहत रेप की कोशिश नहीं है।

इसे गंभीर यौन उत्पीड़न की कोशिश माना जा सकता है। हम आरोपी को जमानत दे रहे हैं। कलकत्ता हाईकोर्ट का यह फैसला तब आया है, जब सुप्रीम कोर्ट ने कुछ दिन पहले इलाहाबाद हाईकोर्ट के ऐसे ही कमेंट को असंवेदनशील बताया था। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी थी। 19 मार्च को इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस राम मनोहर नारायण मिश्रा ने कहा था- नाबालिग के ब्रेस्ट पकड़ना, पायजामे का नाड़ा तोड़ना या घसीटकर पुलिया के नीचे ले जाने की कोशिश रेप नहीं है।

सीई आनंद, ठेकेदार झांझरिया समेत 4 को गिरफ्तार कर ले गई सीबीआई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

32 लाख की रिश्वत के मामले में सीबीआई की टीम रेलवे के मुख्य अभियंता विशाल आनंद, उनके भाई कुणाल आनंद, रिश्वत देने वाली कंपनी झांझरिया निर्माण लिमिटेड के एमडी सुशील झांझरिया और कर्मचारी मनोज पाठक को गिरफ्तार अपने साथ ले गई है। अब सीबीआई की रिपोर्ट के बाद ही मुख्य अभियंता और निजी कंपनी के खिलाफ आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के तीनों डिवीजन बिलासपुर, रायपुर और नागपुर में हजारों करोड़ रुपए का काम चल रहे ▶▶| शेष पेज 8 पर

रिपोर्ट के बाद आगे कार्रवाई

मुख्य अभियंता विशाल आनंद और झांझरिया निर्माण लिमिटेड के खिलाफ वर्तमान में सीबीआई की जांच चल रही है। उनकी जांच जब तक पूरी नहीं हो जाती है तब तक कुछ भी नहीं कहा जा सकता । जांच रिपोर्ट के बाद ही रेलवे की ओर से आगे की कार्रवाई की जाएगी।

-सुस्कर विपुल विलास राव
सीपीआरओ, एसईसीआर

सीई ने भाई से कहा था पैसे लेकर आएगा एक आदमी

सीबीआई को जांच में जानकारी मिली कि चीफ इंजीनियर विशाल आनंद ने सौदा तय करने के बाद यह शर्त रखी थी कि 32 लाख रुपए को उसके पैतृक निवास रांची में छोड़ना होगा। कंपनी इस पर तैयार हो गई। इधर आरोपी इंजीनियर ने अपने भाई कुणाल आनंद को पहले ही बता दिया था कि एक व्यक्ति पैसे लेकर आएगा। शुक्रवार को सीबीआई को पता चला कि ▶▶| शेष पेज 8 पर

Raheja Group
www.rahejagroup.co

Live Life Limitless!

Raheja AMBARA

PREMIUM RESIDENTIAL PLOTS

TIME: 10AM Onwards

LAST DAY to avail launch offer

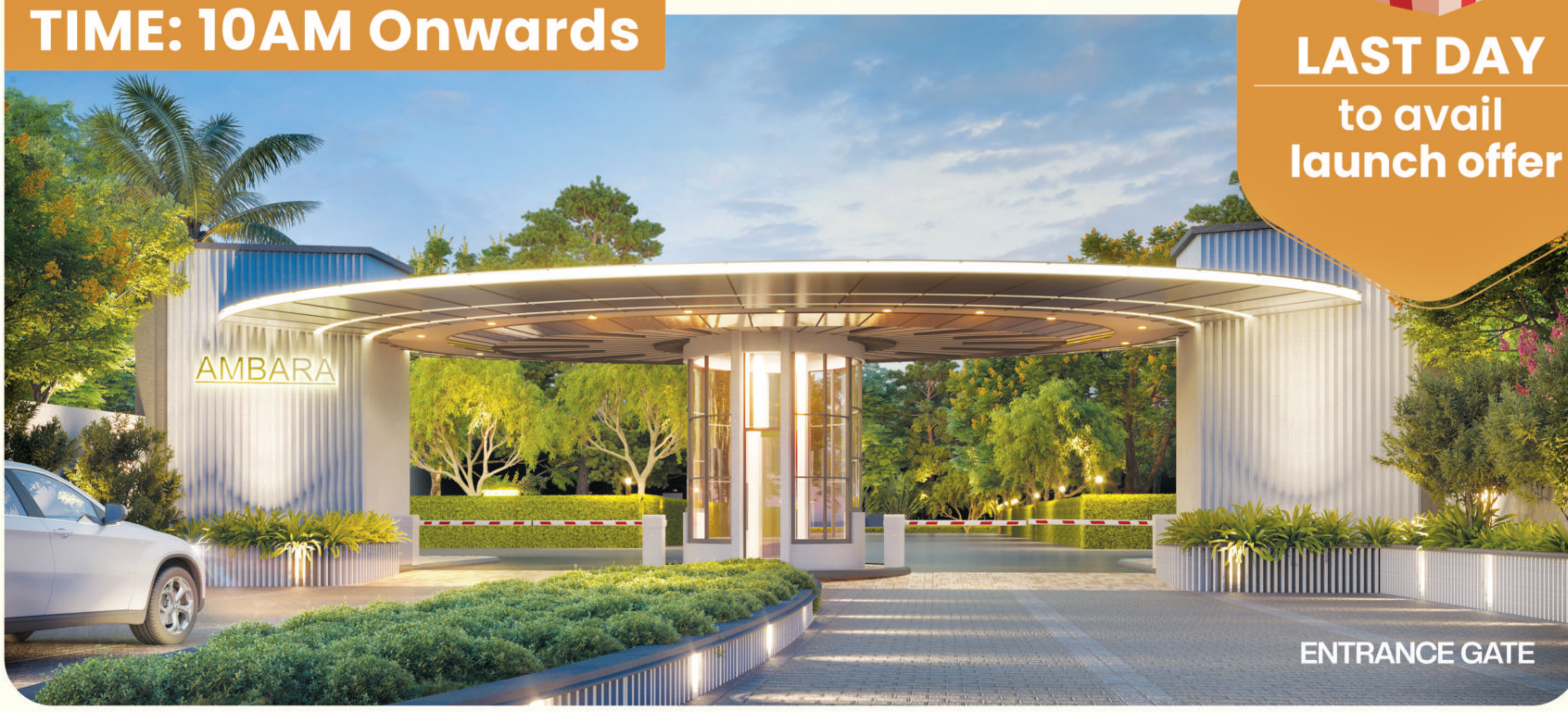

CLUB AMENITIES

- Swimming Pool
- Indoor Badminton Court
- Toddlers Play Area
- Indoor Games Area
- Banquet Hall
- Mini Theatre
- Well Equipped Gym
- Guest Room

OTHER FACILITIES

- Kids Play Area
- Temple
- Landscaped Gardens
- Open Gym

OUTDOOR SPORTS FACILITIES

- Lawn Tennis Court
- Basket Ball Court
- Pickle Ball Court
- Skating Rink

Member of CREDAI CHHATTISGARH

Behind Zora Mall, Pirda, Raipur

RERA NO. : PCGRERA310125001875 | RERA WEBSITE : www.rera.cgstate.gov.in

8225911300

Scan to locate

बिलासपुर, रविवार 27 अप्रैल 2025 | वैशाख कृष्ण पक्ष चतुर्दशी | वर्ष : 25, अंक : 36 | पृष्ठ : 12+6 = 18 मूल्य : 5.00*** | haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

सार्वजनिक स्थानों पर लाईट, मल्टी जीम सीसीरोड, पुलिया जैसे कार्य रहे प्राथमिकता में

सांसद रंजीत रंजन ने भी 14 करोड़ 47 लाख रुपए के 193 कार्यों को मंजूरी दी है। उनकी प्राथमकिता सार्वजनिक स्थानों पर लाइट, मल्टी जिम के अलावा सीसीरोड एवं पुलिया रहे हैं। उनके द्वारा स्वीकृत किए गए कार्यों के आकड़े बताते हैं कि उनके द्वारा करीब 70 से 80 सार्वजनिक स्थानों पर लाईट लगाने कार्य को स्वीकृति दी गई है।

सांसद राजीव शुक्ला ने दो कार्यों में ही खर्च किए 5.70 करोड़, तुलसी ने 13.18 करोड़ में कराए 201, रंजन ने भी स्वीकृत किए 193 कार्य

लक्ष्मण लेखवानी ▶▶| रायपुर

खास खबर

राज्यसभा सांसदों से वैसे तो प्रदेशभर से जनता के हित एवं विकास कार्यों की मांग की जाती हैं। इसे देखते हुए सांसद भी प्रयासरत रहते हैं, कि वे सांसद निधि के बजट से ज्यादा से ज्यादा आवश्यक विकास कार्यों को मंजूरी दिला सकें। छत्तीसगढ़ में 5 राज्यसभा सांसद हैं। इनमें सांसद निधि की राशि ▶▶|शेष पेज 8 पर

- छत्तीसगढ़ में राज्यसभा सांसदों में कार्यों को स्वीकृति देने में केटीएस तुलसी सबसे आगे

स्कूल-छात्रावास में हार्डवेयर-सॉफ्टवेयर सहित आईटी एवं पेयजल को प्राथमिकता

सांसद केटीएस तुलसी ने सांसद निधि से वैसे तो सड़क, तालाब निर्माण, बोरवेल, ट्यूबवेल, खेल मैदान सीसीरोड, सोलर स्ट्रीट लाइट, सामुदायिक शौचालय सहित कई कार्यों को मंजूरी दी हैं, लेकिन सबसे ज्यादा फोकस उनका स्कूलों ▶▶|शेष पेज 8 पर

खर्च : 5.70 करोड़

राजीव शुक्ला

खर्च : 13.18 करोड़

केटीएस तुलसी

खर्च : 14.47 करोड़

रंजीत रंजन

सामुदायिक पेयजल संयंत्रों की स्थापना व सड़क निर्माण को प्राथमिकता

सांसद फुलोदेवी नेताम ने भी 154 कार्यों को मंजूरी दी है। उन्होंने सबसे ज्यादा प्राथमिकता सामुदायिक पेयजल संयंत्रों की स्थापना एवं सड़क निर्माण को दिया हैं। उनके पास सबसे ज्यादा सड़क निर्माण एवं पेयजल संयंत्रों की स्थापना संबंधित आवेदन किए गए थे।

कांकेर में कैसे बनेगी 2.50 करोड़ की लाइब्रेरी किसी को नहीं पता

कांकेर। राज्यसभा सांसद राजीव शुक्ला के सांसद निधि से अक्टूबर 2024 में एकलव्य विद्यालय भानुप्रतापपुर के छात्रावास में लाइब्रेरी के लिए ढाई करोड़ रुपए स्वीकृत हुए थे, परंतु इस राशि से किस तरह की लाइब्रेरी तैयार की गई है, उसकी हकीकत जानने के लिए आदिवासी विकास विभाग और विद्यालय के प्राचार्य से संपर्क किया, उनका कहना है कि इसके बारे में किसी भी तरह की जानकारी नहीं है। जानकारी के अनुसार कांग्रेस के राज्यसभा के सांसद राजीव शुक्ला के सांसद कोटे से जारी हुई राशि सात माह बाद भी एकलव्य विद्यालय भानुप्रतापपुर के छात्रावास में बनने वाली लाइब्रेरी के लिए नहीं पहुंच पाई है।

जामुल कॉलेज परिसर में 2.70 करोड़ से बनेगी डिजिटल लाइब्रेरी

भिलाई। नगर पालिका परिषद जामुल क्षेत्र में 2.70 करोड़ रुपए से डिजिटल लाइब्रेरी का निर्माण किया जाएगा। राज्य शासन ने इसके लिए वित्तीय स्वीकृति प्रदान कर दी है। इस लाइब्रेरी का निर्माण डॉ. मनराखन लाल साहू शासकीय महाविद्यालय के पास किया जाएगा। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक 10 हजार किताबों से इस लाइब्रेरी की शुरू की जाएगी, जहां देश-दुनिया की दुर्लभ से दुर्लभ किताबें ऑनलाइन पढ़ने के लिए उपलब्ध रहेंगी। दो महीने पहला पालिका ने इस प्रस्ताव को सामान्य सभा से पारित कर शासन को भेजा था, जहां से इसकी स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। डिजिटल लाइब्रेरी में कंप्यूटर से लेकर इंटरनेट सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

हिमाचल में 'पाकिस्तान एयरलाइंस' लिखा गुब्बारा

हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश में हमीरपुर जिले के करनेहरा गांव में शनिवार को 'पाकिस्तान एयरलाइंस' लिखा विमान के आकार का गुब्बारा मिला। स्थानीय लोगों ने गुब्बारे को देखकर इसकी सूचना पुलिस को दी जिसके बाद पुलिस ने इसे जब्त कर लिया। हमीरपुर के पुलिस अधीक्षक भगत सिंह ठाकुर ने कहा कि वह मामले की जांच कर रहे हैं।

ट्रक की टक्कर, एंबुलेंस सवार चार की मौत

मिर्जापुर। मिर्जापुर जिले में छातो त्रिमुहानी ग्रामसभा के पास सोनभद्र से आ रहे एक ट्रक की चपेट में आने से एक एंबुलेंस में सवार चार लोगों की मौत हो गई, जिसमें एक गर्भवती महिला थी। यह घटना अहरौरा थाना क्षेत्र में हुई। मृतकों की पहचान सूरज बली खरवार (27) हीरावती देवी (25) मालती देवी (40) और रामू (30) के रूप में हुई है।

3000 पन्नों का चालान, सप्लायर-अफसरों की सांठगांठ ने प्रक्रिया को बनाया मजाक

छह महीने की जगह 26 दिनों में मिला मोक्षित को 314 करोड़ का आर्डर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि फॉलोअप

जिस रीएजेंट और उपकरण की खरीदी की प्रक्रिया 6 से 8 महीने में पूरी होती है उसकी खरीदी का आर्डर महज 26 दिनों के भीतर मोक्षित कार्पोरेशन को जारी कर दिया गया। स्वास्थ्य संचालनालय और दवा निगम के अधिकारी इस महाघोटाले को अंजाम देने के लिए कमीशन के लालच में मोक्षित के एमडी शशांक चोपड़ा के इशारे पर काम करते थे। मामले की जांच कर रहे ईओडब्लू की टीम ने 3 हजार पन्नों आरोपपत्र के साथ चालान न्यायालय में पेशकर दिया है। चालान में बताया गया है कि 5 अप्रैल तक 161 करोड़ रुपए के रीएजेंट एक्सपायर हो चुके हैं। प्रकरण में 71 लोगों को गवाह बनाया गया है।

दवा निगम में भ्रष्टों का किला ढहा, तत्कालीन जीएम सहित पांच अरेस्ट, सात दिन की रिमांड

250 उपकरण लॉक

मोक्षित कार्पोरेशन द्वारा सप्लाई किए गए उपकरणों में 215 को इंस्टाल ही नहीं किया गया। 789 उपकरण अक्रियाशील हैं यानी इनका उपयोग ही नहीं हो रहा है। वहीं 250 उपकरण जिसमें सीबीसी टेस्ट मशीन सहित अन्य शामिल है उसे मोक्षित कार्पोरेशन द्वारा लॉक करा दिया गया है जिसे अब तक नहीं खोला जा सका है। इनमें 180 उपकरणों की खरीदी हमर लैब और शेष अन्य योजनाओं के माध्यम से की गई थी।

शशांक चोपड़ा के इशारे पर काम करते थे दवा निगम और स्वास्थ्य संचालनालय के अफसर

बजट ही नहीं था, फिर भी फर्जी एंट्री कर आर्डर

बजट की उपलब्धता की जानकारी और वित्तीय अधिकारी की सहमति के बिना केवल 26-27 दिनों में मोक्षित को 314. 81 करोड़ का आर्डर जारी कर दिया गया जिसकी प्रकिया 6 से 8 महीने में पूरी होनी थी। इसमें बाजार में डेढ़ से 2 रुपये में बिकने वाले ईडीटीए को 23.52 पैसे में खरीदकर शासन को 2 करोड़ का नुकसान पहुंचाया। 38.39 करोड़ की सीबीसी मशीन मोक्षित से बिना टेंडर स्पर्धा के खरीदी गई और 70 करोड़ का रीएजेंट सप्लाई कराया गया जिससे 37.0 करोड़ की क्षति हुई। चालान में इस बात का उल्लेख है कि मोक्षित कार्पोरेशन से आटोमैटिक एचबीएनसी एनालाइजर, यूरिन एनालाइजर सेमी आटोमैटिक, बायोकेमेस्ट्री एनालाइजर, इलेक्ट्रलिटी एनालाइजर खरीदा गया।

जंगल में गए थे शिकार करने, भरमार की गोली लगने से युवक की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबिकापुर

बलरामपुर जिले के बिमलापुर जंगल में सूअर का शिकार करने गए ग्रामीणों द्वारा अपने ही एक साथी को गोली मारने का मामला सामने आया है। घटना शुक्रवार देर शाम की बताई जा रही है। भरमार बंदूक से चली गोली के कारण युवक की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना के बाद क्षेत्र में हडकंप मच गया है। शनिवार को घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस द्वारा शव को पीएम उपरान्त परिजन के सुपुर्द करने के साथ ही हथियार को जब्त किया है। इसके ▶▶|शेष पेज 8 पर

- बलरामपुर जिले के डिंडो चौकी क्षेत्र की घटना

की जाएगी कार्रवाई

ग्रामीण अवैध शिकार के लिए जंगल में गए हुए थे। भरमार बंदूक की गोली लगने से युवक की मौत हुई है। फिलहाल इस मामले में कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। जांच के बाद दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

- वैभव बैंकर रमनलाल, एसपी बलरामपुर

भारतमाला प्रोजेक्ट मुआवजा घोटाला में चार गिरफ्तार

रायपुर। भारतमाला प्रोजेक्ट मुआवजा राशि घोटाला में शुक्रवार को छापे की कार्रवाई के बाद ईओडब्लू, एसीबी ने घोटाला को अंजाम देने बनाए गए सिंडिकेट की चार अहम कड़ी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों को ईओडब्लू की विशेष अदालत में पेश कर पूछताछ करने एक मई तक पुलिस रिमांड हासिल पर लिया गया है। गिरफ्तार आरोपियों में एक दंपति शामिल है। 48 करोड़ रुपए से ज्यादा के भारतमाला परियोजना मुआवजा घोटाला के आरोप में केदार तिवारी, उसकी पत्नी उमा तिवारी के साथ कारोबारी हरमीत सिंह खनूजा तथा विजय जैन को गिरफ्तार किया गया है।

अन्य पर गिर सकती है गाज

भारतमाला प्रोजेक्ट घोटाला के आरोप में गिरफ्तार किए गए आरोपियों से पूछताछ के आधार पर ईओडब्लू तथा एसीबी की टीम घोटाले में शामिल अन्य आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी कर सकती है। गिरफ्तार करने के बाद आरोपियों से पूछताछ के आधार पर घोटाले में शामिल अन्य ऐसे लोग जिनका नाम अब तक सामने नहीं आया है।

कार ने एक परिवार को टक्कर मारी, 3 की मौत

गोरखपुर। गोरखपुर जिले के गुलरिहा थाना क्षेत्र में भगवानपुर के रघुनाथपुर टोला में एक तेज रफ्तार कार ने घर के बाहर बैठे एक परिवार के सदस्यों को टक्कर मार दी। इससे तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने शवों का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया।

हेरोइन, ब्राउन शुगर जब्त, दो गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर के थौबल जिले में दो लोगों से 'ब्राउन शुगर' और हेरोइन समेत कई मादक पदार्थ जब्त किए गए। इसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। लिलोंग हाओरीबी इलाके के वांगमायुम बारुल आलम के घर तलाशी अभियान के दौरान ये मादक पदार्थ जब्त किए गए।

प्रतिबंधित संगठनों के चार सदस्य गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर में दो प्रतिबंधित संगठनों के चार सदस्यों को इंफाल पूर्वी और इंफाल पश्चिम जिलों से गिरफ्तार किया गया है। इन लोगों की पहचान खोंगबंताबम समरजीत मेइती और एलंगबाम लंगंबा मेइती के रूप में हुई है। वे जबरन वसूली की गतिविधियों में शामिल थे।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद देश में काफी आक्रोश है। लोग उम्मीद कर रहे हैं कि आतंकी हमले को अंजाम देने वाले व उसे प्रायोजित करने वाले को कड़ा सबक सिखाया जाय। सरकार ने इस दिशा में एक्शन शुरू कर दिया है। जम्मू-कश्मीर में जहां आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है, वहीं सरकार पाकिस्तान के खिलाफ भी प्रतीकात्मक व क्रियात्मक एक्शन ले रही है। सिंधु जल संधि के निलंबन से लेकर पाकिस्तानियों को भारत छोड़ने के निर्देश दिए गए हैं, उच्चायोग में कर्मियों की कटौती की गई है, अटारी व वाघा सीमा से ट्रेड बंद किए गए हैं, हालांकि ये पहले से ही बंद जैसे हैं। पीएम नरेन्द्र मोदी ने हमलावर आतंकियों व इसके साजिशकर्ताओं को कल्पना से अधिक कड़ी सजा देने की बात कही है। आज इसकी जरूरत भी है। द रेजिसटेस फ्रंट (टीआरएफ) ने पहलगाम में आतंकी हमले की जिम्मेदारी ली है, टीआरएफ पाकिस्तान स्थित आतंकी गुट लश्करे तैयबा की ही शाखा है, ऐसे में इस आतंकी हमले में भी पाकिस्तान के तार जुड़ रहे हैं। पाक अधिकृत कश्मीर में पाक फौज व आईएसआई के कई आतंकी प्रशिक्षण ठिकाने हैं। पीछे सर्जिकल स्ट्राइक व एयर स्ट्राइक भी इसी क्षेत्र के आतंकी ठिकानों पर हुए थे। आतंकवाद की कमर तोड़ने के लिए भारत का पीओके पर कब्जा जरूरी है। टेरर के खिलाफ एक्शन पर केंद्रित आजकल का यह अंक...

पीओके पर कब्जे से टूटेगी आतंक की कमर

कूटनीति

प्रभात कुमार राय

विदेश मामलों के जानकार

पहलगाम नृशंस हत्याकांड के पश्चात भारत सरकार द्वारा जो तत्कालिक निर्णय लिए गए हैं, उनके संदर्भ में यक्ष प्रश्न है कि क्या वर्ष 1960 में पाकिस्तान के साथ अंजाम दी गई, सिंधु जल संधि को स्थगित कर देने से पाकिस्तान द्वारा परवरिश किए गए जिहादी आतंकवाद पर लगाम लगाई जा सकती है? क्या बाघा बॉर्डर और अटारी बॉर्डर को सील कर देने से भारत और पाकिस्तान के मध्य विद्यमान 3323 किलोमीटर लंबी सरहद पार करके लगातार दाखिल हो रहे जिहादी आतंकवादियों को जम्मू कश्मीर में दाखिल होने से रोका जा सकता है? कश्मीर की सरजमीं पर विगत 37 वर्षों से निरंतर जारी जिहादी आतंकवाद का निराकरण करने का क्या निर्णायक उपाय है?

पाकिस्तान द्वारा प्रेरित और परिपोषित जिहादी आतंकवादियों द्वारा पहलगाम में अंजाम दिया गया नृशंस हत्याकांड कश्मीर में जिहादी आतंकवाद का ज्वलंत प्रश्न वस्तुतः एक बार फिर से राष्ट्रीय पटल पर आ गया है। इस नृशंस हत्याकांड के पश्चात भारत सरकार द्वारा जो तत्कालिक निर्णय लिए गए हैं, उनके संदर्भ में यक्ष प्रश्न है कि क्या वर्ष 1960 में पाकिस्तान के साथ अंजाम दी गई, सिंधु जल संधि को स्थगित कर देने से पाकिस्तान द्वारा परवरिश किए गए जिहादी आतंकवाद पर लगाम लगाई जा सकती है? क्या बाघा बॉर्डर और अटारी बॉर्डर को सील कर देने से भारत और पाकिस्तान के मध्य विद्यमान 3323 किलोमीटर लंबी सरहद पार करके लगातार दाखिल हो रहे जिहादी आतंकवादियों को जम्मू कश्मीर में दाखिल होने से रोका जा सकता है? आखिरकार कश्मीर की सरजमीं पर विगत 37 वर्षों से निरंतर जारी जिहादी आतंकवाद का निराकरण करने का क्या निर्णायक उपाय है?

कश्मीर के ज्वलंत प्रश्न पर भारत और पाक के मध्य चार भीषण युद्ध लड़े गए, जिनमें पाक फौज पराजित हुईं, किंतु कश्मीर विवाद यथास्थान खड़ा है। आक्रामक युद्धों में शिकस्त खाने के पश्चात पाक हुक्मरानों ने कश्मीर पर आधिपत्य स्थापित करने की खातिर जिहादी दहशतगर्दों के द्वारा प्राक्सी वार संचालित करने की रणनीति अख्तियार की। विगत 36 वर्षों से निरंतर जारी प्राक्सी वार द्वारा प्रदत्त जख्मों को भारत निरंतर झेलकर अपने तकरीबन 45 हजार सैनिकों और अफसरों का बलिदान दे चुका है। यूं तो कश्मीर की सरजमीं पर तकरीबन एक लाख से अधिक इंसान अपनी जान गवां चुके हैं। आखिरकार क्या निदान है कश्मीर विवाद का और पाकिस्तान द्वारा प्रेषित परिपोषित जिहादी आतंकवाद का?

प्रॉक्सी वार कर रहा पाकिस्तान

भारत के दुर्भाग्यपूर्ण विभाजन के तत्पश्चात ही पाक हुकूमत द्वारा कश्मीर को सैन्य शक्ति द्वारा हथियाने की बाकायदा संगीन कोशिश अंजाम दी गई। जबकि पश्तुन कबाईली हमले का नकाब धारण करके मेजर जनरल अकबर अली खान के नेतृत्व में पाक फौज द्वारा ऑपरेशन गुलमर्ग के तहत रियासत कश्मीर पर 22 अक्टूबर 1947 को सैन्य धावा बोला गया। जम्मू कश्मीर रियासत के महाराजा हरि सिंह की छोटी सी सेना ताकतवर पाक फौज के आक्रमण का मुकाबला करने में नाकाम सिद्ध हुई। अंततः महाराजा हरि सिंह ने तत्काल प्रभाव से 26 अक्टूबर 1947 को संपूर्ण जम्मू कश्मीर रियासत का भारत के साथ संविलयन करने के लिए बाकायदा विलयपत्र पर दस्तखत कर दिए। भारतीय फौज आक्रमणकारी पाकिस्तानी फौज़ को जबरदस्त शिकस्त देते हुए निरंतर गति से आगे बढ़ रही थी और अपनी विजय पताका फहराती हुई

उरी इलाके तक पहुंच गई थी, जहां से पाक अधिकृत कश्मीर का मुजफ्फराबाद इलाका कुछ ही घंटे की दूरी पर स्थित था। विजय पताका लहराती हुई भारतीय सेना को यकायक युद्ध विराम करने का आदेश भारत की केंद्रीय हुकूमत द्वारा दिया गया। भारत की तत्कालीन अंतरिम सरकार के प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू कश्मीर विवाद को संयुक्त राष्ट्र में ले गए। संयुक्त राष्ट्र द्वारा जम्मू कश्मीर में जनमत संग्रह आयोजित करने का प्रस्ताव पारित किया। पाकिस्तान की हठधर्मिता के कारण जम्मू-कश्मीर में कभी संयुक्त राष्ट्र के तत्वावधान में जनमत संग्रह नहीं आयोजित किया जा सका। 1988 से पाक हुकूमत ने कश्मीर पर बलपूर्वक आधिपत्य स्थापित करने के लिए प्रॉक्सी वार का संचालन प्रारंभ किया।

आर्टिकल 370 को निरस्त किया

वर्ष 2019 में भारत सरकार में जम्मू कश्मीर प्रांत के लिए भारतीय संविधान द्वारा प्रदत्त आर्टिकल 370 को निरस्त किया। नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा यह दावा पेश किया गया कि आर्टिकल 370 के निरस्त हो जाने से कश्मीर में जिहादी आतंकवाद का स्वतः सफाया हो जाएगा। मोदी सरकार द्वारा नोटबंदी अंजाम दी गई और दावा किया गया कि भारत में सक्रिय आतंकवादी गिरोहों की कमर टूट जाएगी। नोटबंदी से आतंकवादियों की कमर तो कदाचित नहीं टूट सकी, छोटे व्यापारियों की कमर जरूर टूट गई। कश्मीर में आतंकवाद निरंतर सक्रिय बना रहा, किंतु उसकी घातक क्षमता में किंचित मात्र कमी जरूर आई।

मंगलवार 22 अप्रैल को पहलगाम में जो अत्यंत बर्बर और नृशंस वारदात अंजाम दी गई, इसे विगत 10 वर्षों में सबसे विकट और घातक आतंकवादी हमला करार दिया जा रहा है। इस वारदात के बाद भारत सरकार की कश्मीर नीति पर अनेक तल्ख प्रश्न उठ खड़े हुए हैं। वर्ष 2014 में सत्तासीन होते ही नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा जम्मू कश्मीर में जिहादी आतंकवाद का सफाया करने का जबरदस्त वादा पेश किया गया था। भारत की केंद्रीय हुकूमत ने ऐलान किया था कि आर्टिकल 370 के समापन के बाद भारत के सभी प्रांतों के लोग जम्मू-कश्मीर में अब जमीन खरीद सकते हैं, अपने उद्योग धंधे स्थापित कर सकते हैं, अपने घरों का निर्माण कर सकते हैं।

नागरिकों को कड़ी सुरक्षा का दावा

भारत सरकार की कश्मीर नीति का सबसे आवश्यक ऐलान रहा है कि कश्मीर घाटी में पर्यटन को बढ़ावा प्रदान करना है और साथ ही भारतीय नागरिकों को कड़ी सुरक्षा प्रदान करनी है। यकीनन कश्मीर घाटी में पर्यटकों की संख्या में आश्चर्यजनक रूप से वृद्धि होने का दीदार हुआ। विगत वर्ष 2024 में तकरीबन 35 लाख पर्यटक कश्मीर घाटी में पधारे। कश्मीर की सरजमीं पर बॉर्डर टूरिज्म का भी आगाज़ किया गया। भारतीय हुकूमत की तरफ से कश्मीर में बुनियादी इंफ्रास्ट्रक्चर की जबरदस्त तामीरें अंजाम दी गई। अनेक शानदार बड़े टनल निर्मित किए गए। जम्मू कश्मीर के अत्यंत दुर्गम इलाकों को आपस में संबद्ध करने का अत्यंत दुरूह काम अंजाम दिया गया। इसी वर्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोनमर्ग टनल का उद्घाटन किया जोकि सोनमर्ग को गगनगिरी से संबद्ध करता है। जम्मू-कश्मीर में ऊंची तालीम प्रदान करने के लिए अनेक संस्थानों का निर्माण किया गया। भारतीय हुकूमत की तरफ से यह पैगाम दिया गया कि कश्मीर में अब खौफ ओ दहशत का दौर खत्म हो गया है। भारतीय हुकूमत निरंतर दावा पेश करती रही कि कश्मीर में हालात सामान्य हो गए हैं और जिहादी दहशतगर्दी पर कठोर नियंत्रण स्थापित कर लिया गया है। भारत को एकजुट रखने के लिए केंद्रीय हुकूमत में शासन करने वाली पार्टी को अपनी ध्रुवीकरण और विभाजनकारी नीतियों का पूर्णतया परित्याग भी करना होगा। जिहादी आतंकवादी तो मजहब को आधार बनाकर मारने से पहले नाम पूछेंगे ही, क्योंकि पाकिस्तान का निर्माण ही मजहब के आधार पर हुआ है। यक्ष प्रश्न यह है कि हम भारतीय क्या कर रहे हैं ? पहलगाम क्षेत्र से जहां पर यह दुर्भाग्यपूर्ण आतंकवादी घटना अंजाम दी गई, भारतीय सेना की सुरक्षा हटा ली गई थी और तकरीबन डेढ़ वर्ष पूर्व जम्मू-कश्मीर पुलिस को इस क्षेत्र की समस्त सुरक्षा सौंप दी गई थी। एक ज्वलंत तथ्य पोनी घोड़ा चलाने वाला एक शख्स जो कि मजहब से मुसलमान था, उसने एक आतंकवादी से राइफल छीन लेने के प्रयास में अपनी जान दे दी। पहलगाम में तकरीबन दो हजार पर्यटकों की भीड़ को सुरक्षा देने वाला एक भी पुलिसकर्मी विद्यमान नहीं था। पाकिस्तान के दहशतगर्द जिहादी शर्मनाक और नृशंस हत्याकांड को अंजाम देने के बाद मौका ए वारदात से बिना किसी मुकाबले के फरार हो गए।

आतंकवादी हमले का मिला था इनपुट

इंटेलिजेंस के रॉबिनहुड कहे जाने वाले नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर अजित डोभाल कितने नाकाम सिद्ध हुए। पुलवामा की तरह पहलगाम में इंटेलिजेंस का इनपुट था कि आतंकवादी हमला अंजाम दिया जा सकता है, किंतु केंद्रीय हुकूमत ने इस पर कोई तवज्जो प्रदान नहीं की। आखिरकार वही हुआ जो कि नहीं होना था। वर्ष 2019 में आर्टिकल 370 को निरस्त करने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2024 में पहली दफा कश्मीर घाटी का दौरा किया। नरेंद्र मोदी का जम्मू-कश्मीर दौरा लोकसभा चुनाव से कुछ वक्त पहले संपन्न हुआ था। श्रीनगर की एक बड़ी आम सभा में जोरदार तकरीर करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फरमाया था कि कश्मीरी आजादी की सांस ले रहे हैं उन्होंने आगे फरमाया कि आर्टिकल 370 के निरस्त हो जाने के बाद कश्मीर की प्रगति और समृद्धि नई ऊंचाइयों को स्पर्श कर रही है। प्रधानमंत्री ने अपनी तकरीर में आगे कहा कि वर्षों तक कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने आर्टिकल 370 के विषय में जम्मू-कश्मीर और राष्ट्र के लोगों को भरमाया और बरगलाया। भारतीय हुकूमत के प्रधानमंत्री के तमाम दावों के बावजूद कश्मीर की वस्तु स्थिति के वास्तविक जानकार निरंतर कहते रहे हैं कि कश्मीर में जिहादी आतंकवाद पर पूरी तरह से काबू नहीं पाया जा सका और यहां-वहां जम्मू-कश्मीर में अनेक स्थानों पर आतंकवादी हिंसा निरंतर जारी रही है। भारतीय सैनिक और कश्मीरी नागरिक आतंकवादियों द्वारा निरंतर हलाक़ किए जाते रहे हैं। जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा खत्म किए जाने के बाद सुरक्षा प्रबंधन की संपूर्ण शक्तियां केंद्रीय हुकूमत के हाथों में निहित रही हैं। कश्मीर में आतंकवाद की कमर तोड़ देने का केंद्रीय गृहमंत्री का दावा एकदम खोखला सिद्ध हुआ। कश्मीर घाटी की कठोर सच्चाई है कि आर्टिकल 370 को निरस्त किए जाने के बाद कश्मीर घाटी के आवाम पहले की ही तरह आतंकवाद की दहशत से पूर्णतया मुक्त नहीं हुए हैं। वर्ष 2019 में ही पुलवामा में आतंकवादी आक्रमण में सीआरपीएफ के 40 जवान मारे गए। केंद्रीय हुकूमत ने कश्मीर से आतंकवाद का सफाया करने के लिए ऐसा कुछ भी नहीं किया, जोकि पहले से नहीं किया जा रहा था।

संसद के प्रस्ताव को जामा पहनाना होगा

भारत को आतंकवाद के प्रतिरोध को अंजाम देने में तभी कामयाबी मिलेगी,जब भारतीय सुरक्षा बलों द्वारा कथित एलओसी अर्थात लाइन ऑफ़ कंट्रोल को रौंद कर पाक अधिकृत कश्मीर में पाक आईएसआई द्वारा स्थापित किए गए आतंकवादी सैन्य शिविरों पर निरंतर आक्रमण अंजाम दिए जाएं। वर्ष 1993 में भारतीय संसद एक मत से यह प्रस्ताव पारित कर चुकी है कि संपूर्ण कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। वक्त आ गया है कि संसद के प्रस्ताव को भारतीय हुकूमत द्वारा अमली जामा पहनाया जाए और अधिकृत कश्मीर को भारत में शामिल करने के लिए एक बड़ी सैनिक कार्यवाही अंजाम दी जाए। अन्यथा कश्मीर में आतंकवाद का सफाया नामुमकिन रहेगा। कश्मीर पर संपूर्ण आधिपत्य स्थापित करने के लिए भारत को कूटनीति के साथ सैन्यनीति से एक निर्णायक जंग पाकिस्तान से लड़नी ही होगी।

भारत की ओर से सैन्य कार्रवाई ही शेष

पहलगाम

अवधेश कुमार

वरिष्ठ स्तंभकार

पहलगाम हमले के बाद संपूर्ण देश का सामूहिक मानस वैसी कार्रवाई, प्रतिरोध और प्रतिशोध का इच्छुक है जिससे भारत को दोबारा ऐसी भयानक घटना का सामना न करना पड़े। यह स्वाभाविक है। एक समय जम्मू कश्मीर में आतंकवादी घटनाएं आम थी और तब भी लोगों के अंदर क्रोध पैदा होता था लेकिन आम मानस यह था कि इसे रोकना अभी संभव नहीं। 5 अगस्त, 2019 को जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 को निष्प्रभावी करने के बाद माहौल बदला, आतंकवादी घटनाओं में व्यापक कमी आई है। जम्मू के साथ-साथ कश्मीर घाटी भी धीरे-धीरे आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक,शैक्षणिक गतिविधियों में देश के सामान्य राज्य की तरह काफी हद तक पटरी पर लौट गई है। ऐसे माहौल में एक साथ 26 हिंदुओं तथा एक गैर मुस्लिम की हत्या के बाद उबाल स्वाभाविक है।

आतंकवाद के नाश का संकल्प

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने भी आंतरिक और सीमा पार आतंकवाद के समूल नाश का सक्रिय संकल्प दिखाया है। मोदी सरकार ने 2016 में सर्जिकल स्ट्राइक तथा 2018 में पुलवामा हमले के बाद हवाई बमबारी जैसी भारत की दृष्टि से अकल्पनीय मानी जाने वाली कार्रवाई करके देश का विश्वास प्राप्त किया है। प्रधानमंत्री ने स्वयं 24 अप्रैल को बिहार के मधुबनी की आमसभा में केवल आतंकवादी नहीं उनको प्रायोजित करने वाली शक्तियों के विरुद्ध भी ऐसी कार्रवाई की घोषणा की जिसकी कल्पना नहीं की गई होगी। उनका विश्व के लिए संदेश था कि आतंकवाद के विरुद्ध भारत कमर कस चुका है और कार्रवाई करेगा। कोई देश सार्वजनिक संकल्प दिखाते हुए समानांतर कदम उठाता है और उसकी पृष्ठभूमि आतंकवाद के विरुद्ध शून्य सहिष्णुता की हो चुकी है तो विश्व समुदाय को भी सोच और व्यवहार को उसके अनुरूप बदलना पड़ता है। हम देख रहे हैं कि पाकिस्तान के साथ एक देश नहीं खड़ा है। वे मुस्लिम देश, जो सामान्यतः जम्मू कश्मीर पर इस्लामिक सम्मेलन संगठन या ओआईसी में उसका साथ देते थे, हिम्मत नहीं दिखा रहे। अमेरिकी विदेश विभाग की ब्रीफिंग में एक पाकिस्तानी पत्रकार के प्रश्न की विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने हिकारत के भाव से उपेक्षा की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्पष्ट कर दिया है कि वे इस पर भारत के साथ हैं। सच है कि काश पटेल के नेतृत्व में अमेरिका की एफबीआई तथा तुलसी गवार्ड के निर्देशन में नेशनल इंटेलिजेंस आतंकवाद के विरुद्ध संघर्ष में भारत के साथ खड़ा है। यूरोपीय देशों ने स्पष्ट रूप से भारत का समर्थन किया है। पाकिस्तान ने यद्यपि इस्लामाबाद में 26 देशों के राजनयिकों को बुलाकर अपनी दृष्टि से ब्रीफिंग की किंतु कोई उससे प्रभावित है, ऐसा लगता नहीं।

सिंधु जल संधि स्थगित

प्रश्न है कि भारत क्या कर सकता है, क्या करेगा और कैसी संभावनाएं हैं? घटना के दूसरे दिन गृह मंत्री अमित शाह के जम्मू कश्मीर से लौटने के बाद मंत्रिमंडल की सुरक्षा मामलों की समिति ने तत्काल प्रभाव से पाकिस्तानियों को दिये हर तरह का वीजा रद करने, उन्हें देश छोड़ने, पाकिस्तानी

उच्चायोग से रक्षा और सैनिक विभाग के अपने समकक्षों को इस्लामाबाद से बुलाने तथा संख्या कम करने का अदम उठाया। इसके साथ सिंधु जल संधि स्थगित करने का अभूतपूर्व कदम उठाया। पाकिस्तान ने इसकी प्रतिक्रिया में सीनेट में प्रस्ताव पारित किया तथा आतंकवादी घटना से स्वयं को अलग करते हुए भारत पर ही बदनाम करने का आरोप लगाया। पाकिस्तान का सबसे बड़ा वक्तव्य है कि सिंधु जल समझौते को रद करना युद्ध जैसा कदम है। उसने 1972 के शिमला समझौते को समाप्त करने की धमकी दी। पाकिस्तान की दुर्दशा देखिए कि रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने एक साक्षात्कार में आतंकी संगठनों के वित्त पोषण, प्रशिक्षण और समर्थन के इतिहास संबंधी प्रश्न पर स्वीकार किया कि हम अमेरिका और ब्रिटेन समेत पश्चिमी देशों के लिए ऐसा करते रहे हैं और हमें इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। हम अगर सोवियत संघ के खिलाफ अफगानिस्तान युद्ध या 9/11 में साथ नहीं होते तो पाकिस्तान का ट्रैक रिकॉर्ड साफ रहता। तो इतना उन्होंने स्वीकार किया। यह भी वास्तविक सच को इस मायने में झूठलाना है क्योंकि स्थिति का लाभ उठाते हुए जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद पाकिस्तान ने अपनी ओर से प्रायोजित किया और उसका पूरा इंफ्रास्ट्रक्चर खड़ा किया जो एक हद तक अभी भी कायम है। विश्व के प्रमुख देशों की सूचना में ये सारी बातें हैं। इसलिए भारत ने जब 2018 में हवाई बमबारी की तो एक भी देश ने उसका विरोध नहीं किया। उस समय भी डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के और व्लादिमीर पुतिन रूस के राष्ट्रपति थे। निःसंदेह, संपूर्ण देश में पाकिस्तान के विरुद्ध सैनिक कार्रवाई या युद्ध का माहौल बना हुआ है। इस दृष्टि से देखें तो सर्जिकल स्ट्राइक और बालाकोट हवाई बमबारी की जा चुकी तथा इसके प्रभाव भी पड़े। स्वाभाविक ही इससे बड़ी कार्रवाई की स्थिति सामने है। तो आगे क्या? जम्मू-कश्मीर के लिए आंतरिक और बाह्य दोनों स्तरों पर कार्रवाई की आवश्यकता थी, जो हो रही है। पहलगाम के बाद उसको पूर्णता तक ले जाना अपरिहार्य हो गया है। भारत ने आंतरिक रूप से पहलगाम हमले के एक आतंकवादी अनंतनाग के बरा स्थित आदिल ठोकर उर्फ आदिल कुड़ी के घर को ध्वस्त किया तथा दूसरे आतंकवादी जैश ए मोहम्मद के आसिफ शेख का मकान तलाशी के दौरान स्वयं ध्वस्त हो गया।

भारत अब बदल चुका

यह आतंकवादियों को सीधा संदेश है कि भारत बदल चुका है। सच यही है कि जम्मू-कश्मीर के संदर्भ में न केवल भारत बदला है बल्कि जम्मू कश्मीर तथा अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य भी बदला हुआ है। यह पहली बार है जब आतंकवादी घटना के विरुद्ध कम या ज्यादा संख्या में संपूर्ण जम्मू कश्मीर से लोग सड़कों पर आए हैं, कैंडल मार्च और धरना प्रदर्शन हो रहे हैं। हालांकि यह सब गृह मंत्री अमित शाह के कश्मीर दौरे के बाद ही आरंभ हुआ। अमित शाह के साथ बैठक में मुख्यमंत्री के रूप में उमर अब्दुल्ला भी उपस्थित थे और वहां कुछ बातें हुई होगी। उसके बाद नेशनल कांफ्रेंस ने पहली बार विरोध प्रदर्शन किया और महबूबा मुफ्ती जैसी पाकिस्तान के प्रति नरम नीति अपनाने वाली नेत्री को भी सड़क पर उतरना पड़ा। कश्मीर में जहां आतंकवादी हमले के बाद सुरक्षा कार्रवाई के विरुद्ध नारे लगाते थे, पत्थरबाजी होती थी और किसी तरह आतंकवादियों के निकल भागने का रास्ता तैयार किया जाता था, उसके विपरीत यह दृश्य निश्चित रूप से महत्वपूर्ण बदलाव का संदेश है। थोड़ी गहराई और व्यापकता से विचार करें तो निष्कर्ष आएगा कि सीमा पर सैन्य कार्रवाई को छोड़कर किसी देश के विरुद्ध जितने कदम उठाए जा सकते थे, लगभग भारत ने एक बारगी उठा लिया है। इसका अर्थ है कि भारत समग्रता में दीर्घकालिक समाधान की दृष्टि से बहुपक्षीय कार्रवाई की ओर अग्रसर है।

सबक सिखाना और सीखना दोनों जरूरी

आतंकवाद

राजकुमार सिंह

वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक

बड़े लोगों के परिजन अकसर विदेश में ही रहते हैं, पर कहा जा रहा है कि सेना प्रमुख जनरल सैयद आसिम मुनीर समेत पाकिस्तान के बड़े सैन्य अधिकारियों ने परिवारों को यूरोप भेज दिया है। यह पहलगाम पर आतंकी हमले के बाद भारत-पाक में बढ़ते तनाव का असर है। उन्हें डर है कि प्रतिक्रियास्वरूप भारत बड़ी कार्रवाई कर सकता है। अभी तक सरकार ने सिंधु जल संधि स्थगित करने, पाक उच्चायोग स्टाफ घटाने, सार्क समेत 14 श्रेणियों में पाक नागरिकों को जारी वीजा तुरंत रद करने और अटारी बॉर्डर बंद करने जैसे कुछ सख्त फैसले लिये हैं। पाकिस्तान ने भी भारत के लिए अपना एयरस्पेस बंद करते हुए जवाबी कदम उठाये हैं। यह तनाव और बढ़ सकता है। इसी साल विधानसभा चुनाव वाले बिहार में जनसभा के बजाय दिल्ली में हुई सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आतंकियों को 'मिट्टी में मिला देने' की चेतावनी देते तो शायद और बेहतर संदेश जाता। बिहार को कुछ सौगातें देने के मौके पर जनसभा में मोदी ने कहा कि 'उन्हें उनकी कल्पना से भी बड़ी सजा' मिलेगी। धार्मिक पहचान पूछ कर 26 निर्दोष पर्यटकों की हत्या करने वाले मानवता के दुश्मनों को कठोरतम सजा मिलनी ही चाहिए, पर उनको नापाक मंसूबों में सफल हो जाने देने के लिए जिम्मेदार हमारे तंत्र पर भी तो गाज गिरनी चाहिए। पर्यटन कश्मीर की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है।

सुरक्षा में चूक का सवाल

हाल के वर्षों में वहां पर्यटकों की बढ़ती संख्या भी सुखद है। फिर स्विटजरलैंड से तुलना वाली पहलगाम की बैसरन घाटी में 22 अप्रैल को हजारों पर्यटकों की सुरक्षा के लिए कोई मौजूद क्यों नहीं था? आखिर देश भर से ये पर्यटक 'स्थिति सामान्य' होने के सरकारी दावों पर भरोसा करते हुए ही वहां गये थे। आपसी रिश्ते रसातल में पहुंच जाने के बावजूद इस संकटकाल में विपक्ष ने हर कदम के लिए सरकार को समर्थन देकर समझदारी का परिचय दिया है, लेकिन सुरक्षा में चूक की बात घुमा-फिरा कर स्वीकार करने वाली व्यवस्था खुद पर उठते सवालों का जवाब कब देगी? केंद्र सरकार के ये स्पष्टीकरण कि टूर ऑपरेटर्स ने बिना बताये टूर शुरू कर दिये तथा जहां हमला हुआ, वह जगह मेन रोड से बहुत दूर है, गैर-जिम्मेदारी की पराकाष्ठा हैं। जो सरकारी तंत्र हजारों पर्यटकों के पहलगाम पहुंचने की जानकारी के लिए टूर ऑपरेटर्स की सूचना पर निर्भर हो तथा घटनास्थल मेन रोड से बहुत दूर होने के कारण वहां पर सुरक्षाकर्मी न होने का कुतर्क दे सकता हो, उसकी क्षमता और दक्षता पर ज्यादा कुछ कहने की जरूरत नहीं रह जाती। सामान्य समझ भी बताती है कि ऐसे हमले को बिना सुनियोजित साजिश और लंबी तैयारी के अंजाम नहीं दिया जा सकता।

हमारे सत्ता तंत्र की जवाबदेही

हाल ही में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पाकिस्तान द्वारा पुनः कश्मीर राग आलापे जाने तथा पाक सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर द्वारा अचानक हिंदू-मुसलमान के बीच स्पष्ट भेद बताते हुए

द्विराष्ट्र थ्योरी पर कुतर्कों के साथ लंबे प्रवचन से भी हमारी व्यवस्था के कान खड़े नहीं हुए। वैसे जो तंत्र हमले की आशंका की खुफिया सूचना के बावजूद पर्यटक स्थलों पर भी सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर पाया, उससे दुनिया के घटनाक्रम से सजग होने की उम्मीद नहीं जा सकती। पहलगाम जैसे लोकप्रिय पर्यटक स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था नदारद होने से सेना की घटती संख्या तथा अग्निवीर जैसी विवादास्पद योजना पर भी नये सिरे से सवाल उठने लगे हैं। तर्क दिया जा सकता है कि सुरक्षा में चूक के बाद सवाल उठना स्वाभाविक है, लेकिन इनके जवाब दूरगामी प्रभाव और परिणाम तय करेंगे।

पाकिस्तान तो अस्तित्व में आने के बाद से ही भारत में अलगाववाद और आतंकवाद फैलाने की साजिशें रचता रहा है, पर उन्हें नाकाम करते हुए देश की सुरक्षा की जिम्मेदारी और जवाबदेही हमारे सत्ता तंत्र की है। इसलिए नापाक पाक पर निशाना साधते हुए भी अपनी नाकामी की जिम्मेदारी और जवाबदेही से पल्ला नहीं झाड़ा जा सकता। संविधान संशोधनों के बाद जम्मू-कश्मीर की वास्तविक कमान केंद्र सरकार और उसके प्रतिनिधि उप-राज्यपाल मनोज सिन्हा के ही हाथ है। पिछले साल अक्तूबर में विधानसभा चुनाव हो जाने के बावजूद सुरक्षा संबंधी अहम बैठकों में निर्वाचित सरकार के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को बुलाया तक नहीं जाता। बेहद संवेदनशील सीमावर्ती राज्य में निर्वाचित सरकार को नजरअंदाज कर सीमा पार प्रायोजित आतंकवाद से लड़ाई में सफलता की सोच में ही विफलता निहित है। दूसरा बड़ा मुद्दा धार्मिक पहचान पूछ कर मारे जाने को बनाया जा रहा है। बेशक यह मानवता के विरुद्ध है, पर मानवता के विरुद्ध तो आतंकवाद ही है। पंजाब में आतंकवाद के दौर में भी धार्मिक पहचान के आधार पर बसों से उतार कर हत्या की जाती थी। पहलगाम में तो हिंदू पर्यटकों की जान बचाते हुए एक मुस्लिम ने अपनी जान तक गंवा दी। फिर भी देश के कई हिस्सों में कश्मीरी छात्रों को निशाना बना कर सांप्रदायिक विभाजन के पाकिस्तानी मंसूबे पूरे करने में कुछ लोग मददगार बनने को उतावले नजर आ रहे हैं। भारत और पाकिस्तान ही नहीं, दुनिया को भी लग रहा है कि कुछ बड़ा होगा, पर कोई नहीं जानता कि वास्तव में क्या होगा, लेकन जो भी होगा, आतंकवाद पर करारा वार होगा। मोदी के ऐसे सख्त बोल पिछली बार 14 फरवरी, 2019 को पुलवामा हमले पर सुनायी पड़े थे और 26 फरवरी को तड़के भारतीय लड़ाकू विमानों ने पाकिस्तान के बालाकोट में एयरस्ट्राइक कर जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी शिविरों को तबाह कर दिया। उरी हमले के जवाब में सर्जिकल स्ट्राइक के बाद यह दूसरी बार था, जब भारत ने सीमा पार कर आतंकियों और उनके आकाओं को सबक सिखाया। उसी के बाद सरकार और भाजपा ने नारा बुलंद किया कि यह नया भारत है, जो दुश्मन को घर में घुस कर मारता है। नारा जनता के सिर चढ़ कर बोला और 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा की सीटें 282 से बढ़ कर 303 हो गयीं। उत्साहित मोदी सरकार ने जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले, संविधान के अनुच्छेद 370 को समाप्त करते हुए उसे विभाजित भी कर दिया।

प्रायोजित आतंकी हमले जारी

दावा किया गया कि अनुच्छेद 370 अलगाववाद और आतंकवाद का औजार बन गया था। बाद के सालों में जम्मू-कश्मीर में बेहतर हालात का दावा भी किया जाता रहा, लेकिन पहलगाम हमला बताता है कि सुरक्षा के मोर्चे पर अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। पाक प्रायोजित आतंकवाद के मंसूबे कभी सफल नहीं होंगे। हमेशा की तरह इस बार भी पाकिस्तान न भी माने, पर दीवार पर लिखी इबारत की तरह साफ है कि पहलगाम में सीमा पार प्रायोजित आतंकी हमला ही था, लेकिन अप्रत्याशित हरगिज नहीं था।

संजय के दीक्षित

तरकश

जांच का असर, 32 करोड़ की बचत

पाठ्य पुस्तक निगम के चर्चित घपले की जांच का ऐसा असर हुआ कि पेपर का रेट इस बार गिरकर 77 रुपए प्रति किलो पर आ गया। जबकि पिछले साल 109 रुपए किलो से टेंडर हुआ था। सरकारी स्कूलों के बच्चों के लिए करीब 50 लाख पुस्तकें छापने के लिए पापुनि हर साल करीब 10 हजार टन पेपर की खरीदी करता है। 77 रुपए के हिसाब से इस बार 77 करोड़ ही खर्च हुआ। याने खजाने का 32 करोड़ बच गया। पापुनि से जुड़े लोगों की मानें तो 30 परसेंट रेट गिरने के बाद भी 77 करोड़ में से आठ-से-दस करोड़ बंट जाएगा। तो फिर इसे यूं समझा जाए कि पिछले साल करीब 40 करोड़ का खेला हुआ। बता दें, विधानसभा चुनाव 2023 से महीने भर पहले नवंबर 2023 में ही रेट फायनल कर पेपर सप्लाई का आर्डर दे दिया गया था। पापुनि की किताबें कबाड़ में पाए जाने के बाद बवाल मचा तो पता चला बीजेपी वाले खाए पीए कुछ नहीं, गिलास फोड़े बारह आना वाला हाल हो गया। याने आवश्यकता से अधिक पुस्तकें छपवाने के खेल की पृष्ठभूमि विधानसभा चुनाव से पहले बनी और विकास उपाध्याय ने ठीकरा फोड़ दिया सरकार के माथे। अलबत्ता, पापुनि ने जांच के नाम पर खटराल अधिकारियों की कमेटी बनाकर खानापूर्ति करने का प्रयास किया। मगर सीएम विष्णुदेव साय बिगड़ पड़े...बोले, सबसे बढ़ियां जांच कौन करेगा, बताया गया रेणु पिल्ले। पिल्ले कमेटी की जांच का ऐसा असर हुआ कि इस बार पेपर का रेट धराशायी हो गया। राज्य बनने के बाद यह पहला मौका होगा, जब इतना कम रेट गया होगा। बता दें, डेढ़ दशक पहले एक मंत्री ने अपना रेट 25 प्रतिशत फिक्स कर दिया था, उसके बाद पापुनि में घोटाला चरम पर पहुंच गया था। शुक्र है, पापुनि की व्यवस्था पटरी पर आ गई, खजाने का 32 करोड़ बचा सो अलग।

ऐतिहासिक राहत और 'डंडी'

विष्णुदेव साय सरकार ने जमीन-जायदाद के नामंतरण के मामले में ऐतिहासिक फैसला लेते हुए सिस्टम को ऑटोमेटिक कर दिया। याने रजिस्ट्री होते ही अब अपने आप रिकार्ड में आपका नाम चढ़ जाएगा। सरकार के इस फैसले से लोगों का न केवल सिरदर्द कम होगा बल्कि साल में हजार करोड़ का भ्रष्टाचार पर लगाम कसेगा। मगर इसके साथ ही सरकार के लिए संज्ञान लेने लायक प्वाइंट यह है कि राजस्व विभाग ने तीन ऐसी शर्तें जोड़ दी है, उससे सरकार का मूल उद्देश्य के पूरा होने पर संशय है। पहला, कोई विवाद नहीं होनी चाहिए, दूसरा जिओ रेफ्रेंस और तीसरा बटांकन। छत्तीसगढ़ के अधिकांश जिलों में बटांकन का काम पूरा नहीं हुआ है। सूबे में सिर्फ रायगढ़ और राजनांदगांव जिले में 70 परसेंट बटांकन हुआ है। यही हाल, जिओ रेफ्रेंस का है। पिछले दसेक साल से कई कंपनियां इस पर काम कर रही मगर आज तक यह कंप्लीट नहीं हुआ। और शिकायत तो कोई शरारत करते हुए एक अर्जी दे देगा रजिस्ट्री विभाग में, तो उसका आटोमेटिक नामंतरण नहीं होगा। याने मामला फिर तहसीलदार के पास जाएगा। राजस्व विभाग के अधिकारियों ने पिछली सरकार में भी यही खेला किया था। तत्कालीन सीएम भूपेश बघेल ने गणतंत्र दिवस के भाषण में नामंतरण के सरलीकरण की घोषणा की थी। उसके बाद आईएएस निरंजन दास की अध्यक्षता में तीन आईएएस अधिकारियों की कमेटी बनी। निरंजन दास कमेटी ने भी पटवारी, तहसीलदारों के पक्ष में रिपोर्ट देते हुए कहा कि 14 दिन में अगर नामंतरण नहीं हुआ तो तहसीलदार की कोर्ट में प्रकरण दर्ज हो जाएगा। याने कमेटी ने पेचीदगियां और बढ़ा दी। बहरहाल, वर्तमान सरकार ने बड़ा फैसला किया है...उसकी नीयत नेक है...इसे लागू होने में अभी हफ्ते भर का टाईम है। 3 मई को इसका उद्घाटन किया जाएगा। तीनों शर्तों को अगर शिथिल कर दिया जाए, तो आम आदमी के लिए सचमुच...अकल्पनीय राहत होगी।

2005 बैच, 5 कलेक्टर

पीएससी के चर्चित 2005 बैच के इस समय पांच कलेक्टर हो गए। तीन पहले से थे, दो अभी बने हैं। छत्तीसगढ़ में ऐसा संयोग पहली बार हुआ है कि एक बैच के पांच-पांच अफसरों को जिला मिल गया हो। हालांकि, इसमें कोई गलत नहीं है। हर आईएएस का सपना होता है कलेक्टर बनना। पहले के समय में बेचारे सुरेंद्र बेहार जैसे कई अफसर बिना जिला किए ही रिटायर हो गए। मगर बात 2005 बैच के संदर्भ में तो, सरकार को 360 डिग्री वाला मानिटरिंग सिस्टम स्ट्रांग करना होगा। वरना, 2005 बैच के अधिकारियों का जैसे-जैसे रिटायरमेंट का वक्त आ रहा...इन बेचारों का लीगल खर्चा बढ़ता जा रहा है। जाहिर है, सुप्रीम कोर्ट के सिर्फ एक स्टे पर इनकी नौकरी अटकी हुई हैं। वरना, बिलासपुर हाई कोर्ट के तत्कालीन चीफ जस्टिस दीपक गुप्ता ने तो इनकी नियुक्ति निरस्त कर सड़क पर ला दिया था। वो तो भला हो देश के सबसे बड़े और महंगे वकील हरीश साल्वे का, जिनके चलते सुप्रीम कोर्ट से स्टे मिल गया। नौ साल से यह स्टे कंटिन्यू कर रहा है। राहत की बात यह कि राज्य सरकारों ने भी स्टे हटवाने कोई प्रयास नहीं किया। उपर से नजरे इनायत ऐसी कि पिछली सरकार में उन्हें आईएएस भी अवार्ड हो गया।

समरथ को नहीं दोष गोसाई

यह आठवां आश्चर्य होगा कि सीजीएमएससी के इतने कारनामों के बाद भी एमडी का बाल बांका नहीं हुआ। चार कॉलेजों के टेंडर में 500 करोड़ का स्कैम के बाद भी सीजीएमएससी में सब कुछ अनवरत चल रहा है, मानो कुछ हुआ ही नहीं। दरअसल, पीएससी का 2005 बैच धनबल से इतना ताकतवर है कि बेचारी वर्षा डोंगरे दो दशक से संघर्ष करते-करते थक गई। पिछली सरकार ने उल्टे वर्षा को सस्पेंड कर दिया था। एक दूसरे आरटीआई कार्यकर्ता को लग्जरी रिसोर्ट बनवाकर उनका मुंह बंद करा दिया गया। 2005 बैच के अफसर दबी जुबां से मानते हैं कि पोस्टिंग के हिसाब से हमें योगदान देना पड़ता है। जैसे कलेक्टर या मलाईदार बोर्ड या निगम में हैं तो फिर महीने का हेवी हिस्सेदारी उन्हें निभानी पड़ती है। ऐसे में वर्षा डोंगरे क्या कर लेगी, जब पूरा सिस्टम समरथ के साथ है...सुप्रीम कोर्ट से जब तक स्टे हटेगा, तब तक सभी रिटायर हो चुके होंगे। भगवान सिंह उईके तो अगले साल दिसंबर में ही रिटायरमेंट है। हमारे कहने का यह आशय कतई नहीं कि 2005 बैच वाले सारे-के-सारे बैकडोर वाले हैं....मगर हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस दीपक गुप्ता ने नियुक्ति निरस्त की थी, तो कुछ तो उन्होंने देखा ही होगा। वैसे, पीएससी ने भी कोर्ट में गलती मान ली थी, मगर एक्शन कुछ लिया नहीं। पुणे की पूजा खेड़कर का मामला नेशनल लेवल पर उछल गया इसलिए यूपीएससी ने पूजा का आईएएस निरस्त कर दिया। और छत्तीसगढ़ में....छत्तीसगढ़िया सबले बढ़ियां...यहां जेल जा चुकी बारहवीं की फर्जी टॉपर पोरा बाई सरकारी नौकरी कर रही है...और भर्ती निरस्त हो चुकी अफसर कलेक्टरी।

सूचना आयोग का औचित्य?

पीएससी 2005 की बात चली तो सूचना आयोग की अहमियत पर भी चर्चा लाजिमी है। 2005 में ही सूचना आयोग की स्थापना हुई थी। 20 साल में एकमात्र बड़ी सूचना पीएसससी की ही निकली थी। आरटीआई से ही खुलासा हुआ था कि पीएससी 2005 परीक्षा में किस तरह पैसे और पहुंच के बल पर मेरिट लिस्ट पलट दी गई। इसके बाद फिर सूचना आयोग ने फिर कोई ऐसी जानकारी नहीं दी। एक तरह से कहें तो अब ये सफेद हाथी की तरह हो गया है। हालांकि, दिक्कत सूचना आयुक्तों की नहीं, उन्हें नियुक्त करने वालों की है। मुख्य सूचना आयुक्त और सूचना आयुक्त ऐसे अधिकारियों को बनाया जाता है, जो पूरी सरकारी नौकरी के दौरान मामलों पर पर्दा डालने का काम करते हैं। रिटायरमेंट के बाद अगर उन्हें सूचना आयुक्त बना दिया जाएगा तो उनसे जानकारी का खुलासा करने की उम्मीद भला कैसे की जा सकती है।

तहसीलदारों का बोझ हल्का

नामंतरण का अधिकार रजिस्ट्री अधिकारी को देकर राज्य सरकार ने तहसीलदारों का न केवल जेब हल्का किया बल्कि उनके कंधों का बोझ भी हल्का कर दिया है। नामंतरण के लिए 14 दिन टाईम लिमिट था मगर बात नहीं बनी तो महीनों फाइल लटकी रहती थी। कभी वीआईपी ड्यूटी का बहाना तो कभी चुनाव का। सरकार ने एक झटके में तहसीलदारों का दोनों बोझ हल्का कर दिया है।

रिटायरमेंट से पहले मान

आईएएस टोपेश्वर वर्मा से काम राजस्व बोर्ड चेयरमैन का लिया जा रहा था और पोस्ट मेंबर का था। मेंबर की हैसियत से वे प्रभारी चेयरमैन के तौर पर काम कर रहे थे। राज्य सरकार ने आईएएस के फेरबदल में इस विडंबना को दूर करते हुए टोपेश्वर को चेयरमैन की पोस्टिंग दे दी है। टोपेश्वर का इसी साल अक्टूबर में रिटायरमेंट है। रेवेन्यू बोर्ड का चेयरमैन मुख्य सचिव के समकक्ष पद है। उपर से पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के भांजी दामाद होने के बाद भी सरकार ने टोपेश्वर का कद बढ़ाने में दिल छोटा नहीं किया। पूर्व सीएम के एक भांजी दामाद गृह मंत्री विजय शर्मा के गृह जिले कवर्धा के कलेक्टर हैं। अब आप ये मत समझिएगा कि पूर्व मुख्यमंत्री का इस सरकार में चल रही है। कवर्धा वाला मामला विशुद्ध तौर से गृह मंत्रीजी के दोस्ती का है, और टोपेश्वर का सरकार की उदारता का।

कांग्रेस मंत्री का मॉल और बीजेपी प्रेम

रायगढ़ के रहने वाले केके गुप्ता छत्तीसगढ़ बनने से पहले दिग्विजय सिंह सरकार में स्वास्थ्य मंत्री रहे। कारोबारी परिवार से ताल्लुकात रखने वाले गुप्ता का रायगढ में होटल खुला तो बीजेपी के पूर्व मुख्यमंत्री ने फीता काटा था। बिलासपुर के मॉल के समय भी ऐसा ही हुआ। राजधानी रायपुर के एक पुराने मॉल का भी बीजेपी के मुख्यमंत्री ने उद्घाटन किया। कल रायपुर के जोरा मॉल के उद्घाटन में मुख्यमंत्री, विधानसभा अध्यक्ष, उपमुख्यमंत्री से लेकर बीजेपी के सारे बड़े नेता फोटो में नजर आए, कांग्रेस के एक भी नहीं। पूर्व मंत्री का कारोबार जिस ढंग से बढ़ रहा है, कहीं ऐसा तो नहीं कि वे बीजेपी ज्वाईन कर लें।

दिल्ली स्टाईल में ट्रांसफर

आईएएस के ट्रांसफर इस बार भारत सरकार के स्टाईल में हुए। अभी तक एक अधिकारी के पास कई-कई एचओडी और मंत्री होते थे। इसमें दिक्कत यह होती थी कि कई बार सेम टाईम में दो-दो मंत्रियों की बैठक हो जाती थी। विधानसभा सत्र के दौरान ब्रीफिंग में भी ये कठिनाई आती थी। सरकार ने अब एकजाई करके एक एचओडी, एक मिनिस्टर कर दिया है। याने अफसरों को अब इधर-उधर भागना नहीं पड़ेगा। उनका एक एचओडी होगा और एक मंत्री। राजस्व पर भी सरकार ने पहली बार ध्यान दिया है। राजस्व बोर्ड वन मैन आर्मी की तरह काम कर रहा था, सरकार ने एक मेम्बर और बिठाया है। रायपुर, दुर्ग संभागों में सर्वाधिक केसों को देखते दोनों संभागों में एक-एक अपर आयुक्त की पोस्टिंग की गई है। अबकी पोस्टिंग में इस सरकार, उस सरकार वाला लेबल हटा दिया गया है। याने पिछले सरकार वाले अफसरों को भी उनके काम के हिसाब से पोस्टिंग दी गई है।

अंत में दो सवाल आपसे?

1. आपकी नजर में रिटायर डीजीपी अशोक जुनेजा के मुख्य सूचना आयुक्त बनने की संभावना कितना प्रतिशत है?

2. मीनल चौबे के महापौर बनने के बाद अगर राजेश मूणत मंत्री बन गए तो फिर बृजमोहन अग्रवाल खेमे का क्या होगा?

नए सिस्टम में पोर्टल से हो जाएगा नामांतरण

रजिस्ट्री के साथ नामांतरण से राहत पर पुराने मामलों में लोचा, 17 हजार से ज्यादा पेंडिंग

हरिभूमि न्यूजःरायपुर

छत्तीसगढ़ में राज्य सरकार ने जल्द ही ये व्यवस्था शुरू करने जा रही है कि किसी संपत्ति, जमीन, मकान की रजिस्ट्री के तुरंत बाद उसका नामांतरण भी हो जाएगा। पहले यह प्रक्रिया लंबी और खरीदारों को उलझाने वाली थी। सरकार ने जो बदलाव किया है वह प्रदेश के लोगों को बड़ी राहत देने वाला है। लेकिन इसके साथ ही ये सवाल भी है कि नामांतरण की नई प्रक्रिया शुरु होने के पहले इससे संबंधित जो प्रकरण लंबित हैं, उनका क्या होगा। छत्तीसगढ़ में वर्ष 2023-24 में ही विवादित नामांतरण के 17 हजार से अधिक मामले लंबित हैं। इनमें से एक से लेकर दो साल और उससे भी अधिक पुराने हैं।

अगर किसी जमीन, मकान या अचल संपत्ति को किसी दूसरे व्यक्ति के नाम से ट्रांसफर करने के समय तीसरा व्यक्ति या कुछ और लोग मालिकाना हक के दावेदार के रूप में सामने आ जा रहे हैं, तो नामांतरण के ऐसे मामलों को राजस्व विभाग विवादित नामांतरण के प्रकरणों में शामिल कर लेता है। छत्तीसगढ़ में ऐसे दो चार हजार नहीं, बल्कि 17 हजार से अधिक मामले हैं, जिनका निपटारा नहीं हो पाया है। खास बात ये है इस तरह के लंबित मामलों में सबसे अधिक संख्या सरगुजा जिले की है। इसके बाद रायपुर जिले का नंबर आता है। तीसरे नंबर पर सबसे अधिक लंबित प्रकरणों वाला जिला बिलासपुर है।

ज़मीन के सरकारी दस्तावेज में मालिक का नाम दर्ज कराने की प्रक्रिया को नामांतरण कहते हैं. अगर इस प्रक्रिया में किसी तरह का विवाद हो, तो उसे राजस्व विभाग में विवादित नामांतरण कहते हैं।

पुराने मामले पहले की तरह ही निपटाए जाएंगे, सरगुजा टॉप पर उसके बाद रायपुर-बिलासपुर

ये है विवादित नामांतरण मामलों का ब्योरा

राजस्व विभाग की एक रिपोर्ट के मुताबिक 2024-24 में विवादित नामांतरण के कुल 62 हजार 283 प्रकरण दर्ज राज्य में दर्ज किए गए। इनमें 45 हजार 196 का निपटारा हो गया। इसके साथ ही लंबित प्रकरणों की संख्या 17 हजार 87 है। समय सीमा के भीतर के प्रकरण 12 हजार 264 है। लंबित मामलों में सबसे अधिक सरगुजा के 1930, रायपुर के 1869, बिलासपुर के 1281, दुर्ग के 1181, सूरजपुर के 1056 प्रकरण है। सबसे कम में नारायणपुर में 12, सुकमा में 17 बीजापुर 18, प्रकरण है। लेकिन गौर करने वाली बात ये है कि राज्य का कोई भी ऐसा जिला नहीं है, जहां विवादित नामांतरण के मामले न हो। कोई जिला ऐसा नहीं है जहां ऐसे मामले लंबित न हों। राज्य में एक साल तक से लंबित 1795, दो साल या उससे अधिक समय से लंबित मामले 1196 हैं।

डीएनए की पुष्टि जरूरी नहीं, हर मामले में शव की बरामदगी पर जोर दिया तो सजा से बच सकते हैं आरोपी

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने अपहरण और हत्या के मामले में दो आरोपियों आकाश कोसरे और संजू वैष्णव की दोषसिद्धि और आजीवन कारावास को बरकरार रखा है। मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति अरविंद कुमार वर्मा की खंडपीठ ने चतुर्थ अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश दुर्ग द्वारा पारित निर्णय के विरुद्ध दायर आपराधिक अपील को खारिज कर दिया है। अपने फैसले में कोर्ट ने कहा है कि मृतक के परिजनों द्वारा पहचानी गई अंगूठियों और अन्य वस्तुओं की पहचान विश्वसनीय थी। डीएनए की पुष्टि नहीं होने के बावजूद साक्ष्यों की पूरी श्रृंखला अभियुक्तों की संलिप्तता की पुष्टि करती है। कोर्ट ने यह भी कहा कि यदि हर मामले में शव की बरामदगी पर जोर दिया जाएगा तो आरोपी हत्या के बाद शव को नष्ट करने का हर संभव प्रयास करेगा और सजा से पूरी तरह बच सकता है। याचिका के मुताबिक आनंद देवांगन द्वारा 18 जनवरी 2019 को नेवई थाना में अपने पिता के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई। जांच के दौरान आरोपियों आकाश कोसरे और संजू वैष्णव की गिरफ्तारी हुई, जिन्होंने पूछताछ में हरिप्रसाद देवांगन का अपहरण कर उसकी हत्या करने और फिर खोरपा गांव के पास खेत में भूसे से उसका शव जलाने की बात स्वीकार की। आरोपियों के कथन के आधार पर घटनास्थल से मृतक से संबंधित वस्तुएं जैसे जली हुई हड्डियां, टिफिन बॉक्स, आभूषण और व्यक्तिगत सामान बरामद किए गए। इन अवशेषों की फॉरेंसिक और डीएनए जांच करवाई गई। हालांकि डीएनए प्रोफाइल स्पष्ट रूप से नहीं मिल सका।

20 गवाहों की गवाही कराई गई

फॉरेंसिक विशेषज्ञ ने गवाही दी कि बरामद हड्डियां मानव की थी और लगभग 60 वर्ष से अधिक उम्र के व्यक्ति की थी, जो मृतक की उम्र के अनुकूल थी। मामले में 20 गवाहों की गवाही कराई गई। इनमें जांच अधिकारी अमित कुमार बेरिया, फॉरेंसिक विशेषज्ञ डॉ. स्निग्धा जैन और अनुपमा मेश्राम शामिल थे। इन्होंने घटनाक्रम की कड़ी को अभियुक्तों के अपराध की ओर इंगित करने हेतु प्रस्तुत किया। अभियुक्तों के वकीलों ने तर्क दिया कि दोषसिद्धि प्रत्यक्ष साक्ष्य या चश्मदीद गवाहों के अभाव में टिकाऊ नहीं है और मृतक की पहचान भी प्रमाणिक रूप से स्थापित नहीं हो सकी।

अपहरण, डकैती और हत्या की श्रृंखला

बचाव पक्ष की ओर से यह भी कहा गया कि जब्ती की गई वस्तुएं सार्वजनिक स्थानों से प्राप्त हुईं, जहां किसी का भी पहुंचना संभव था, और इन वस्तुओं या अपराध में प्रयुक्त वाहन की विधिसम्मत पहचान नहीं कराई गई। अदालत ने यह पाया कि अभियोजन पक्ष अपहरण, डकैती और हत्या की घटनाओं की एक ऐसी सुसंगत श्रृंखला प्रस्तुत करने में सफल रहा, जिससे यह साबित होता है कि अभियुक्त ही इस अपराध में दोषी हैं। इसके बाद कोर्ट ने अपील खारिज कर दी और निचली अदालत द्वारा धारा 302/34 आईपीसी के तहत सुनाई गई आजीवन कारावास की सजा को बरकरार रखा है।

37 साल तक दिया ज्यादा वेतन, रिटायरमेंट के बाद वसूली, यह असंवेदनशील और अनुचित

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने एक ऐतिहासिक निर्णय में रिटायर्ड कर्मचारी से की जा रही वेतन की वसूली को गैरकानूनी करार देते हुए विभागीय आदेश को रद्द कर दिया है। यह फैसला न्यायमूर्ति बिभु दत्ता गुरु की एकलपीठ ने सुनाया। याचिका के अनुसार कोरबा निवासी 63 वर्षीय अहमद हुसैन स्वास्थ्य विभाग में हेड क्लर्क के पद से रिटायर हुए हैं। उन्हें 1 जून 2023 को एक पत्र प्राप्त हुआ। इसमें कहा गया कि 1 जनवरी 1986 से 28 फरवरी 2023 तक उन्हें गलती से अधिक वेतन दिया गया, जिसकी वसूली की जाएगी। डायरेक्टरेट ऑफ हेल्थ सर्विसेज और कोरबा के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) ने मिलकर यह वसूली का आदेश जारी किया। अहमद हुसैन के वकील डॉ. सुदीप अग्रवाल ने कोर्ट में तर्क दिया कि यह वसूली सुप्रीम कोर्ट के 2015 के रफीक मसीह फैसले के खिलाफ है। हुसैन क्लास-तीन कर्मचारी हैं और उन्हें इस अतिरिक्त राशि के भुगतान की जानकारी नहीं थी। यह वसूली उनके लिए वित्तीय संकट और मानसिक पीड़ा का कारण बन सकती है।

जानबूझकर कोई धोखाधड़ी नहीं की

राज्य की ओर से अधिवक्ता ने कहा कि विभाग ने जब त्रुटिपूर्ण भुगतान की पहचान की, तो नियम अनुसार वसूली का आदेश दिया। सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने कहा कि अहमद हुसैन क्लास-तीन कर्मचारी हैं और रिटायर हो चुके हैं। उन्होंने जानबूझकर कोई धोखाधड़ी नहीं की। सुप्रीम कोर्ट ने अपने रफीक मसीह व जोगेश्वर साहू जैसे मामलों में ऐसे वसूली आदेशों को असंवेदनशील और अनुचित ठहराया है। कोर्ट ने कहा कि यह वसूली न सिर्फ नियमों के खिलाफ है बल्कि कर्मचारी की गरिमा व सम्मान के खिलाफ भी। न्यायालय ने याचिका स्वीकार करते हुए वसूली आदेश को रद्द कर दिया है।

करदाता स्वेच्छा से त्रुटि स्वीकार करता है तो जुर्माना नहीं लगाया जा सकता

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने आयकर मामलों में करदाताओं के हित में एक महत्वपूर्ण निर्णय सुनाते हुए स्पष्ट किया है कि यदि कोई करदाता स्वेच्छा से अपनी गणनात्मक त्रुटि स्वीकार करता है और उसका कोई दुर्भावनापूर्ण इरादा नहीं होता, तो उस पर आयकर अधिनियम की धारा 271(1)(सी) के तहत जुर्माना नहीं लगाया जा सकता। यह फैसला छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड के मामले में आया, जहां कंपनी ने स्वयं 8.84 करोड़ रुपए की गणना त्रुटि स्वीकार की थी। कंपनी ने आईटीआर दाखिल करते समय बुक प्रॉफिट में 35.74 करोड़ रुपए के स्थान पर 26.89 करोड़ रुपए दर्ज किया था, जो डेटा फीडिंग की अनजाने हुई त्रुटि से संबंधित थी। इस त्रुटि को कंपनी ने स्वीकार किया। इस पर आयकर विभाग ने इसे आय छिपाने का प्रयास मानते हुए धारा 271(1)(सी) के तहत जुर्माना लगाया। इस पर आईटी ने कार्रवाई की। मामले में सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने कहा कि सद्भावना से की गई स्वीकारोक्ति पर दंडात्मक कार्रवाई कर विधि के उद्देश्य को कमजोर करती है। कोर्ट ने कहा कि अपीलीय अधिकारी ने इसे मानवीय त्रुटि मानते हुए जुर्माना रद्द किया है। राजस्व विभाग की अपील पर आयकर विभाग ने जुर्माना बहाल किया। हाईकोर्ट ने आयकर विभाग के इस आदेश को खारिज करते हुए कहा कि धोखाधड़ी या छिपाने के इरादे के बिना त्रुटि दंडनीय नहीं है।

छत्तीसगढ़ के युवा देश के विकास में योगदान दे रहे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

दीनदयाल उपाध्याय आडिटोरियम में आयोजित रोजगार मेले को संबोधित करते हुए केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू ने कहा कि इन युवाओं को नियुक्ति पत्र व्यक्तिगत रूप से सौंपकर और उनके साथ बातचीत कर मुझे अत्यंत खुशी हुई, क्योंकि वे अपने जीवन के एक नए चरण की शुरुआत कर रहे हैं। देश के युवा विकसित भारत 2047 के संचालक, नेतृत्वकर्ता और लाभार्थी होंगे, जैसे-जैसे हम अमृतकाल के दौरान नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आगे बढ़ रहे हैं। देशभर के 47 स्थानों पर आज, रोजगार मेला के माध्यम से लगभग 51 हजार से अधिक उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए । इसी श्रृंखला में रायपुर के पं. दीन दयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में भी केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्यमंत्री श्री साहू के मुख्य आतिथ्य और छत्तीसगढ़ मुख्य आयकर आयुक्त कार्यालय, रायपुर के सौजन्य में रोज़गार मेले का आयोजन किया गया । इस दौरान भारत सरकार के विभिन्न विभागों में नियुक्त होने वाले 63 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपे गए। पिछले रोजगार मेले में लगभग 71000 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए थे। कार्यक्रम के प्रारंभ में इस आयोजन में उपस्थित सभी लोगों ने कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों की गोलियों से मारे गए यात्रियों को श्रद्धांजलि अर्पित की

समीरा-उपेंद्र को कारण बताओ नोटिस

रायपुर। प्रदेश भाजपा संगठन ने गौरेला पेंड्रा मरवाही में जिला पंचायत चुनाव में बागी चुनाव लड़ने वालों को नोटिस दिया है। इसमें भाजपा अध्यक्ष के खिलाफ बागी चुनाव लड़ने वाली समीरा पैकरा और भाजपा के अधिकृत उपाध्यक्ष प्रत्याशी के खिलाफ बागी चुनाव लड़ने वाले उपेंद्र बहादुर को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए सात दिनों में जवाब मांगा गया है। जवाब न देने पर पार्टी से छह साल के लिए निष्कासित करने की बात भी नोटिस में कही गई है।

नौकरी लगाने का झांसा दस लाख की ठगी

रायपुर। पुरानी बस्ती थाने में धमतरी की एक महिला ने दो लोगों के खिलाफ हॉस्टल में अधीक्षक की नौकरी लगवाने के नाम पर दस लाख रुपए ठगी करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। कौशल्या चंदेल ने शंकरलाल साहू तथा रामाधार बंजारे के खिलाफ ठगी की शिकायत दर्ज कराई है। कौशल्या ने पुलिस को बताया कि शंकर तथा रामाधार ने उसे हॉस्टल में अधीक्षक की नौकरी लगवाने के नाम पर वर्ष 2017 से 2018 के बीच पैसे लेकर ठगी की है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

ट्रैक कार्यों का निष्पादन हेतु निविदा सूचना

क्रम सं. (1) ई–निविदा संख्या : DRM-ENGG-BSP-T-28-25-26. दिनांक 23/04/2025. कार्य : वरिष्ठ मंडल अभियंता/मध्य/बिलासपुर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत थ्रू रेल रिन्यूअल (टी.आर.आर.), थ्रू टर्नआउट रिन्यूअल (टी.टी.आर.) आदि जैसे ट्रैक कार्यों का निष्पादन। निविदा मूल्यः ₹ 5,11,71,650.02/-। अमानत राशिः ₹ 4,05,900.00/-। कार्य पूर्णता की अवधिः 18 माह।

निविदा जमा करने की आरंभ तिथि : दिनांक 12.05.2025 के 11:00 बजे से। निविदा जमा करने की अंतिम तिथि : दिनांक 26.05.2025 के 11:00 बजे तक।

उपरोक्त ई–निविदा सूचना की पूरी जानकारी https://www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदाओं हेतु ई–टेन्डर के अलावा अन्य टेन्डर स्वीकार नहीं की जाएगी।

मंडल रेलवे प्रबंधक (अभियंता)
सीपीआर/10/31 द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर

South East Central Railway @secrail

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

सार्वजनिक अधिसूचना प्रारूप 10-01

रेलवे लाइनों और परिसरों के सभी उपभोक्ताओं को एतद द्वारा सूचना दी जाती है कि रेलवे के निम्नलिखित खण्ड पर 25000 वोल्ट, 50 हर्टज एसी सिग्नल फेज शिरोपरी कर्षण तारों को खण्ड के सामने विनिर्दिष्ट तारीख को या बाद मे उर्जित किया जायेगा। उस तारीख पर और उस तारीख से शिरोपरी कर्षण लाईन को सब समय विद्युन्मय माना जायेगा और कोई अनाधिकृत व्यक्ति उस शिरोपरी लाईन की सामीप्यता में दाखिला होने या काम करने नहीं जायेगा।

कार्य की विवरण खण्ड/ स्टेशन	मंडल	तारीख
1. खोंगसरा स्टेशन के मशीन स्टेबलिंग लाइन Loc: KGS/1002A (CH:783.082) से Loc: KGS/1002 (CH:783.231) तक	द.पू.म.रेलवे बिलासपुर	10/05/2025
2. ओवररन लाइन और हॉट एक्सल सह बैंकिंग स्टेबलिंग साइडिंग) Loc: 783/16 (CH :783.468) से Loc: KGS/HAS-6(CH: 783.936)		
3. डाउन लूप कम आर एंड डी लाइन और ओवररन लाइन (L-5) Loc: KGS/1048N (CH: 784.227) से Loc:KGS/1066 (CH:784.623) तथा क्रॉस ओवर L-5 से DN मेन Loc:KGS/1062 (CH: 784.463) से Loc:784/22N (CH: 784.548)		

उप मुख्य वि. अभियंता (गशई)
द.पू.म.रेलवे, बिलासपुर
सीपीआर/10/30

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

सामग्री प्रबंधन विभाग

ई–निविदा सूचना क्रमांकः एनआईटी/14/25/16, तिथि 22 अप्रैल 2025

क्र. सं.	ई–निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	टेंडर बंद/खुलने की तिथि एवं समय	खरीदी मात्रा
1	02254026	"किट आईओएच फॉर आर आर 20100 सी जी (एम) एज पर ईलगी"	07.05.2025 At 10:30hrs	51 सेट
2	02254070	एण्ड फ्रेम/डीई अस्सली (सीएनसी) मच्ड) विथ एयर आउटलेट	07.05.2025 At 10:30hrs	173 नग
3	04242408A	4.5 के डब्ल्यू अंदेस्लुंग कॉस्टंट वोल्टेज	16.05.2025 At 10:30hrs	24 नग
4	03251100	स्क्रू कपलिंग अस्सली	20.05.2025 At 10:30hrs	326 नग
5	03251514	ब्रेक बीम कम्पलीट फॉर कसनूब बोगी (22 डब्ल्यू एंड एन एल बोगी)	20.05.2025 At 10:30hrs	1021 नग
6	03252014	लोड सेन्सिंग डिवाइस फॉर बीओबी आर/बीओबी आर एन वेगन	21.05.2025 At 10:30hrs	1765 नग

रेलवे को किसी निविदा के लिये शुद्धिपत्र जारी करने का अधिकार है, शुद्धि पत्र और ई खरीद की जरूरी सूचना वेंडर www.ireps.gov.in पर देख सकते हैं।

कृते प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक
द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर
सीपीआर/10/28

South East Central Railway @secrail

विशेष

अंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवस

29 अप्रैल

कवर स्टोरी

रेणु खंतवाल

पैरों की लय पर थिरकता स्वस्थ-आनंदमयी जीवन

वैसे तो अन्य कलाओं की तरह नृत्य भी कला का एक रूप है। लेकिन यह एक ऐसी कला है, जो ना केवल हमारे शरीर को स्वस्थ रखती है, मन को भी प्रसन्नता से भर देती है। कई ऐसे नर्तक-नृत्यांगनाएं हैं, जो वृद्धावस्था में भी पूरी ऊर्जा और उमंग के साथ थिरकते हैं, आंतरिक आनंद की लय के साथ जीवन जी रहे हैं। नृत्य के बहुआयामी लाभों के बारे में हमें जरूर जानना चाहिए।

पिछले साल जब 90 वर्ष की आयु में जानी-मानी अभिनेत्री और भरतनाट्यम नृत्यांगना वैजयंती माला ने अयोध्या आकर नवनिर्मित राम मंदिर में आयोजित भव्य कार्यक्रम में रामलला के समक्ष अपनी नृत्य प्रस्तुति दी तो लोग इस उम्र में उनके नृत्य, समर्पण और श्रद्धा देख कर सुखद आश्चर्य से भर उठे। लोग हैरान थे कि इस आयु में जहां इंसान बिना सहारा लिए ठीक से चल नहीं सकता, वहीं वैजयंती माला प्रभु श्रीराम के समक्ष नृत्य प्रस्तुत कर रही हैं। चर्चा उनकी शारीरिक, मानसिक फिटनेस और नृत्य की शक्ति की भी खूब हुई। नृत्य की इस शक्ति को लाखों-करोड़ों लोगों ने अपनी आंखों से देखा।

शरीर रहता है फिट-एनर्जेटिक

वैजयंती माला ही नहीं इस समय देश की कई प्रसिद्ध नृत्यांगनाएं ऐसी हैं, जो सात से ज्यादा दशक पार कर चुकी हैं लेकिन नियमित रूप से अपनी नृत्य प्रस्तुतियां दे रही हैं। इनमें उमा शर्मा और सोनल मान सिंह प्रमुख रूप से शामिल हैं। शोवना नारायण भी उम्र के 75वें पड़ाव पर हैं, लगातार नृत्य प्रस्तुतियां दे रही हैं। जब वे मंच पर नृत्य करती हैं तो ध्यान उनकी आयु की तरफ जाता ही नहीं। उनके नृत्य की लय, गति और परिक्रमा करने की फुर्ती में, युवाओं से कहीं कोई अंतर नहीं दिखता। इससे ही समझ सकते हैं कि नृत्य ने इन नृत्यांगनाओं को कितना फिट और एनर्जेटिक बना रखा है कि उम्र की थकान या धीमी पड़ती रफ्तार इनके आस-पास भी ठहर नहीं पाती। ये सभी लगभग रोज नृत्य करती हैं और अपने शिष्यों को भी सिखाती हैं।

एक बार अभिनेत्री-नृत्यांगना हेमा मालिनी ने भी मेरे साथ हुई बातचीत में बताया था, 'नृत्य मेरे जीवन का अभिन्न अंग है। मैं रोज नृत्य और योगाभ्यास करती हूं और यही मेरी फिटनेस का राज है। इससे मेरी बॉडी इतनी लचीली हो गई है कि आराम से आवश्यकतानुसार मोड़ सकती हूं। इसकी वजह से मैं शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहती हूं और अपने सभी कार्य अच्छी तरह से कर पाती हूं।'

होते हैं ये भी फायदे

वास्तव में नृत्य से इंसान को क्या-क्या फायदे होते हैं, इसकी लिस्ट बहुत लंबी है। नृत्य का संबंध जीवन के हर पहलू से जुड़ा होता है। समाज, देश, संस्कृति, जीवनशैली, रीति-रिवाज और पर्व-त्योहारों से भी नृत्य का कोई ना कोई रूप जुड़ा है। नृत्य से अनेक शारीरिक-मानसिक लाभ मिलते हैं। नृत्य से होने वाले शारीरिक फायदों के बारे में भरतनाट्यम नृत्यांगना सिंधु मिश्रा कहती हैं, 'नृत्य आनंद, मान प्रतिष्ठा के साथ-साथ शारीरिक बल और स्टेमिना बढ़ाता है। नृत्य से पूर्व के जो अभ्यास होते हैं, वे बॉडी को इस तरह टोन करते हैं कि शरीर बहुत मजबूत हो जाता है, खासतौर पर पैर, कंधे और बांहें।' सिंधु मिश्रा का यह कथन इस बात से प्रमाणित होता है कि आपको प्रायः सभी डांसर स्वस्थ ही मिलेंगे। आमतौर पर कभी किसी डांसर को यह कहते नहीं सुना जाता कि उसे फ्रोजन शोल्डर की दिक्कत है। कमर या घुटने दर्द कर रहे हैं। इस तरह नृत्य करने से स्वास्थ्य संबंधी अनेक फायदे होते हैं। इसीलिए डांस को एक थेरेपी की तरह भी यूज किया जाता है। इस बारे में युवा कथक नृत्यांगना पंखुड़ी श्रीवास्तव बताती हैं, 'जब मैं कथक केंद्र में कथक का प्रशिक्षण ले रही थी, तब हमारे गुरु पंडित कृष्ण मोहन महाराज जी ने हमें कहा था कि सुबह चार बजे उठ कर तीन-चार घंटे नृत्य का अभ्यास करके दिन की शुरुआत किया करो। इससे तन-मन हमेशा स्वस्थ रहेंगे। तब से यह नियम मेरे जीवन में अनुशासन के साथ सम्मिलित है।'

कैसे काम करती है डांस थेरेपी

आध्यात्मिक मनोचिकित्सक और रेकी ग्रैंडमास्टर दिलना राजेश कहती हैं, 'अकसर लोग मंच पर, शादी-ब्याह, पार्टी, समारोह में समूह में तो नाचते हैं। लेकिन मैं लोगों से पूछती हूं कि आप आखिरी बार अकेले में कब नाचे थे? जहां बस आप अकेले ही नाच रहे थे? एक खुली किताब की तरह अपनी भावनाओं में मस्त, मगन होकर उस आनंद को महसूस कर रहे थे, जो आपको एक अलग ही अनुभूति के संसार में ले जा रहा था? इसका जवाब अधिकांश लोग नकारात्मक ही देते हैं। उन्हें लगता है अकेले में कैसे नाच सकते हैं? दरअसल, इस बात को कम लोग ही जानते, महसूस करते हैं कि नृत्य हमें खुद से मिलाने का एक चमत्कारी रास्ता है। आज की भाग-दौड़ भरी जिंदगी में हम अकसर अपनी भावनाओं को दबाते चले जाते हैं। घर-ऑफिस का तनाव हमें जकड़े रखता है। ऐसे में नृत्य, जिंदगी में वह खूबसूरत स्थान बनाता है, जहां हम सुरक्षित तरीके से आत्म-उपचार करते हैं। अपनी उस जकड़न से बाहर निकलते हैं। आधुनिक न्यूरोसाइंस कहता है- ट्रॉमा केवल दिमाग में नहीं, शरीर में भी रहता है। जबड़े की जकड़न से लेकर जांघों की स्टिफनेस आपके भीतर छिपे दर्द की गवाह है। लेकिन हम उसे समझ नहीं पाते। ऐसे में नृत्य उस बंद दरवाजे की चाबी की तरह धीरे-धीरे उसे खोलता है। जैसे-जैसे हमारा शरीर नृत्य शुरू करता है, हम एक लय और गति में थिरकने लगते हैं। हमारा शरीर एंडोर्फिन हार्मोन रिलीज करता है।

इससे नर्वस सिस्टम रिलैक्स होता है। शरीर शांति महसूस करता है। जो लोग भावनात्मक अवसाद और शारीरिक आघात से गुजर रहे हैं, उनके लिए भी नृत्य एक हीलिंग प्रक्रिया है। जब आप नृत्य के माध्यम से आनंद की अनुभूति करते हैं तो मन-मस्तिष्क में सकारात्मक बदलाव और आनंद महसूस करते हैं, यही डांस थेरेपी है। नृत्य केवल अच्छा महसूस नहीं करवाता बल्कि बायोलॉजिकल रूप से उपचार करता है।' दिलना राजेश आगे बताती हैं, 'मैं कई सालों से ऐसे लोगों से मिलती रही हूं, जो दुख, चिंता, अकेलापन और आत्म-अस्वीकृति से जूझ रहे थे। लेकिन नृत्य के माध्यम से उन्होंने अपनी खोई हुई शक्ति, सहजता, अपनी लय, जीवन की गति और खुद को वापस पाया।'

इस तरह देखें तो नृत्य तन-मन को स्वस्थ रखने वाली, उमंगित करने वाली, ऊर्जा से भरने वाली कला है। आइए हम भी अपने जीवन में नृत्य को सम्मिलित करें। *

नृत्य से मिलती है सबसे ज्यादा खुशी

रानी खानम, कथक नृत्यांगना

मुझे सबसे ज्यादा खुशी नृत्य करने से ही मिलती है। नृत्य से ही सबसे पहले मैंने खुद को पाया। मेरा खुद को देखने का नजरिया बदला। नृत्य के माध्यम से मैं हर वो बात कहती हूं, जो कहना चाहती हूं। नृत्य मेरी अभिव्यक्ति का माध्यम है। नृत्य ने सामाजिक दृष्टि से मुझे बहुत सम्मान-प्यार दिया। मैं मुस्लिम परिवार से हूं तो देश की गंगा-जमुनी तहजीब को मैंने अपने जीवन में उतारा। नृत्य के माध्यम से भारतीय संस्कृति से जुड़ी पौराणिक कथाओं को जाना। भारतीय परंपरा से जुड़े ज्ञान को समझा। नृत्य के बिना शायद मैं जीवित नहीं रह पाऊंगी। खुद नृत्य करने के साथ ही मैं सामान्य और स्पेशल दोनों तरह के बच्चों को नृत्य सिखाती भी हूं। स्पेशल बच्चों को बचपन से ही अपने आस-पास ऐसा माहौल मिलता है कि वे सहज महसूस नहीं करते। अपनी इच्छाओं को खुलकर अभिव्यक्त नहीं कर पाते। ऐसे में नृत्य उन्हें शक्ति-विश्वास देता है। नृत्य डिसेबल बच्चों को खुद को अभिव्यक्त करने का अवसर देता है। जब बच्चे नृत्य कर रहे होते हैं, वो उनका दिनभर का बेस्ट समय होता है। *

नृत्य मेरी आत्मा है

शोवना नारायण, कथक नृत्यांगना

जब हम जन्म लेते हैं तो हमारी सांस एक नियमित गति और रिद्म में चल रही होती है। बच्चे के हाथ-पैर हिल रहे होते हैं। यह मूवमेंट है। बच्चा कभी रो रहा है, कभी चुप है, यह भाव है। इस तरह हम जन्म से ही लय, ताल, गति, रिद्म और मूवमेंट यानी संगीत और नृत्य को साथ लेकर पैदा हुए हैं। मैं ढाई साल की थी तब से नृत्य कर रही हूं। नृत्य किया तो लगा कि जीवन में सब कुछ मिल गया। नृत्य मेरी आत्मा है, जिसके बिना मैं नहीं रह सकती।

मैं रोज नृत्य करती हूं। नृत्य हमें हर परिस्थिति को स्वीकार करना सिखाता है। जब आप नृत्य में एकाग्र होकर झूमते हैं, तब जीवन की सभी समस्याओं और चिंताओं से मुक्त होकर शांति महसूस करते हैं। पतंजलि ने अष्टांग योग की बात की- यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि इन सभी को हम क्लासिकल नृत्य के माध्यम से करते हैं। नृत्य हमें फिजिकल, मेंटल और स्प्रीचुअल बैलेंस और टीमवर्क सिखाता है। जब हम नृत्य से जुड़ते हैं तो अपनी संस्कृतिक और साहित्य से भी जुड़ते हैं। *

नृत्य मेरे लिए संपूर्ण जीवन है

कविता द्विवेदी, ओडिसी नृत्यांगना

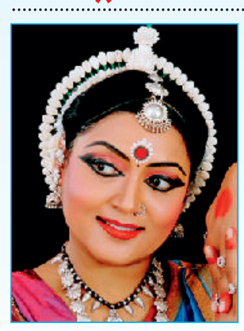

नृत्य मेरे लिए संपूर्ण जीवन है, क्योंकि इसमें जो लय, चलन और गति है, वह हमें एक पूर्ण मानव बनाता है। जीवन यात्रा, चाहे व्यक्तिगत हो या सामाजिक, में बैलेंस, संयम बनाना सिखाता है। नृत्य के माध्यम से मैंने अपनी क्षमता, खूबियों और कमियों को जाना। नृत्य हमें अनुसाशन, धैर्य, सकारात्मक सोच, दृष्टिकोण और समर्पण सिखाता है और यही गुण जब हमारी जीवनशैली में शामिल हो जाते हैं तो हम एक अच्छे नर्तक के साथ-साथ अच्छे इंसान भी बन जाते हैं।

एक सफल नृत्य प्रस्तुति से कई चीजें जुड़ी होती हैं। कई लोगों की मेहनत होती है। इस तरह जब आप नृत्य से जुड़ते हैं तो टीमवर्क और मैनेजमेंट स्किल भी आप सीखते हैं। कलाकार कला के लिए जीता है। कुछ साल पहले मेरे पास एक महिला अपनी बच्ची को लेकर आईं। उस बच्ची का ध्यान बहुत भटकता था, वह एक जगह टिकती नहीं थी। एक साल तक मैंने उसे नृत्य सिखाया और रिजल्ट बहुत अच्छा रहा। ऐसे बच्चे जो पूरी तरह से सामान्य नहीं हैं हम नृत्य के माध्यम से उन्हें मुख्यधारा के बच्चों के बीच खड़ा कर सकते हैं। *

नृत्य मेरी सांस है

ज्योति डी तोमर, घूमर नृत्यांगना

मैंने पहले कथक सीखा, उसके बाद घूमर नृत्य। नृत्य मेरी सांस है, उसी के माध्यम से मुझे जीवन मिला। मानसिक शांति, संतुष्टि और खुशी मिलती है। नृत्य हमसे केवल समर्पण चाहता है। मुझे इससे इतना गहरा लगाव है कि शादी से पहले मैंने पति से केवल यही शर्त रखी थी कि मैं नृत्य नहीं छोड़ूंगी। जब मैं नृत्य कर रही होती हूं तो सब भूल जाती हूं। ऐसा लगता है कि किसी और ही लोक में पहुंच गई हूं। चिंता, तनाव जैसे भाव बहुत दूर चले जाते हैं। सोच सकारात्मक हो जाती है। यही वजह है कि मेंटल हेल्थ को सुधारने के लिए नृत्य जरूरी है। मैं सबसे कहती हूं कि रोज अकेले में नृत्य करें, जहां केवल आप होंगे, मन के भाव होंगे, खुशी होगी। नृत्य सकारात्मक सोच और शांति प्रदान करता है, जिससे जिंदगी को देखने और डील करने का नजरिया बदल जाता है। नृत्य करने और सीखने की कोई उम्र नहीं होती। आप कभी भी नृत्य से जुड़ सकते हैं। मेरे पास एक 73 वर्ष की महिला आईं, संकोच से बोलीं, 'मैं हमेशा से नृत्य सीखना चाहती थी लेकिन कभी मौका नहीं मिला। क्या अब सीख सकती हूं?' उन्होंने वर्कशॉप की और फिर वे इतना सुंदर नाचीं कि सब देखते रह गए। मैं डांस सीखने वालों से यही कहती हूं कि जब डांस करो तो स्वच्छंद होकर करो। अगर खुद के साथ जुड़ना है तो नाचना जरूरी है। नृत्य हमारे तनाव को कम करता है और हैप्पी हार्मोंस बनाता है। मैं तो सबसे कहती हूं आनंद से जिंदगी जीनी है तो डांस करें। स्वांतः सुखाय नियमित नृत्य करें। *

कविता / पुरुषोत्तम व्यास

हंसना भी भूल गए

अब तो हंसना भी भूल गए
बात करना भूल गए।
मुख पर ओढ़े धीर-गंभीर भाव
मालूम नहीं कौन-से
बोझ से दबे और लदे
शुभकामना देना भूल गए।
हंसने से पहले सोचा करते
आदमी को तोला करते
छीन न ले कुछ हमसे
छोटी-छोटी बातों से डरे-सहमे
प्रतिष्ठा के मोह में खोए-से
दूसरे को देखना भूल गए।
जीना ही जैसे भूल गए
अब तो हंसना भी भूल गए।

कहानी

दीप्ति श्रीवास्तव

वक्त का तकाजा

रिटायरमेंट के बाद एक पॉश कॉलोनी में बराड़ साहब ने बहुत ही आलीशान मकान बनवाया था। लोगों से इसकी तारीफ करते नहीं थकते। लेकिन कुछ दिन बाद ही उन्हें लगा कंक्रीट की यह बिल्डिंग, प्रकृति के सुख से दूर है, परेशानियां ही परेशानियां हैं। प्रकृति से दूर होते इंसान की व्यथा-कथा।

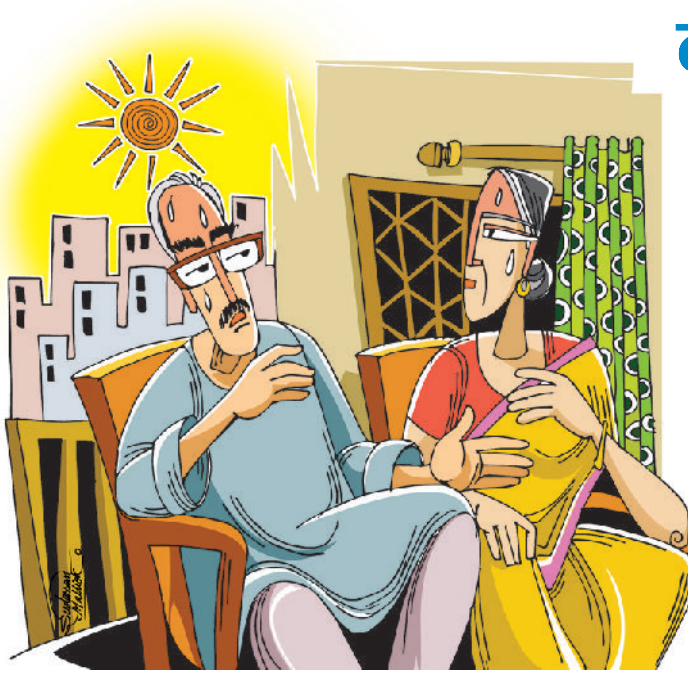

बड़े खुश थे बराड़ साहब। उन्होंने एक पॉश कॉलोनी में बड़े शौक से मकान बनवाया था। उसके इंटीरियर में लाखों रुपए खर्च किए। जो भी आता, घूम-घूम कर घर को दिखाते और बोलते-देखिए, बस्तर आर्ट का दरवाजा, इसकी फिनिशिंग... यह झूमर इतने का... यह कोरियाई कालीन... इत्यादि-इत्यादि। नया घर, नई उन्नत तकनीक की महंगी वस्तुएं, स्वयं अपनी शान बघार रही थीं। वह सोचते, घर बनवाने और शादी के आयोजन में जितना पैसा खर्च करो, कम ही लगता है।

एक साल बाद ही बराड़ साहब का नशा उतरने लगा। जिस उत्साह से वह अपने घर का कोना-कोना लोगों को दिखाते थकते नहीं थे, जिस पर नाज कर रहे थे, अब मिलने आने वालों से कहने लगे, 'ऊपर-नीचे उतरने से मैं परेशान हो गया हूं।' वह दूसरों को सलाह देते, 'ऊपर-नीचे वाला घर कभी न लेना। मेरी हालत देखो, कैसी बुरी हो गई है?'

मिट्टी से फैलती गंदगी, बराड़ साहब को नापसंद थी, इसलिए चमकदार फर्श धूप से गर्म हो जाती। कॉलोनी के हर घर में गमले, पौधों से सुसज्जित थे, जमीन पर सीमेंट का कालीन था। बरसात में होने वाले कीचड़ के लिए कोई गुंजाइश नहीं रहती।

'गर्मी ने इस बार जल्दी दस्तक दे दी यहां।' पत्नी से बराड़ साहब बोले।

'सरकारी घर में झाड़-पेड़ थे, मिट्टी का आंगन था, जो गर्मी सोख उसका अहसास कम कराता था। कितना अच्छा लगता था जब चिड़ियां घर के आंगन में चहकती थीं। तुमको यह सब अच्छा नहीं लगता, क्योंकि तुम्हरी नजर में इससे गंदगी फैलती थी।' पत्नी बोली।

गर्मी बढ़ने लगी, रात-दिन एसी में रहना पड़ता। अब बराड़ साहब को लगता नाहक बगीचे की जगह सीमेंट की फर्श फैलाकर इतना पैसा खर्च किया। अब उसको हटवाना यानी अपनी बेवकूफी का प्रदर्शन है। आस-पड़ोस वाले क्या सोचेंगे? गर्मी की समस्या से निजात न मिली, ऊपर से पानी ने भी बेहाल करना शुरू कर दिया। बेहद तपती धरा ने अपना जलस्तर बहुत नीचे कर कॉलोनी के सभी बोरवेल को सुखा दिया।

कॉलोनी का व्हाट्सएप ग्रुप घरों में पानी का त्राहिमाम दिखा रहा था। इसी समय लोगों को वाटर रिचार्ज की याद आ रही थी। ये वही लोग थे, जो जरा से कीचड़ से अपनी नाक बंद करने लगते थे, इनका मन घिना जाता था। इन्हीं के कारण पूरी कॉलोनी में सीमेंट की सड़क बिछा दी गई थी।

तभी जोर-जोर से आवाजें सुन बराड़ जी घर से बाहर आए। देखते क्या हैं, पड़ोसी आपस में झगड़ रहे हैं। रात में उनके घर के ओवर हेड टैंक से पानी चोरी हो गया था। हालात बद से बदतर होते जा रहे थे। टैंकर से कॉलोनी की बड़ी टंकी भर दी गई थी, लेकिन दिन में बस एक बार ही, कम समय के लिए पानी सप्लाई किया जा रहा था। पानी की किल्लत इस अप्रैल महीने में! तब मई-जून में क्या होगा? कॉलोनी वासियों की चिंता का विषय बन गया था।

एक दिन भीषण गर्मी में बिजली पूरा दिन गायब रही। इंवर्टर भी आखिरी सांस लेने लगे, लोगों का बहुत बुरा हाल। पानी-बिजली दोनों नदारद। बताओ पैसा जेब में, लेकिन इसका उपयोग कहां करें? कहीं कोई सुविधा नहीं।

नल दिखावे का साधन मात्र रह गए। खरीदे हुए पानी के कैन मुंह चिढ़ा रहे थे। बराड़ साहब को सरकारी बंगले में चौबीसों घंटे बहते पानी की याद आती। वह तो जलसंसाधन विभाग से ही रिटायर हुए हैं।

जिस जल की उन्होंने कभी कद्र नहीं की, आज वह उनको मुंह चिढ़ा रहा है। पानी के लिए नल-जल कनेक्शन की हजारों एप्लिकेशन फाइल में दबी छुपी रोती रहतीं लेकिन उनके कानों पर जूं तक नहीं रेंगती थी। आज अपनी करनी पर पछतावा करने से क्या होगा, जब परिस्थितियों ने बुरी हालातों का शिकार बना रखा है। यह बात उन्हें भीतर ही भीतर खाए जा रही थी। अपने बड़े ओहदे का घमंड, रिटायर होने के बाद उन्हें जमीन पर ले आया था। उनकी हालत देखकर पत्नी ने सुझाया, 'हम लोग बारिश में खाली पड़ी जमीन पर पेड़ लगाकर, उनकी देखभाल करेंगे, साथ ही बगीचे की सीमेंटी फर्श हटवा बड़े, झाड़ लगाएंगे, जहां चिड़ियां चहकते हुए फुदकेंगी।'

अब बराड़ साहब को समझ में आ रहा था, वह महल किस काम का, जहां पानी के लिए इंसान तरस जाए। इतिहास में बड़े-बड़े बादशाहों तक को पानी की कमी के कारण राजधानी स्थानांतरित करनी पड़ी थी। बराड़ साहब ने निर्णय लिया, बगीचे को असल स्वरूप प्रदान कर वर्षा जल का संग्रहण करेंगे और आस-पड़ोस वालों से भी अपने विचार साझा कर उनसे सहयोग की अपील करेंगे।

धरा जो सूखी पड़ रही/न रहा कोख में पानी/
मानव तेरी शर्म का उतर गया है पानी।

बराड़ साहब बड़ी गंभीरता से सोचते हैं, धरा को इस पीड़ा से छुटकारा दिलाने के लिए मजबूत स्तंभ बन वह काम करेंगे। यही वक्त का तकाजा है। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

गजलों का गुलदस्ता

प्रख्यात कवि, आलोचक और भाषाविद ओम निश्चल बेहतरीन गजलगो भी हैं, इस बात की तस्दीक करती हैं, हाल में आई पुस्तक 'कोई मेरे भीतर जैसे धुन में गाए' में संकलित गजलें। यहां अलग-अलग मिजाज और तासीर की कुल मिलाकर 104 गजलें पढ़ी जा सकती हैं। कहीं वे दार्शनिक अंदाज में जिंदगी का फलसफा समझाते हुए कहते हैं, *'कुछ खोकर कुछ पाकर जाना, जीवन क्या है/ दुख से हाथ मिलाकर जाना, जीवन क्या है।'* तो कहीं अतीत की मोहब्बत को याद कर अपने जज्बातों को लफ्जों का लिबास पहनाकर कहते हैं, *'वो पलकों पर ख्वाब सजा के रखती थी/ हम ख्वाबों के पंख उड़ाया करते थे।'* सिर्फ कोमल संवेदनाओं को ही नहीं, अपनी गजलों में राजनीति और व्यवस्था तंत्र में मौजूद विद्रूप को भी वे बिना किसी लाग-लपेट के कठघरे में खड़ा करने से नहीं कतराते हैं। एक बानगी देखिए, *'किया है कत्ल जिसने, घर उसी के/पुलिस भी चाय-पानी कर रही है।'* गजल को वह केवल कुछ कहने का जरिया भर नहीं मानते हैं। तभी तो कहते हैं, *'मेरी गजल तो है इबादत का तरीका बस।'* कह सकते हैं कि गजल के कद्रदानों के लिए यह किताब, गजलों के गुलदस्ते जैसी है। *

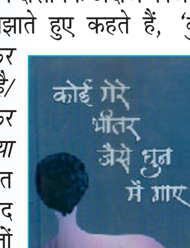

पुस्तकः कोई मेरे भीतर जैसे धुन में गाए, **रचनाकारः** ओम निश्चल, **मूल्यः** 250 रुपए, **प्रकाशकः** सर्वभाषा प्रकाशन, नई दिल्ली

सीई आनंद, ठेकेदार झांझरिया समेत 4 को गिरफ्तार कर ले गई सीबीआई

बिलासपुर। 32 लाख की रिश्वत के मामले में सीबीआई की टीम रेलवे के मुख्य अभियंता विशाल आनंद, उनके भाई कुणाल आनंद, रिश्वत देने वाली कंपनी झांझरिया निर्माण लिमिटेड के एमडी सुशील झांझरिया और कर्मचारी मनोज पाठक को गिरफ्तार अपने साथ ले गई है। अब सीबीआई की रिपोर्ट के बाद ही मुख्य अभियंता और निजी कंपनी के खिलाफ आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के तीनों डिवीजन बिलासपुर, रायपुर और नागपुर में हजारों करोड़ रुपए का काम चल रहे हैं, जिसमें से बिलासपुर जोनल रेलवे स्टेशन में 392 करोड़ रुपए की लागत से एयरपोर्ट की तरह बनाने का ठेका बिलासपुर के जगमल चौक स्थित झांझरिया निर्माण लिमिटेड को दिया गया है। झांझरिया निर्माण लिमिटेड का स्टेशन डेवलपमेंट के अलावा रेलवे लाइन बिछाने से लेकर कंट्रक्शन, ब्रिज बनाने का

काम है। आरोप है कि निर्माण कंपनी को काम दिलाने में जोन के कई बड़े अफसर भी शामिल हैं, वो भी सीबीआई के निशाने पर हैं। रिश्वत कांड में ऐसे अफसर भी जांच के दायरे में आ सकते हैं। सीबीआई के अनुसार चीफ इंजीनियर 21 अप्रैल को झांझरिया निर्माण लिमिटेड के ऑफिस में सुशील झांझरिया से मिले थे। उन्होंने कंपनी के रेलवे का करोड़ों रुपए का ठेका दिलाने की एवज में 32 लाख रुपए घूस मांगी थी। विशाल ने घूस की रकम सीधे लेने के बजाय रांची में अपने भाई कुणाल आनंद को देने कहा। यह जानकारी मिलते ही सीबीआई ने इन्हें घेरने का प्लान बनाया। जांच एजेंसी के मुताबिक 25 अप्रैल को कंपनी का एक कर्मचारी मनोज पाठक चीफ इंजीनियर के भाई के घर पहुंचा, जैसे ही उसने कुणाल आनंद को घूस की राशि दी, सीबीआई ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया। कुणाल से घूस में ली गई राशि भी बरामद कर ली गई। इसके बाद चीफ इंजीनियर और कंपनी के एमडी को भी गिरफ्तार कर लिया गया। इसके बाद सीबीआई टीम ने बिलासपुर और रांची में कई जगहों पर छापेमारी की। इस दौरान कई आपत्तिजनक दस्तावेज और कैश बरामद किए गए। सीबीआई के मुताबिक झांझरिया निर्माण लिमिटेड ने यह घूस बड़ा प्रोजेक्ट पाने के लिए दी थी।

सीई ने भाई से कहा था पैसे लेकर आएगा एक आदमी

सीबीआई को जांच में जानकारी मिली कि चीफ इंजीनियर विशाल आनंद ने सौदा तय करने के बाद यह शर्त रखी थी कि 32 लाख रुपए को उसके पैतृक निवास रांची में छोड़ना होगा। कंपनी इस पर तैयार हो गई। इधर आरोपी इंजीनियर ने अपने भाई कुणाल आनंद को पहले ही बता दिया था कि एक व्यक्ति पैसे लेकर आएगा। शुक्रवार को सीबीआई को पता चला कि कर्मचारी पैसे लेकर रांची गया है, तब आनन-फानन में सीबीआई की टीम कर्मचारी का पीछा करते हुए रांची पहुंच गई। कर्मचारी ने जैसे ही कुणाल को पैसे दिए, सीबीआई ने उसे दबोच लिया। इसके बाद बिलासपुर पहुंचकर छापेमारी कर दस्तावेज खंगाले गए।

एमडी ऑफिस से अहम दस्तावेज जब्त: घूसखोरी मामले में चार लोगों की गिरफ्तारी के बाद जांच एजेंसी ने झांझरिया निर्माण लिमिटेड के एमडी के ऑफिस में भी छापेमारी की। टीम ने वहां दस्तावेज, फाइलें और डिजिटल उपकरणों को जब्त कर लिया। इसकी जांच की जा रही है। इस दौरान कंपनी के अन्य अधिकारियों से भी पूछताछ की गई। सूत्रों का कहना है कि अब सीबीआई जल्दी ही रेलवे के कुछ दफ्तरों और अन्य ठिकानों पर छापेमारी कर सकती है।

टेंडर घोटाले पर सीबीआई की नजर: सीबीआई सूत्रों के अनुसार बिलासपुर रेलवे जोन में टेंडर में बड़े पैमाने पर घोटाला चल रहा है। इसकी जानकारी हाथ लगने पर सीबीआई अफसरों ने पहले झांझरिया निर्माण लिमिटेड को दिए गए रेलवे के प्रोजेक्ट्स की जानकारी जुटाई। इसमें पता चला कि ज्यादातर बड़े निर्माण कार्यों का ठेका इसी कंपनी को दिया गया है। हाल ही में करोड़ों रुपए के प्रोजेक्ट इस कंपनी के पास हैं, जिसपर घोटाले की आशंका होने पर सीबीआई ने पुख्ता जानकारी जुटाकर छापेमारी की।

पांच साल पहले भी दी थी दबिश: बिलासपुर के जगमल चौक में संचालित झांझरिया निर्माण लिमिटेड ने रेलवे में करोड़ों रुपए का ठेका लेकर काफी तेजी से अपना कारोबार फैलाया है। इस कंपनी का कारोबार दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल सहित आठ राज्यों में है। करीब पांच साल पहले भी सीबीआई ने इस कंपनी के दफ्तर में छापामार कार्रवाई की थी।

पहले भी लग चुके हैं सीई पर आरोप

सीबीआई की टीम अब आरोपी मुख्य अभियंता विशाल आनंद के संपत्ति की जानकारी जुटा रही है। मुख्य अभियंता पर दो अलग-अलग पदों पर रहते हुए पहले भी अनियमितता बरतने के आरोप लगे हैं। आरोपी मुख्य अभियंता विशाल आनंद रांची डिवीजन में तीन साल तक इंजीनियरिंग विभाग सीनियर डीईएन कोआर्डिनेशन के पद पर पदस्थ थे। इस दौरान उनपर विभागीय प्रक्रियाओं में गड़बड़ी के आरोप लगे थे। कार्यकाल पूरा होने के बाद वे रांची से ही आरबीएनएल में दो साल पदस्थ रहे। इसके बाद पिछले दो साल से बिलासपुर एसईसीआर के मुख्यालय कंस्ट्रक्शन मे रोड सेफ्टी ओपन लाइन के चीफ इंजीनियर के पद पर कार्य कर रहे हैं।

रिपोर्ट के बाद आगे कार्रवाई

मुख्य अभियंता विशाल आनंद और झांझरिया निर्माण लिमिटेड के खिलाफ वर्तमान में सीबीआई की जांच चल रही है। उनकी जांच जब तक पूरी नहीं हो जाती है तब तक कुछ भी नहीं कहा जा सकता । जांच रिपोर्ट के बाद ही रेलवे की ओर से आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सुस्कर विपुल विलास राव
सीपीआरओ, एसईसीआर

खबर संक्षेप

गुंडागर्दी करने वालों को सबक सिखाना जरूरी : भागवत

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के सरसंघचालक

मोहन भागवत ने शनिवार को दिल्ली में स्वामी विज्ञानानंद द्वारा लिखित पुस्तक 'द हिंदू मैनिफेस्टो' का विमोचन किया। उन्होंने पुस्तक की विशेषताओं पर चर्चा करते हुए कहा कि यह मैनिफेस्टो 'कम्युनिस्ट मैनिफेस्टो' जैसा नहीं है। भागवत ने कहा कि कम्युनिस्ट मैनिफेस्टो के बाद दुनिया ने क्या भोगा, यह सभी जानते हैं। आरएसएस चीफ मोहन भागवत ने पड़ोसी देश विशेषकर पाकिस्तान के संदर्भ में कहा कि हम कभी अपने पड़ोसियों का अपमान या हानि नहीं करते, लेकिन जब कोई आक्रामक होता है तो राजा का धर्म प्रजा की रक्षा करना होता है। राजा को अपना कर्तव्य निभाना ही पड़ता है। उन्होंने कहा कि आज विश्व को एक नए मार्ग की आवश्यकता है। आरएसएस चीफ ने रावण का उदाहरण देते हुए कहा कि जब सुधार संभव नहीं होता तो कठोर निर्णय लेना पड़ता है। गुंडागर्दी करने वालों को सबक सिखाना जरूरी है।

पहलगाम अटैक के बाद संदिग्धों से हो रही पूछताछ

आतंकवाद के खिलाफ बड़ा एक्शन अनंतनाग में हिरासत में 175 लोग

शुरू किया गया है व्यापक तलाशी और घेराबंदी अभियान

22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले में गई है 26 सैलानियों की जान

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पहलगाम आतंकी हमले के बाद जम्मू कश्मीर पुलिस ने संवेदनशील इलाकों में सेना, सीआरपीएफ और अन्य सुरक्षा बलों के साथ मिलकर व्यापक तलाशी और घेराबंदी अभियान शुरू किया है। कड़ी सतर्कता के साथ दिन-रात तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। इन अभियानों के तहत अनंतनाग जिले में विभिन्न स्थानों पर कई छापे मारे गए।

आतंकवादी गतिविधियों में सहायता करने वाले नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए अब तक लगभग 175 संदिग्धों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ की जा रही है। अनंतनाग पुलिस ने कहा कि हम किसी भी संभावित आतंकवादी की उपस्थिति को समाप्त करने और जिले को सुरक्षित करने के लिए, अपने साझेदार सुरक्षा बलों के साथ मिलकर घेराबंदी और तलाशी अभियान चला रहे हैं। अनंतनाग पुलिस जिले में शांति बनाए रखने तथा सामान्य स्थिति को बाधित करने के किसी भी प्रयास को विफल करने के लिए प्रतिबद्ध है। बता दें कि गत 22 अप्रैल को आतंकवादियों ने पहलगाम के बैसरन मैदान में पर्यटकों पर गोलीबारी की थी, जिसमें 26 लोगों की मौत हो गई थी।

सेना के निशाने पर जम्मू कश्मीर के ये 14 आतंकी

खुफिया जांच एजेंसियों ने जम्मू कश्मीर के लोकल आतंकवादियों की एक लिस्ट तैयार की है। ये लोकल आतंकी पाकिस्तानी दहशतगर्दों की मदद करते हैं। वे उन्हें पनाह देते हैं और संसाधन भी मुहैया करते हैं। सुरक्षा एजेंसियों के निशाने पर 14 आतंकी हैं, जिनके नाम सामने आए हैं।

आतंकी नंबर-1 : आदिल रहमान देंतू, लश्कर-ए-तैयबा एलईटी का सोपोर का कमांडर है। साल 2021 से वह आतंकी गतिविधियों में शामिल है। वह सोपोर का डिस्ट्रिक्ट कमांडर भी है। जांच एजेंसियां इसकी तलाश कर रही हैं। पहलगाम हमले के बाद अब या तो ये मारा जाएगा या इसका घर जमींदोज किया जाएगा।

आतंकी नंबर-2 : जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) का आतंकी आसिफ अहमद शेख अवंतीपुरा का जिला कमांडर भी है। साल 2022 से यह लगातार आतंकी गतिविधियों में शामिल है।

आतंकी नंबर- 3 : एहसान अहमद शेख पुलवामा में एक्टिव है और लश्कर-ए-तैयबा का आतंकी है। यह साल 2023 से लगातार आतंकी गतिविधियों में शामिल है। सुरक्षा एजेंसियों को इसकी तलाश है।

आतंकी नंबर-4 : हरीश नजीर पुलवामा का आतंकी है और लश्कर-ए-तैयबा में एक्टिव आतंकी है। यह सुरक्षा बलों की रडार पर है।

आतंकी नंबर-5 : पुलवामा में एक्टिव आतंकी आमिर नजीर वानी जैश-ए-मोहम्मद से जुड़ा हुआ है।

आतंकी नंबर-6 : जेईएम का आतंकी यावर अहमद भट्ट पुलवामा में पूरी तरीके से एक्टिव है।

अनंतनाग में शनिवार को तलाशी लेते हुए जवान

आतंकी नंबर-7 : आसिफ अहमद कंडे शोपियां का आतंकवादी है और जुलाई 2015 में हिजबुल मुजाहिद्दीन के आतंकी संगठन में शामिल हुआ है। इस वक्त यह एक्टिव आतंकी के रूप में काम कर रहा है और पाकिस्तानी आतंकवादियों की मदद कर रहा है।

आतंकी नंबर-8 : नसीर अहमद वानी शोपियां में लगातार आतंकी गतिविधियों में शामिल रहा है। यह लश्कर-ए-तैयबा का एक्टिव सदस्य है और पाकिस्तानी आतंकियों का मददगार है।

*आतंकी नंबर-9 : शाहिद अहमद कुटे भी शोपियां में एक्टिव है और लश्कर और **TRF** का बड़ा आतंकी है। यह साल 2023 से इस एरिया में एक्टिव है।*

*आतंकी नंबर-10 : आमिर अहमद डार एक लोकल आतंकवादी है। ये साल 2023 से शोपियां में एक्टिव है। यह लश्कर-ए-तैयबा और **TRF** के साथ मिलकर काम कर रहा है।*

आतंकी नंबर- 11 : अदनान सफी डार, शोपियां जिले का एक्टिव आतंकवादी है। यह साल 2024 में आतंकी संगठन में शामिल हुआ. अभी लश्कर-ए-तैयबा और टीआरएफ के साथ एक्टिव तौर पर काम कर रहा है।

*आतंकी नंबर-12 : जुबेर अहमद वानी, हिजबुल मुजाहिद्दीन का अनंतनाग का ऑपरेशनल कमांडर है। ये **A+** का एक्टिव आतंकी है। आतंकियों के मददगार के तौर पर बड़ा काम करता है। ये आतंकी साल 2018 से एक्टिव है।*

आतंकी नंबर-13 : हारून रशीद गनी अनंतनाग का हिजबुल मुजाहिद्दीन का एक्टिव आतंकी है। कुछ साल पहले यह पाक अधिकृत कश्मीर भी गया था, जहां से इसको ट्रेनिंग मिली है। फिलहाल सुरक्षा बलों को इसकी तलाश है।

आतंकी नंबर-14 : जुबेर अहमद गनी, कुलगाम का बड़ा आतंकी है। लश्कर-ए-तैयबा में शामिल होकर लगातार सुरक्षा बलों और टारगेटेड किलिंग में इस हाथ रहता है।

आतंक की ट्रेनिंग लेने स्टूडेंट वीजा पर पाक गया था आदिल

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में शामिल एक आतंकवादी आदिल अहमद ठोकर को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। जानकारी के अनुसार आदिल 2018 में पाकिस्तान गया था। सूत्रों का कहना है कि वह छह साल बाद 3-4 आतंकियों के साथ वापस लौटा।

आदिल जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले के बिजबेहरा के गुर्रे गांव का रहने वाला है। उसे पहलगाम हमले का मास्टरमाइंड भी माना जा रहा है। सुरक्षाबल आदिल और उसके साथियों की तलाश कर रही है। सूत्रों के मुताबिक, आदिल अहमद अनंतनाग जिले के गुर्रे गांव का रहने वाला है। वो 2018 में पढ़ाई के लिए पाकिस्तान गया था। खुफिया अधिकारियों का कहना है कि आदिल के पाकिस्तान जाने से पहले ही उस पर कट्टरपंथी विचारधारा हावी थी। भारत छोड़ने से पहले ही वो सीमा पार से संचालित प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों से जुड़े लोगों के संपर्क में था।

अपने साथियों से साथ हुआ भारत में दाखिल

आदिल के साथ तीन-चार लोगों का एक छोटा ग्रुप था। इनमें से एक पाकिस्तानी नागरिक हाशिम मूसा भी था, जिसे सुलेमान के नाम से भी जाना जाता है। वह पहलगाम आतंकी हमले का एक और मुख्य आरोपी है। अब यह माना जा रहा है कि मूसा को भारतीय क्षेत्र में लाने में आदिल का अहम रोल था। जम्मू और कश्मीर में घुसने के बाद आदिल ने किसी को पता नहीं चलने दिया। वह जंगलों और पहाड़ी रास्तों का इस्तेमाल करता रहा। उसे कुछ समय के लिए किश्तवाड़ में देखा गया था। फिर वह अनंतनाग चला गया।

कार्यालय प्राचार्य, डी. पी. विप्र महाविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
(स्वायत्त शासी संस्थान) नैक द्वारा 'ए' ग्रेड प्रदत्त ISO-9001:2015 प्रमाणित
फोन नं - 07752-424497, वेब.- www.dpvipracollege.ac.in,
ईमेल- dpvipracollege@gmail.com

क्र. /49/स्थापना/नियुक्ति/2025 बिलासपुर, दिनांक 26.04.2025

नियुक्ति हेतु विज्ञापन

डी.पी. विप्र महाविद्यालय बिलासपुर में कॉलेज कोड-28 के पार्ट -VI की धारा-16 एवं 17 (2) के प्रावधानानुसार निम्न विषयों के लिए उनके सामने दर्शाए गए संख्या में सहायक प्राध्यापक की नियुक्ति की जानी है, जो :- (01) संगणक विज्ञान (Computer Science)-02 पद
(02) जैव प्रौद्योगिकी (Biotechnology)- 01 पद
(03) संस्कृत (Sanskrit)- 01 पद
(04) राजनीति विज्ञान (Political Science)- 01 पद
(05) पुस्तकालय विज्ञान (Library Science)- 01 पद
शैक्षणिक योग्यता, आवेदन प्रक्रिया एवं अन्य शर्तों की विस्तृत जानकारी महाविद्यालय के वेबसाईट www.dpvipracollege.ac.in में ऑनलाइन देखा जा सकता है।

प्राचार्य, डी.पी. विप्र महाविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)

गुजरात में 1 हजार बांग्लादेशी गिरफ्तार

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद देशभर में विदेशी नागरिकों के खिलाफ एक्शन शुरू हो गया है। गुजरात के अहमदाबाद (890) और सूरत (134) में पुलिस ने शनिवार को महिलाओं और बच्चों सहित करीब एक हजार अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को हिरासत में लिया। वैध दस्तावेज नहीं मिलने पर उन्हें भारत से निकाला जाएगा। गुजरात के गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने कहा, 'इनमें से कई लोग ड्रग्स और मानव तस्करी में शामिल हैं और हाल ही में गिरफ्तार किए गए चार बांग्लादेशियों में से दो अलकायदा के स्लीपर सेल में काम करते थे। इन बांग्लादेशियों की पृष्ठभूमि और गुजरात में उनकी गतिविधियों की जांच की जाएगी। हरियाणा में राज्य सरकार ने 460 पाकिस्तानियों को निकालने का आदेश जारी किया है। अभी इन्हें हिरासत में लेने की कोई सूचना नहीं है। सीएम नायब सैनी ने पाकिस्तानियों को वापस भेजने के लिए गृह विभाग से प्लानिंग मांगी है।

इंडियन बैंक Indian Bank
इलाहाबाद ALLAHABAD
अंचल कार्यालय - प्रथम तल, कुशल वाटिका, न्यू शांति नगर, रायपुर, छ.ग. 492007

परिसर की आवश्यकता

इंडियन बैंक को विभिन्न केन्द्रों में नई शाखा खोलने के लिए मुख्य स्थान व उचित फ्रंटेज, और पर्याप्त पार्किंग स्थान के साथ भूतल पर उपयुक्त परिसर (तैयार / निर्माणाधीन परिसर) की आवश्यकता ।

केंद्र का नाम	जिला	राज्य	आवश्यक क्षेत्र (वर्गफीट में)
सरायपाली (अर्धशहरी)	महासमुंद	(छ.ग.)	1100 -1200
मुंगेली (अर्धशहरी)	मुंगेली	(छ.ग.)	1100-1200
नारायणपुर (अर्धशहरी)	नारायणपुर	(छ.ग.)	1100-1200
दंतेवाड़ा (अर्धशहरी)	दंतेवाड़ा	(छ.ग.)	1100-1200
गरियाबंद (अर्धशहरी)	गरियाबंद	(छ.ग.)	1100-1200

परिसर एक अनुमोदित भवन में होना चाहिए जो वाणिज्यिक उपयोग के लिए सरकारी प्राधिकरणों द्वारा निर्धारित शर्तों की पुष्टि करता हो । परिसर का स्पष्ट स्वामित्व रखने वाले इच्छुक मालिक निर्धारित प्रारूप में दो बोली प्रणाली में अपने सीलबंद प्रस्ताव प्रस्तुत कर सकते हैं। (1) तकनीकी बोली (2) वित्तीय बोली दो अलग-अलग सीलबंद लिफाफे में **इंडियन बैंक, अंचल कार्यालय, 18/1421, प्रथम तल, कुशल वाटिका, न्यू शांति नगर, रायपुर, 492007, छत्तीसगढ़, दिनांक 28.04.2025, प्रातः 10.00 बजे से दिनांक 13.05.2025, शाम 5.00 बजे तक.** निविदा दस्तावेज प्रस्तुत करते समय शाखा के लिए निविदा फार्म की लागत **250 रुपये** (अप्रतिदेय) में डीडी / आईओआई के माध्यम से रायपुर पर देय **इंडियन बैंक,** के पक्ष में प्रस्तुत की जाएगी । आवेदक **www.indianbank.in** हमारी वेबसाइट से आवेदन पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। बैंक बिना कोई कारण बताए निविदा को स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।
किसी भी अन्य सहायता के लिए कृपया **श्री कृपासिंधु महापात्रा, वरिष्ठ प्रबंधक, इंडियन बैंक-अंचल कार्यालय रायपुर से संपर्क करें- फोन: 0771-3599563**

दिनांक: 27.04.2025 उप महाप्रबंधक
इंडियन बैंक, अंचल कार्यालय रायपुर

केंद्रीय पेट्रोरसायन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सिपेट)
सिपेट CIPET
Central Institute of Petrochemicals Engineering & Technology (CIPET)
रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार
प्लॉट नं. 48, औद्योगिक क्षेत्र भनपुरी, भनपुरी, रायपुर (छ.ग.), पिन: 493221
फोन. नं. 0771-6673060, 6673030, ई-मेल : raipur@cipet.gov.in

उभरते क्षेत्र प्लास्टिक्स टेक्नोलॉजी में डिप्लोमा

AICTE Approved
ADMISSION - 2025
Diploma & Post Graduate Diploma Courses
Excellent Placement Record

क्रम सं.	पाठ्यक्रम का नाम	अवधि (वर्षों में)	प्रवेश पात्रता
1	डिप्लोमा इन प्लास्टिक्स मोल्ड टेक्नोलॉजी (डी.पी.एम.टी.)	3	10 वीं कक्षा
2	डिप्लोमा इन प्लास्टिक्स टेक्नोलॉजी (डी.पी.टी.)	3	10 वीं कक्षा
3	पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन प्लास्टिक्स प्रोसेसिंग एंड टेस्टिंग (पी.जी.डी.-पी.पी.टी.)	2	विज्ञान में 3 वर्ष की डिग्री

उपरोक्त सभी पाठ्यक्रमों के लिए कोई आयु सीमा नहीं है।
उपरोक्त सभी पाठ्यक्रम AICTE, नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त है

✔ आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 29.05.2025

Visit - www.cipet.gov.in
विस्तृत जानकारी हेतु संपर्क अथवा क्यू आर कोड स्केन करें :
Scan for Apply
रायपुर ➡ 7000894929, 8806578649, 8770169890, 9158232253
कोरबा ➡ 8966000083, 8878607667, 9399227305, 9422802207

राशिफल

मेष — धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जाने के योग बन रहे हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाइयों का साथ मिलेगा।

वृष — वाणी में मधुरता तो रहेगी, परन्तु मन परेशान रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं।

मिथुन — शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा, परन्तु लाभ में कुछ कमी आ सकती है। क्रोध पर नियंत्रण रखें।

कर्क — आत्मविश्वास में कमी आएगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। कुटुम्ब के बुजुर्ग के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा।

सिंह — सम्पत्ति में वृद्धि के योग बन रहे हैं। परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। किसी नए कारोबार की शुरुआत करेंगे।

कन्या — किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है। सुस्वादु खानपान में रुचि बढ़ सकती है। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। संबंधों में निकटता आएगी।

तुला — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक एवं शोधादि कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं।

वृश्चिक — शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है।

धनु — आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च बढ़ेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मकर — व्यर्थ के क्रोध से बचें। लाभ में वृद्धि होगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। सुखद समाचार मिलेगा।

कुंभ — मन अशान्त हो सकता है। संयत रहें। आलस्य भी बढ़ सकता है। सन्तान सुख में वृद्धि होगी। कारोबार में कुछ सुधार होगा।

मीन — परिवार की समस्या परेशान कर सकती है। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। नौकरी में कोई नई जिम्मेदारी मिल सकती है।

शब्द पहेली - 5849

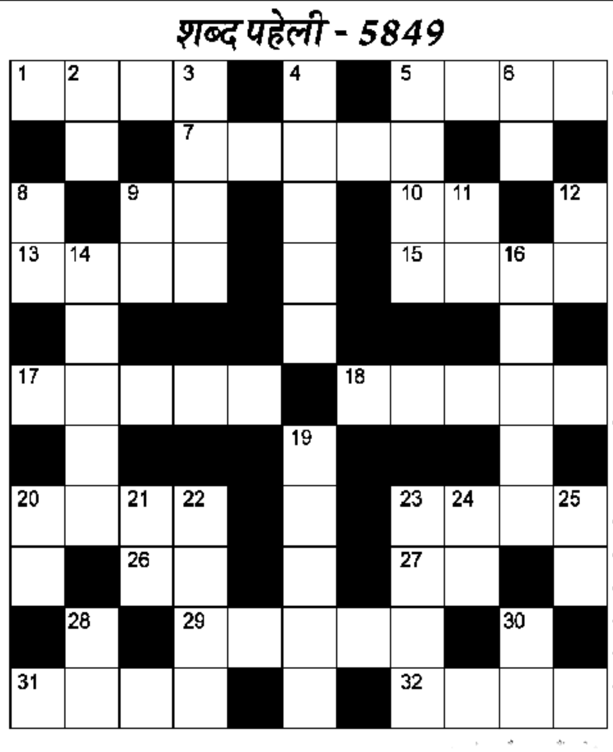

बाएँ से दाए-
1. सफल, उत्तीर्ण-4
5. ओस, रजनीजल-4
7. फरार होना, चंपत होना, पलायन करना-5
9. महीना, मास-2
10. साल का बारहवां भाग-2
13. पुचकारना-4
15. विष्णु, चक्रधारी-4
17. निरुत्तर होना-5
18. अपनत्व-5
20. असम के इस शहर को बादलों का घर कहा जाता हैं-4
23. निकृष्ट, अल्पतर-4
26. अंधकार-2
27. बुरा आदत-2
29. रसायन संबंधी-5
31. ब्राम्हण, सम्राट-4
32. गजानन, गणपति-4

ऊपर से नीचे
2. मां, आई, मदर-2
3. बारिश का गिरना-4
4. निर्माता, रचयिता-5
5. लज्जाना -4
6. मुलायम-2
8. उम्मीद-2
9. हार, जयमाल-2
11. हरे रंग का-2
12. वचन, प्रतिज्ञा-2
14. हैंडलूम, इस यंत्र पर धागों से बुनाई होती है-5
16. जनेऊ, उपनयन संस्कार-5
19. विलेन, नायक का विलोम-5
20. बादल-2
21. बुरी आदत-2
22. यम, मृत्यु का देवता-4
23. पानी के बहने की आवाज-2,2
24. वोट, अभिमत-2
28. इस जगह-2
30. कारावास, बंधन-2

शब्द पहेली -5848 का हल

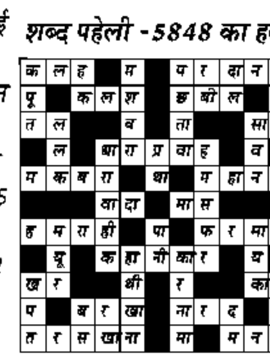

सूडोकु नवताल - 5859

★★★★☆ कठिन

	8	5						
3								
			6			7	4	
6			2		4			
1								8
			7		5			3
	4	7			1			
								6
						5	2	

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5858 का हल

4	3	9	2	6	8	5	1	7
8	1	6	7	4	5	9	2	3
7	5	2	3	9	1	6	4	8
1	7	5	4	2	6	8	3	9
6	4	3	8	5	9	2	7	1
2	9	8	1	7	3	4	5	6
5	2	1	6	8	7	3	9	4
9	8	7	5	3	4	1	6	2
3	6	4	9	1	2	7	8	5

कहते है कि किसी भी देश की तरक्की का रास्ता उसकी सड़कों से होकर गुजरता है। एक्सप्रेसवे, हाईवे किसी भी देश के लिए प्रगति और विकास का रास्ता खोलती है। भारत समेत दुनियाभर के देशों में सड़कों का नेटवर्क फैला है।

एक बार चढ़े तो पार कर लेंगे 14 देश, दुनिया की सबसे लंबी सड़क का सफर

भारत में कश्मीर को कन्याकुमारी से जोड़ने के लिए सबसे लंबा हाईवे एनएच 44 है। 3,745 किमी लंबा ये हाईवे देश के दो छोर को आपस में जोड़ता है, लेकिन आज जिस सड़क की बात हम करने जा रहे हैं, वो किसी एक देश को नहीं बल्कि 14 देशों से होकर गुजरता है। पैन-अमेरिकन हाईवे पर डेरियन गैप नाम का एक खतरनाक हिस्सा है।

14 देशों को जोड़ने वाली सबसे लंबी सड़क

सन 1923 में बने इस हाईवे बनाने का मकसद उत्तर, मध्य और दक्षिण अमेरिका के राज्यों को जोड़ना था। पैन-अमेरिकन हाईवे मेक्सिको, ग्वाटेमाला, एल साल्वाडोर, होंडुरस, निकारागुआ, कोस्टा रिका उत्तरी अमेरिका के पनामा, कोलंबिया, इक्वेडोर, पेरू, चिली और अर्जेंटीना होते हुए दक्षिण अमेरिका तक पहुंचता है। 30 हजार किमी लंबे इस हाईवे पर चलना आसान नहीं है।

30 हजार किमी लंबे इस हाईवे पर चलना आसान नहीं

60 दिन का लंबा सफर

रास्ते में आपको अलग-अलग मौसम, अलग-अलग परिस्थितियों से गुजरना पड़ता है। इस सफर को पूरा करने में लोगों को 60 दिन का वक्त लग जाता है। हालांकि ये पूरी तरह आपकी गाड़ी की स्पीड पर निर्भर करता है। कालोरस सांतामारिया नाम के एक शख्स ने इस रास्ते को 117 दिन में पूरा किया था। इस हाईवे पर यात्रा करना बेहद रोमांचक है, इस हाईवे पर गाड़ी चलाने वाले को हर तरह की परिस्थितियों से गुजरना पड़ता है। रास्ते में जंगलों, पहाड़ों, रेगिस्तान और ग्लेशियरों आदि सभी जगह से गुजरती है।

दुनिया की सबसे लंबी सड़क

दुनिया की सबसे लंबी सड़क का खिताब पैन-अमेरिकन हाईवे के नाम पर है। पैन-अमेरिकन हाईवे दुनिया का सबसे लंबा हाईवे है। अपनी लंबाई की वजह से इस हाईवे का नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज है। नॉर्थ अमेरिका से शुरू 14 देशों को पार करते हुए यह हाईवे साउथ अमेरिका के अर्जेंटीना तक जाता है। कहीं घने जंगल तो कहीं रेगिस्तान, कहीं बर्फीले मैदान तो कई पहाड़ों से होकर गुजरता ये हाईवे दुनिया की सबसे लंबी सड़क है।

रास्ते में चुनौतियां अनेक

अगर आप इस रास्ते पर जा रहे हैं तो महीनों की तैयारियां अपने साथ लेकर चलें। इस रास्ते पर मैकैनिक की मदद मिलने में आपको काफी वक्त लग सकता है, ऐसे में बेहतर है कि व्हीकल के लिए जरूरी टूल अपने साथ लेकर चलें, ताकि अगर कहीं गाड़ी पंचर हो जाए तो आप उसे खुद ठीक कर सकें। खाने-पीने का इंतजाम भी करके चले। हालांकि फ्यूल सेंटर कई जगहों पर बनाए गए हैं। 14 देशों से गुजरने वाली इस रास्ते पर गुजरते वक्त आपको कई अलग-अलग मौसमों से दो-चार होना पड़ सकता है, ऐसे में मौसम के मुताबिक अपने कपड़ों की तैयारी कर लें। पैन-अमेरिकन हाईवे पर डेरियन गैप नाम का एक खतरनाक हिस्सा है।

रोचक खबरें

भारत का सबसे खूबसूरत शहर, सफाई में भी है नबंर-1, बन रहा लोगों की पहली पसंद

भारत का हर एक शहर हर एक गांव अपनी अलग खासियत के लिए पूरे देश भर में प्रसिद्ध है। यहां का खान-पान, पहनावा-उढ़ावा, स्थानीय बोलचाल की भाषा, परंपरा, सांस्कृतिक, विरासत और इतिहास इन्हें बाकी सभी जगह से अलग बनाता है। पूरब से लेकर पश्चिम तक उत्तर से लेकर दक्षिण तक हर कोने में स्थित शहर और गांव में आपको अलग-अलग संस्कृति देखने को मिलेगी।

प्रधानमंत्री कर चुके हैं पुरस्कृत : दरअसल, हम जिस शहर की बात कर रहे हैं, वह मध्य प्रदेश में स्थित है, जो कि बहुत ही ज्यादा खूबसूरत और साफ है। यहां खाने के साथ-साथ आपको घूमने के लिए भी कई सारे ऑप्शंस मिल जाएंगे। इस शहर को प्रधानमंत्री देश के सबसे स्वच्छ शहर के रूप में भी पुरस्कृत कर चुके हैं। यहां सरकार के साथ-साथ आम जनता भी सफाई का विशेष ध्यान रखती है और यहां आने वाले पर्यटकों के लिए भी विशेष इंतजाम किए गए हैं।

इंदौर : मिनी मुंबई के नाम से है प्रसिद्ध : इस शहर का नाम इंदौर है, जिसे कई बार सबसे स्वच्छ शहर का खिताब मिल चुका है। इस देश का सबसे खूबसूरत शहर में से एक माना जाता है। यहां पर खूबसूरत बाजार से लेकर स्ट्रीट फूड स्टॉल, मंदिर, वॉटरफॉल और वाइल्डलाइफ सैंक्चुअरी है।

सदियों पुराना है इतिहास

प्राकृतिक सुंदरता से भरे इस शहर में 2 नदियों का संगम भी होता है। जिसका नाम खान और सरस्वती नदी है। इसके अलावा, यह मध्य प्रदेश का सबसे बड़ा शहर है। इसका इतिहास भी काफी पुराना है, जिसका नाम भगवान इंद्रेश्वर के नाम पर रखा गया है। यह शहर सफाई और सुंदरता के अलावा शिल्प उद्योगों के लिए भी प्रसिद्ध है। यहां पर हाथ ब्लॉक, छपाई, टाई एंड डाई, जूट उद्योग और जड़ी का काम किया जाता है। यहां आपको फैशन के मामले में कोई चीज की कमी नहीं देखने को मिलेगी। यहां एक-से-बढ़कर-एक मार्केट है। खानपान भी तरह-तरह के हैं।

इंडोनेशिया में मौजूद है समुद्र मंथन का अमृत कलश, हजारों साल से भरा है द्रव्य

दुनिया में एक से बढ़कर एक और आश्चर्य कर देने वाली चीजें और जगह मौजूद है। कई जगह ऐसी है जो अपने अंदर इतिहास और अद्भुत संस्कृति को समेटे हुए हैं। कुछ स्थानों से अद्भुत और रोचक मान्यताएं जुड़ी हुई है जिन पर लोगों का गहरा विश्वास है। समुद्र मंथन सनातन हिंदू संस्कृति की एक ऐसी पौराणिक कथा है जिसका वर्णन कई वेद और पुराणों में किया गया है। जी हां, इंडोनेशिया में एक ऐसा मंदिर स्थित है जहां समुद्र मंथन से निकले कलश के होने का दावा किया जाता है।

समुद्र मंथन से निकलीं थीं ये वस्तुएं

अब तक समुद्र मंथन की जो कहानी सभी ने सुनी है उसमें यही बताया जाता है कि देवता, रत्न, अमृत और कई सारी वस्तुएं समुद्र मंथन से ही निकली थी और इस से निकले हुए विश को भगवान शिव ने अपने कंठ में धारण कर लिया था। इसके अलावा अमृत कलश को लेकर देवताओं और राक्षसों में जो युद्ध हुआ उसके बारे में भी आप सभी ने सुना ही होगा। आज हम आपको इसी अमृत कलश से जुड़ी एक ऐसी जगह के बारे में बताते हैं जिसके बारे में कहा जाता है कि यह कलश इस मंदिर में मौजूद है।

316 साल पुराने स्पेनिश जहाज के खजाने की खोज करेगी कोलंबिया सरकार

कोलंबिया सरकार ने एक महत्वपूर्ण घोषणा की है, जिसमें बताया गया है कि वे 316 साल पहले कोलम्बियाई कैरेबियन (एटलांटिक महासागर) में डूबे स्पेनिश जहाज सैन होजे के मलबे और खजाने की खोज (एक्सप्लोरेशन) में फिर से जुटेंगे। दरअसल इसके के लिए सरकार ने एक नौसेना जहाज के रोबोट को समुद्र में भेजने का निर्णय लिया है।

रोबोट को भेजा जाएगा समुद्र में : जानकारी के अनुसार सालों पहले डूबे स्पेनिश जहाज के बारे में यह रोबोट जानकारी इकट्ठा करने का कार्य करेगा। वहीं इस दौरान, रोबोट मलबे के कुछ हिस्से को बाहर निकालेगा और जांचेगा कि सालों बाद पानी के बाहर निकलने पर मलबे में कैसे बदलाव आते हैं। जानकारी में बताया गया की इसके साथ ही, ईद दौरान इस बात की भी जांच की जाएगी की जहाज के बाकी मलबे को किस तरह बाहर निकाला जा सकता है। जानकारी के अनुसार अंदर जाने वाले रोबोट में कैमरे लगाए जाएंगे, जिससे यह जहाज से जुड़ा रिकॉर्ड इकट्ठा कर सकेगा। इसके अलावा, रोबोट को सैटेलाइट से भी कनेक्ट करने की योजना बनाई गई है। अधिक जानकारी में सामने आया है की कोलंबिया सरकार इस अभियान के लिए इस साल करीब 37 करोड़ रुपए खर्च करने का विचार कर रही है। वहीं इस मिशन को 2024 के सेकेंड हाफ में शुरू किया जा सकता है। दरअसल इस दौरान इस रोबोट को किस क्षेत्र में उतारा जाएगा, इसकी जानकारी को सरकार द्वारा सीक्रेट ही रखा जाएगा। आपको बता दें की ऐसा माना जाता है कि डूबने से पहले सैन होजे जहाज पर सोने-चांदी सहित करीब 1 लाख 66 हजार करोड़ डॉलर का 200 टन का खजाना लदा हुआ था।

खासियत

इस जिले को कहते हैं छोटी दिल्ली लोग जीते हैं लग्जरी लाइफ स्टाइल

भारत का सबसे बड़ा मार्केट, भारत की सबसे बड़ी मेट्रो नेटवर्क इसी शहर में

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत का हर एक जिला, शहर और गांव अलग-अलग महत्व व इतिहास के लिए जाना जाता है। इनकी खासियत पूरी दुनिया भर में गूंजती है। देश की राजधानी दिल्ली भी अपने आप में ऐतिहासिक शहर है, जहां रेलवे स्टेशन से लेकर मेट्रो कैब से लेकर बड़ी-बड़ी कंपनी लोगों के रहने और जीने खाने का सहारा है।

यहां एक से बढ़कर एक लग्जरी और सस्ते मार्केट उपलब्ध हैं। इसके अलावा, भारत का सबसे बड़ा एयरपोर्ट, भारत का सबसे बड़ा मार्केट, भारत का सबसे सस्ता मार्केट, भारत की सबसे बड़ी मेट्रो नेटवर्क इसी शहर में मौजूद हैं। क्या आप जानते हैं कि भारत में एक शहर छोटी दिल्ली के नाम से भी मशहूर है।

जाना जाता है गेट वे टू यूपी के नाम से

दिल्ली से सटे होने के कारण इसे गेटवे टू यूपी भी कहा जाता है। यहां एक तरफ इंडस्ट्रियल एरिया है, तो दूसरी तरफ इंदिरापुरम जैसे हाई राइस सोसायटी कॉलोनी स्थित है। यहां से थोड़ा आगे जाने पर नर और खेत खलियान देखने को मिलेंगे। इस शहर की स्थापना वजीर गाजीउद्दीन ने की थी। जिस कारण इस शहर का नाम गाजियाबाद रखा गया। इतिहास की बात करें तो यहां मुगल बादशाह अहमद शाह का शासन था। बहुत साल पहले यह मेरठ का हिस्सा हुआ करता था। 14 नवंबर 1976 को तत्कालीन मुख्यमंत्री एनडी तिवारी ने अलग जिला घोषित कर दिया। यहां आपको मुगल शासन की झलक भी देखने को मिलेगी।

बड़ी दिल्ली से कुछ कम नहीं है छोटी दिल्ली

भारत में स्थित यह जिला सुविधाओं और इन्फ्रास्ट्रक्चर में देश की राजधानी से कम नहीं है। इसलिए इसे छोटी दिल्ली के नाम से भी जाना जाता है। यहां पर्यटन में भी काफी ज्यादा बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। इसके साथ ही रोजगार के अवसर भी बढ़ रहे हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए इस जिले का नाम जानना जरूरी है।

उत्तर प्रदेश का गाजियाबाद जिला

दरअसल, भारत में स्थित गाजियाबाद जिला को छोटी दिल्ली के रूप में जाना जाता है, जो कि दिल्ली की सीमा से ही सटा हुआ है और यह उत्तर प्रदेश में स्थित है। यहां दिल्ली की तरह ही तमाम सुविधाएं लोगों को मिलती है। यहां पर बड़े से बड़ा बाजार और हाई राइजर बिल्डिंग है। इसलिए लोग इसे छोटी दिल्ली भी कहते हैं। यहां पर बहुत सारी कंपनियां मौजूद है। इसके अलावा, औद्योगिक क्षेत्र से हजारों लोगों को रोजगार मिला हुआ है। दिल्ली से बड़ी संख्या में लोग गाजियाबाद की तरफ रुख कर रहे हैं।

इस्कॉन और लक्ष्मी-नारायण के प्रसिद्ध मंदिर

यदि आपको कभी गाजियाबाद जाने का मौका मिले, तो आप यहां डासना गेट, दिल्ली गेट, जवाहर गेट और सिहरी गेट से अवश्य गुजरे, जहां आपको मुगल काल की याद आएगी। शेहरों के बीचों बीच गजिउद्दीन की बहुत पुरानी हवेली है। हालांकि, वर्तमान में इसकी हालत बिल्कुल झज्जर हो चुकी है। इसके अलावा, आप यहां पर इस्कॉन मंदिर, शिप्रा मॉल, डिज्नीलैंड वाटर सिटी फॉरेस्ट के अलावा लक्ष्मी नारायण मंदिर घूम सकते हैं।

भारत का सबसे छोटा एयरपोर्ट, जो घर से भी है छोटा!

नई दिल्ली। भारत में यह एक ऐसी जगह है जहां विमान उतरते हैं और अपने गंतव्य के लिए उड़ान भरते हैं। यह बाकी अन्य सभी संसाधनों से बहुत ही ज्यादा महंगा है, लेकिन इसमें सफर करने से लोगों के समय की बचत होती है। यह व्यापार के साथ-साथ इंटरनेशनल नेटवर्क को भी मजबूत कनेक्टिविटी प्रदान करता है। एयरपोर्ट पर लोगों को एक से बढ़कर एक अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती है। चेकिंग के लिए यहां 3 से 4 घंटे का समय लगता है। इसलिए यात्रा से इतने घंटे पहले लोगों को एयरपोर्ट आना पड़ता है। लेकिन क्या आप जानते हैं जो कि भारत का सबसे अनोखा और छोटा एयरपोर्ट है।

भारत में हैं 153 एयरपोर्ट : भारत में डोमेस्टिक और इंटरनेशनल दोनों तरह की फ्लाइट मिलती है। शुरुआत से लेकर अभी तक बहुत सारे बदलाव हो चुके हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, भारत में कुल 153 एयरपोर्ट वर्तमान में मौजूद है। जिनमें 118 घरेलू एयरपोर्ट और 35 इंटरनेशनल एयरपोर्ट है। इनमें से सबसे बड़ा एयरपोर्ट इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट है, जो कि दिल्ली में स्थित है।

मेघालय में है बलजेक एयरपोर्ट

दरअसल, इस एयरपोर्ट का नाम बलजेक एयरपोर्ट है, जो कि मेघालय में स्थित है। इसे तुरा एयरपोर्ट के नाम से भी जाना जाता है। जिसकी लंबाई मात्र 1 किलोमीटर है, जिसका निर्माण 20 सीटर हवाई जहाज डॉर्नियर 228 के लिए हुआ था। साल 1983 में केंद्र सरकार के पास इस एयरपोर्ट को पूर्ण तरीके से बनाने का प्रस्ताव भी भेजा गया था। इसके बाद साल 1995 में बजट जारी हुआ। जिसके बाद यहां एयरपोर्ट बनाया गया और अब यह भारत का सबसे छोटा एयरपोर्ट का खिताब हासिल कर चुका है।

यह है दुनिया की सबसे खतरनाक झील, इसके पानी में जाते ही मूर्ति बन जाते हैं जानवर

बचपन में हम कई तरह की कहानियां सुनते हैं जिसमें कभी ना कभी यह सुनने में भी आया होगा कि जीवित जानवर पत्थर के बन जाते हैं। इन कहानियों पर यकीन करना तो थोड़ा मुश्किल है। लेकिन जब हम आपको ये कहे कि ऐसा वाकई में होता है तो हैरान होना वाजिब से बात है।

आज हम आपको ऐसी जगह की जानकारी देते हैं जहां पर कहानियों में सुनी गई यह बात वाकई में सच होती है। एक ऐसी झील है जिसमें अगर कोई जानवर या पक्षी जाता है तो वह पत्थर का बन जाता है। यह खतरनाक झील मेडुसा लेक और जॉम्बी लेक के नाम से जानी जाती है। इसका नाम ग्रीक माइथॉलजी में दिए गए एक कैरेक्टर मेडुसा के ऊपर रखा गया है, जो बहुत डरावनी दिखती है।

ज्वालामुखी का लावा मिलता है नदी में

ज्वालामुखी से जो लावा निकलता है वह आकर इस झील के पानी में मिलता है और एल्कलाइन के लेवल को बढ़ाकर इस जगह को खतरनाक बना देता है। यह दुनिया में इकलौता ऐसा ज्वालामुखी है जिसके लावा में नेट्रोकार्बोनाइट निकलते हैं। इतना ही नहीं इस झील के पानी में कई ऐसे केमिकल मौजूद हैं जिनकी वजह से पशु पक्षियों की लाश सड़ने की की प्रक्रिया धीमी हो जाती है और यह देखने में मूर्ति की तरह दिखाई देने लगते हैं।

वैज्ञानिकों ने खोजा 1600 साल पुराना 'मोतियों का शहर'

संयुक्त अरब अमीरात के पुरातत्वविदों ने एक बड़ी खोज की है। दरअसल उन्होंने संयुक्त अरब अमीरात में एक प्राचीन नगर की खोज की है। जानकारी के अनुसार यह नगर दुबई से लगभग 42 मील दूर बताया जा रहा है जो उत्तर-पूर्व में अल सिन्नियाह द्वीप पर स्थित है। वहीं इस खोज से पुरातत्व विभाग को एक बड़ी कामयाबी मिली है। दरअसल इसे क्षेत्र के प्रारंभिक इतिहास के बारे ने नई जानकारी मिल सकती है।

'पर्लिंग सिटी' या 'मोतियों का शहर' भी कहा गया : दरअसल इस स्थान को 'पर्लिंग सिटी' या 'मोतियों का शहर' भी कहा गया है। जानकारी के मुताबिक पर्यटकों के लिए लंबे समय अल सिन्नियाह द्वीप एक महत्वपूर्ण आकर्षण बना हुआ है। वहीं पुरातत्वविदों के अनुसार, यहां पर मिले बस्तियों के खंडहर और अवशेष चौथी शताब्दी के हैं, जो कम से कम 1600 साल पुराने हैं।

कीमती

छिलके जितने ज्यादा पुराने होंगे उतने ही महंगे बिकेंगे

पेड़ों पर उगता है 'सोना', छिलकों की कीमत में आ जाएगी चमचमाती गाड़ी

अगर आप कुछ लोगों से यह पूछेंगे कि दुनिया में सबसे कीमती चीज क्या है तो उनमें से ज्यादातर लोग यही कहेंगे कि सोना सबसे कीमती होता है, लेकिन सोने के अलावा भी कई ऐसी चीजें होती हैं जो उससे ज्यादा महंगी होती हैं।

आज हम आपको एक ऐसी ही चीज के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे अगर सोना कहा जाए तो गलत नहीं होगा। दरअसल कुछ फल बेहद कीमती हैं इतने कीमती कि उनकी कीमत लोगों के होश उड़ा देती है। एक ऐसा ही फल है कीनू, जिसे चीन में कैंटोनीज के तौर पर पहचाना जाता है। हैरानी तो तब होती है जब यह पता चलता है कि इस फल की कीमत से ज्यादा इसके छिलकों की होती है। जी हां इस फल के सूखे हुए छिलके बहुत महंगे बिकते हैं। क्या आप जानते हैं कि चीन के एक शहर में पेड़ों पर 'सोना' उगता है? यहां के पुराने कीनू के छिलके 1 किलो में करीब 8 लाख रुपये तक बिकते हैं।

3 साल में होती है तैयार, चेपनी कहलाती है

रिपोर्ट में स्थानीय लोगों के हवाले से बताया कि इस फल के सूखे छिलकों को 'चेपनी' कहा जाता है। हालांकि चेपनी के बन जाना भी इतना आसान नहीं है, क्योंकि इन्हें लगभग तीन वर्षों तक हर पतझड़ और ठंड के मौसम में धूप में सुखाना होता है। कहा जाता है कि ये छिलके जितने ज्यादा पुराने होंगे उतने ही महंगे बिकेंगे। उन्होंने बताया कि इसका इस्तेमाल स्वास्थ्य के अलावा खानों और शराब में भी किया जाता है।

इसी रिपोर्ट में इस फल के छिलकों की कीमत के बारे में भी बताया गया। 2023 में हांगकांग में 1968 में एक किलोग्राम सूखे कीनू के छिलकों की नीलामी 9646 अमेरिकी डॉलर में हुई थी। स्थानीय ने बताया कि 2023 में उन्होंने 100 बिलियन युआन (लगभग 13.8 बिलियन डॉलर) कमाए थे।

एक खास इलाके के फल ही होते हैं महंगे

एक रिपोर्ट के मुताबिक चीनी औषधीय जड़ी बूटी में पुराने टेंजेरीन या कीनू के छिलके स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक यहां के रहने वाले लोग कहते हैं कि यहां की मिट्टी और पानी की वजह से इन फलों के छिलकों में ज्यादा पोषक तत्व पाए जाते हैं। हालांकि इनकी पैदावार कई जगहों पर होती है लेकिन चीन के गआंग्डोंग राज्य के जियांगमैन के पूर्वी किनारे पर होने वाली फसल की ज्यादा कीमत बताई जाती है।

पुल पर बसा एक ऐसा गांव, घर सैकड़ों फीट की ऊंचाई पर टंगे

गांव अपने आप में एक संस्कृति और विरासत है। यहां सभी लोग एक-दूसरे से मिलकर रहते हैं। गांव में चौपाल, पंचायत भवन, स्कूल, छोटे बाजार आदि होते हैं। यहां पर किसी जीवन जीने का मुख्य आधार है। यहां सभी त्योहार शादी विवाह आदि सब कुछ सामूहिक तौर पर मनाई जाती है। पहले गांव में शिक्षा और जागरूकता का अभाव था, लेकिन अब सरकार की योजनाओं के तहत इन सब चीजों में पहले से काफी ज्यादा सुधार हुआ है। हालांकि, अब इंसानों ने तरक्की कर ली है।

पुल पर बसा अनोखा गांव

कुछ टेक्निक्स को देखकर आंखों पर यकीन भी नहीं होता है। ऐसे में आज हम आपको एक ऐसे गांव के बारे में बताएंगे, जो कि पुल पर बसा हुआ है। यहां पर घर सैकड़ों फीट की ऊंचाई पर टंगे हुए हैं। इसे देखकर आपको काफी ज्यादा आश्चर्य होगा। यह गांव किसी अजूबा से काम नहीं है। अक्सर अपने देखा होगा कि पुल को पिलर्स पर तैयार किया जाता है, लेकिन चीन में एक ऐसा पुल है। जिस पर लोगों ने अपना घर बसा रखा है। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया एक पर वायरल हो रहा है।

वीडियो हुआ वायरल, पुल पर रंग-बिरंगे घर

दरअसल, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक पर एक वीडियो वायरल हुआ है। जिसे **@gunsnrosesgirl3** ने अपने अकाउंट से शेयर किया है। जिसे अब तक तीन लाख लोग देख चुके हैं, जबकि हजारों लोग इसे लाइक कर चुके हैं। इस वीडियो में साफ तौर पर देखा जा सकता है कि एक छोटी सी नदी है। बड़े पिलर्स पर पुल बना हुआ है, जिस पर एक बस्ती बसी हुई है। रंग बिरंगे घरों से बस यह पुल काफी ज्यादा अनोखा लग रहा है। इस पुल पर पक्के घर बने हुए हैं।

UDYOG EVAM ROJGAR VARSH 2025
INVEST MADHYA PRADESH
MPSeDC
देश का टेक्नोलॉजी हब
बनने की ओर अग्रसर मध्यप्रदेश
नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
मध्यप्रदेश
टेक ग्रोथ
कॉन्क्लेव 2025
ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 के संकल्पों को
साकार करता मध्यप्रदेश
शुभारंभ
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश द्वारा
27 अप्रैल 2025 । सायं 5:00 बजे
ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर, इंदौर
अवसरों का प्रदेश
मध्यप्रदेश...
इन्वेस्टर फ्रेंडली नीतियां
• ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स पॉलिसी 2025
• ड्रोन प्रमोशन एवं यूसेज पॉलिसी 2025
• आईटी, आईटीईएस एवं ईएसडीएम इन्वेस्टमेंट प्रमोशन पॉलिसी 2023
• एवीजीसी-एक्सआर पॉलिसी 2025
• सेमीकंडक्टर पॉलिसी 2025
टेक ईकोसिस्टम
15+ आईटी पार्क
5 आईटी सेज़
2000+ आईटी, आईटीईएस यूनिट
50+ बड़ी आईटी कंपनियां
1200+ टेक स्टार्ट-अप्स
200K+ रोज़गार के अवसर
2 टेक यूनिकॉर्न
फोकस क्षेत्र
आईटी-आईटीईएस
एवीजीसी-एक्सआर
ड्रोन प्रौद्योगिकी
ईएसडीएम और सेमीकंडक्टर
डाटा सेंटर
ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स
D-11017/25
मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
ipcell-mp@mpsedc.com । Website : mpsedc.mp.gov.in । #MPTechGrowthConclave2025 । #TechDestinationMP
सीधा प्रसारण Webcast.gov.in/mp/cmevents
@Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh @jansamparkMP
JansamparkMP

प्रथम पृष्ठ का शेष

सीई आनंद, ठेकेदार...

हैं, जिसमें से बिलासपुर जोनल रेलवे स्टेशन में 392 करोड़ रुपए की लागत से एयरपोर्ट की तरह बनाने का ठेका बिलासपुर के जगमल चौक स्थित झांझरिया निर्माण लिमिटेड को दिया गया है। झांझरिया निर्माण लिमिटेड का स्टेशन डेवलपमेंट के अलावा रेलवे लाइन बिछाने से लेकर कंट्रक्शन, ब्रिज बनाने का काम है। आरोप है कि निर्माण कंपनी को काम दिलाने में जोन के कई बड़े अफसर भी शामिल हैं, वो भी सीबीआई के निशाने पर हैं। रिश्वत कांड में ऐसे अफसर भी जांच के दायरे में आ सकते हैं। सीबीआई के अनुसार चीफ इंजीनियर 21 अप्रैल को झांझरिया निर्माण लिमिटेड के ऑफिस में सुशील झांझरिया से मिले थे। उन्होंने कंपनी के रेलवे का करोड़ों रुपए का ठेका दिलाने की एवज में 32 लाख रुपए घूस मांगी थी। विशाल ने घूस की रकम सीधे लेने के बजाय रांची में अपने भाई कुणाल आनंद को देने कहा। यह जानकारी मिलते ही सीबीआई ने इन्हें घेरने का प्लान बनाया। जांच एजेंसी के मुताबिक 25 अप्रैल को कंपनी का एक कर्मचारी मनोज पाठक चीफ इंजीनियर के भाई के घर पहुंचा, जैसे ही उसने कुणाल आनंद को घूस की राशि दी, सीबीआई ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया। कुणाल से घूस में ली गई राशि भी बरामद कर ली गई। इसके बाद चीफ इंजीनियर और कंपनी के एमडी को भी गिरफ्तार कर लिया गया। इसके बाद सीबीआई टीम ने बिलासपुर और रांची में कई जगहों पर छापेमारी की। इस दौरान कई आपत्तिजनक दस्तावेज और कैश बरामद किए गए। सीबीआई के मुताबिक झांझरिया निर्माण लिमिटेड ने यह घूस बड़ा प्रोजेक्ट पाने के लिए दी थी। **पहले भी लग चुके हैं सीई पर आरोप-** सीबीआई की टीम अब आरोपी मुख्य अभियंता विशाल आनंद के संपत्ति की जानकारी जुटा रही है। मुख्य अभियंता पर दो अलग-अलग पदों पर रहते हुए पहले भी अनियमितता बरतने के आरोप लगे हैं। आरोपी मुख्य अभियंता विशाल आनंद रांची डिवीजन में तीन साल तक इंजीनियरिंग विभाग सीनियर डीईएन कोआर्डिनेशन के पद पर पदस्थ थे। इस दौरान उनपर विभागीय प्रक्रियाओं में गड़बड़ी के आरोप लगे थे। कार्यकाल पूरा होने के बाद वे रांची से ही आरबीएनएल में दो साल पदस्थ रहे। इसके बाद पिछले दो साल से बिलासपुर एसईसीआर के मुख्यालय कंस्ट्रक्शन मे रोड सेफ्टी ओपन लाइन के चीफ इंजीनियर के पद पर कार्य कर रहे हैं। **एमडी ऑफिस से अहम दस्तावेज जब्त:** घूसखोरी मामले में चार लोगों की गिरफ्तारी के बाद जांच एजेंसी ने झांझरिया निर्माण लिमिटेड के एमडी के ऑफिस में भी छापेमारी की। टीम ने वहां दस्तावेज, फाइलें और डिजिटल उपकरणों को जब्त कर लिया। इसकी जांच की जा रही है। इस दौरान कंपनी के अन्य अधिकारियों से भी पूछताछ की गई। सूत्रों का कहना है कि अब सीबीआई जल्दी ही रेलवे के कुछ दफ्तरों और अन्य ठिकानों पर छापेमारी कर सकती है। **टेंडर घोटाले पर सीबीआई की नजर:** सीबीआई सूत्रों के अनुसार बिलासपुर रेलवे जोन में टेंडर में बड़े पैमाने पर घोटाला चल रहा है। इसकी जानकारी हाथ लगने पर सीबीआई अफसरों ने पहले झांझरिया निर्माण लिमिटेड को दिए गए रेलवे के प्रोजेक्ट्स की जानकारी जुटाई। इसमें पता चला कि ज्यादातर बड़े निर्माण कार्यों का ठेका इसी कंपनी को दिया गया है। हाल ही में करोड़ों रुपए के प्रोजेक्ट इस कंपनी के पास हैं, जिसपर घोटाले की आशंका होने पर सीबीआई ने पुख्ता जानकारी जुटाकर छापेमारी की। पांच साल पहले भी दी थी दबिश: बिलासपुर के जगमल चौक में संचालित झांझरिया निर्माण लिमिटेड ने रेलवे में करोड़ों रुपए का ठेका लेकर काफी तेजी से अपना कारोबार फैलाया है। इस कंपनी का कारोबार दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल सहित आठ राज्यों में है। करीब पांच साल पहले भी सीबीआई ने इस कंपनी के दफ्तर में छापामार कार्रवाई की थी।

सीई ने भाई से...

कर्मचारी पैसे लेकर रांची गया है, तब आनन-फानन में सीबीआई की टीम कर्मचारी का पीछा करते हुए रांची पहुंच गई। कर्मचारी ने जैसे ही कुणाल को पैसे दिए, सीबीआई ने उसे दबोच लिया। इसके बाद बिलासपुर पहुंचकर छापेमारी कर दस्तावेज खंगाले गए।

सांसद राजीव...

से सबसे ज्यादा कार्यों को स्वीकृत कराने प्रस्ताव भेजने में केटीएस तुलसी सबसे आगे हैं। उन्होंने 201 कार्यों को मंजूरी देने के प्रस्ताव योजना एवं सांख्यिकी विभाग को भेजे हैं। इन कार्यों में कुल 13 करोड़ 18 लाख रुपए की राशि खर्च होगी। वहीं सांसद राजीव शुक्ला ने केवल दो कार्य को ही मंजूरी दी है। ये दोनों कार्य में 5 करोड़ 70 लाख रुपए खर्च होंगे।

स्कूल-छात्रावास में...

एवं छात्रावासों में बच्चों को मिलने वाली शैक्षणिक एवं पेयजल जैसी सुविधाओं पर रहा है।

जंगल में गए...

साथ ही कुछ संदेहियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। बता दें कि बलरामपुर जिले के डिंडो चौकी अंतर्गत ग्राम बेलसर निवासी 40 वर्षीय राजेन्द्र पंडो, 18 वर्षीय मुकेश आयाम व अन्य ग्रामीण 25 अप्रैल की दोपहर जंगली सूअर का शिकार करने के लिए पास में मौजूद बिमलापुर बेलकोता जंगल में गए हुए थे। जंगल में शिकार के लिए ग्रामीण भरमार बंदूक और अन्य अवैध हथियार लेकर गए हुए थे। शिकार के दौरान सभी ग्रामीण अलग अलग होकर शिकार की तलाश कर रहे थे। संभावना जताई जा रही है कि जंगल में झाड़ियों के बीच से सरसराहट की आवाज आने पर राजेन्द्र पंडो ने भरमार बंदूक से गोली चला दी। गोली चलने के साथ ही झाड़ियों के बीच मौजूद 18 वर्षीय मुकेश कुमार आयाम को लग गई।

बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
अष्टविनायक हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड/राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

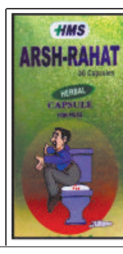

आयुर्वेदिक हानिरहित बवासीर का दवा
अर्श-राहत
बवासीर की समस्त समस्याओं से 5 दिनों में छुटकारा दिलाता है व दुबारा होने से भी रोकता है।
आपरेशन के खर्च व तकलीफ से बचना चाहते हैं तो अर्श-राहत का इस्तेमाल करें
HMS देखकर खरीदें
94060-21769

JHAIGO झाईगो 5+1 Cream
चेहरे को दागों से मुक्त कर सुंदरता बढ़ाये...
तो फिर क्या.. बस इस बार झाईगो क्रीम उपयोग कर देखें।
क्या आपके... चेहरे पर झाईयां है? आंखो पर काले घेरे हैं? चेहरे पर मुहाँसे के काले निशान हैं? या जले या चोट के निशान हैं?

हरिभूमि Classified

epaper- www.haribhoomi.com

Email- hbclassified375@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100, 9754263022

आवश्यकता है

आवश्यकता है- रेस्टोरेन्ट में काम करने हेतु तन्दूर कुक, इंडियन कुक, किचन हेल्पर, वेटर लड़का या लड़की की आवश्यकता है अनुभवी ही सम्पर्क करें- सांझा चूल्हा रेस्टोरेन्ट महाराणा प्रताप चौक बिलासपुर 8319344041 **(37559)**

आवश्यकता है- थोक दवाई दुकान में कार्य करने हेतु सेल्समैन, दुकान में माल निकालने, पैकिंग हेतु लड़के चाहिए बायोडाटा सहित सम्पर्क करें:- जयदेव मेडिकल एजेन्सी, अयप्पा मन्दिर रोड, भारतीय नगर बिलासपुर 9993303951 **(37564)**

आवश्यकता है- सादा खाना बनाने बाई-1, मिस्त्री-1, रूम सर्विस, वेटर कार्य हेतु लड़का-1 चाहिए रहने खाने की सुविधा सम्पर्क करें- सुबह 10 से दोपहर 3बजे तक, हॉटल राज दयालबंद बिलासपुर 07752-402971, 9893005346 **(37560)**

आवश्यकता है- कार्यालय सहायक (ऑफिस प्यून) चाहिए। वेतन 7000 प्रतिमाह, कार्य समय सुबह 10:30 बजे से शाम 7:30 बजे तक, इच्छुक उम्मीदवार सम्पर्क करें- P2, संजय अपार्टमेंट, व्यापार विहार रोड बिलासपुर 9179991222 **(37562)**

आवश्यकता है- सेल्स गर्ल की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- सहेली ड्रेसेस, सहेली सुहाग के ऊपर, देवकीनन्दन चौक बिलासपुर 9827171471 **(37561)**

आवश्यकता है- ऑथर्स क्लीक प्रकाशन में टेलीकॉलिंग हेतु लड़कियों की आवश्यकता है योग्यता ग्रेजुएट सम्पर्क करें- वासुदेव कॉम्प्लेक्स, फर्स्ट फ्लोर, विजयापुरम गेट के बगल में, सीपत रोड, सरकंडा, बिलासपुर 8815446519, 7470907361 **(37571)**

आवश्यकता है- एक कोरल, फोटोशॉप डिजाइनर, एक हिन्दी/ अंग्रेजी टायपिस्ट एक कम्प्यूटर ऑपरेटर ऑनलाइन कार्य हेतु अनुभवी की आवश्यकता है। फुल/पार्टटाईम, वेतन/ कमीशन सम्पर्क करें:- बिलासपुर कापियर्स प्रिन्टर्स, नेहरू चौक, बिलासपुर 7004692389 **(37566)**

आवश्यकता है- सलवार सूट लहंगा ब्लाउज गाउन सिलाई करने वाले महिला एवं पुरुष की आवश्यकता है वेतन 25000 से 30000 सम्पर्क करें- परफेक्ट बुटिक मुंगेली नाका बिलासपुर 7389444785 **(37554)**

आवश्यकता है- टर्नर, फिटर, वेल्डर, हेल्पर, शिफ्ट इंचार्ज, CRO, स्टोर कीपर, सुपरवाइजर चाहिए अनुभवी योग्य उम्मीदवार अपना बायोडाटा ईमेल/ वॉट्सएप द्वारा भेजें- hr.saspl@ gmail.com 9301548687 सृजन एलॉयज एण्ड स्टील प्राइवेट लिमिटेड, सिलपहरी, बिलासपुर **(37565)**

शीघ्र आवश्यकता हैं
महिन्द्रा ट्रैक्टर के डीलर को निम्न पदों आवश्यकता है
ट्रैक्टर मैकेनिक/हेल्पर-3 पद
सेल्समेन (10वीं पास) -3 पद
कम्प्यूटर ऑपरेटर-1 पद
संपूर्ण बायोडाटा सहित स्वयं संपर्क करे (समय 11 से 6 बजे)
सेंट्रल इंडिया मोटर्स
हीरो होंडा एजेंसी के बगल में महाराणा प्रताप चौक, बिलासपुर
07752-247707

आवश्यकता है- बुकिंग में इनोवा, क्रिस्टा कार चलाने हेतु 5वर्ष अनुभवी ड्रायवर चाहिए जो आटोमेटिक गाड़ी चलाना जानता हो फिक्स वेतन 16000 या 12000+ 100 भत्ता+ 100 नाईट, बाहरी के रहने की व्यवस्था सम्पर्क सक्षम टूर एण्ड ट्रेवल्स 97554 4037, 6264125145 **(37512)**

आवश्यकता है- सूर्या बार में काम करने के लिए वेटर एवं गार्ड की आवश्यकता है अनुभव वाले सम्पर्क करें- सूर्या बार, पुराना बस स्टैण्ड बिलासपुर 9755001888 **(37557)**

आवश्यकता है- मंथली बेसिस में गाड़ी चलाने के लिए ड्राइवर, ऑफिस कार्य हेतु लड़के, लड़कियां एवं च्वाइस सेन्टर के अनुभवी कम्प्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 9300672005 80947 30100 **(37570)**

आवश्यकता है- घर के कपड़े, बर्तन की साफ सफाई हेतु महिला चाहिए। सम्पर्क करें- सुबह 9 से शाम 7 बजे डॉक्टर अनिल अग्रवाल प्रकृति लूथरा नर्सिंग होम के पीछे नेहरु नगर बिलासपुर 7999877858 **(37545)**

आवश्यकता है- एक सेल्समैन जिसे जेनेरिक दवाईयों एवं मार्केटिंग की जानकारी हो और एक हेल्पर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- अनन्त मेडिकल स्टोर्स पुराना बस स्टैण्ड बिलासपुर 62621 00422, 9421732836 **(37543)**

आवश्यकता है- मैनेजर- 1 (सेवानिवृत/ एमबीए लड़का/ लड़की) अनुभवी सेल्समेन - 2, एकाउंटेंट-1, ट्रांसपोर्टिंग-1 की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 12बजे से 6बजे रॉयल ऑटोमोटिव एमरॉन बैटरी शोरूम व्यापार विहार रोड बिलासपुर 7974236600, 7700004930 **(37541)**

आवश्यकता है- तीन लोगों के लिए शुद्ध शाकाहारी खाना बनाने के लिए एक फीमेल कुक की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 8319900169 **(37542)**

आवश्यकता है-(1) कंस्ट्रक्शन ऑफिस में कार्य हेतु साइट सुपरवाइजर, साइट इंजीनियर (2) रियल एस्टेट टेलीकालिंग, सेल्स अनुभवी एक्जीक्यूटिव युवती की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता सैलरी योग्यता अनुसार। सम्पर्क- 97707 70000, 9827072000 **(37450)**

आवश्यकता है- थोक दवा दुकान में काम करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- मेलाराम हेमन्त कुमार मेडिकल कॉम्प्लेक्स तेलीपारा बिलासपुर 81030 72149 **(37523)**

आवश्यकता है- दुकान में काम करने के लिए (लड़के एवं लड़कियों) की आवश्यकता है वेतन 8000 सम्पर्क करें- गुप्ता अम्ब्रेला खोवा मण्डी हनुमान मंदिर के पास गोल बाजार बिलासपुर **(37244)**

आवश्यकता है- मार्केटिंग कार्य करने हेतु सेल्स ऑफिसर की आवश्यकता है वेतन 10000 से 20000 सम्पर्क करें- प्लस ऑटोमोबाइल शीतला माता मंदिर के पास तारबाहर चौक बिलासपुर **(15329)**

आवश्यकता है- फैक्ट्री मेस में खाना मिस्त्री, रोटी मिस्त्री, किचन हेल्पर, खाना देने एवं बर्तन धोने हेतु महिला पुरुष की आवश्यकता है। रहने खाने की सुविधा फ्री। सम्पर्क करें- बिलासपुर 8871824812, 9993334937 **(37539)**

आवश्यकता है- ऑफिस में कार्य करने हेतु फुल टाइम एकाउंटेंट की आवश्यकता है जिसे Tally Prime/ Busy अनुभव हो, सम्पर्क करें- अविनाश मोदी, पी-2 संजय अपार्टमेंट व्यापार विहार रोड, बिलासपुर 9179991222 **(37531)**

आवश्यकता है- बिलासपुर नगर के मध्य स्थित पेट्रोल पम्प में काम करने के लिए पम्प आपरेटर और चौकीदार की आवश्यकता है आकर्षक वेतन आवास सुविधा इच्छुक महिला एवं पुरुष सम्पर्क करें- 94792 58223 **(37272)**

आवश्यकता है- लड़के, लड़कियों की एजेंसी दुकान पर सेल्समैन, सामान उतारने, चढ़ाने शिक्षित एवं कम्प्यूटर जानकार। वेतन योग्यतानुसार। परिचय पत्र रिज्यूम सहित सम्पर्क करें- दीनयाल गार्डन के पास व्यापार विहार बिलासपुर 9827901002 **(37544)**

आवश्यकता है- दुकान में काम करने के लिए लड़कों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- बजाज रोप सेन्टर गोल बाजार बिलासपुर **(37529)**

आवश्यकता है- आशीष रोड लाइन फर्म में ऑफिस कार्य हेतु दो लोगों की आवश्यकता है। मिनिमम क्वालीफिकेशन 12वीं पास सम्पर्क करें- आशीष रोड लाइन्स, झांझरिया मेंशन के पास, स्टेशन रोड बिलासपुर 7000857988 **(37534)**

आवश्यकता है- बिलासपुर की प्रा.लि. कम्पनी को ब्रांच मैनेजर, काउंसलर, टेलीकॉलर, फिल्ड ऑफिसर, डव्लपमेंट ऑफिसर, सोशल मिडिया आपरेटर, विडियो एडिटर, कम्प्यूटर आपरेटर की आवश्यकता है अनुभव अनिवार्य वेतन 13000-35000 पता- A/216, नारायण प्लाजा बिलासपुर 8085045559, 9111881999 **(37524)**

आवश्यकता है- रेडीमेड शोरूम में 3वर्ष के पुराने अनुभवी युवक/युवती सेल्समैन की आवश्यकता है वेतन 10000 से शुरू सम्पर्क करें- नेशनल होजियरी NX सदर बाजार बिलासपुर **(37563)**

आवश्यकता है-प्लाईवुड शोरूम में फील्ड सेल्स कार्य हेतु मार्केटिंग पर्सन-2, शिक्षित, अनुभवी, लड़के चाहिए वेतन 10000 से 40000+ बोनस+ कमीशन+ पेट्रोल। बाइक अनिवार्य। रिज्यूम 9608777772 पर Whats App **करें। अनुभवी व्यक्ति सम्पर्क करें-SS** Plywood **महाराणा प्रताप चौक बिलासपुर 9589687772 (37454)**

आवश्यकता है- कम्प्यूटर आपरेटर- 1 एवं ऑफिस स्टाफ- 1 की आवश्यकता है। वेतन 9000 से 10000 सम्पर्क करें- मातुश्री ट्रेडिंग कम्पनी, गुम्बर पैट्रोल पम्प के सामने, व्यापार विहार रोड बिलासपुर **(37532)**

आवश्यकता है- टूव्हीलर स्पेयर पार्टस दुकान में कार्य करने हेतु अनुभवी स्टाफ की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- के.सी. ऑटो जोन, दुकान नंबर C-15, नेताजी सुभाष काम्पलेक्स जरहाभाठा, बिलासपुर 95187 58725 **(37518)**

आवश्यकता है- भारी संख्या में अतिशीघ्र सिक्योरिटी गार्ड, सुपरवाइजर की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार तत्काल सम्पर्क करें- ए1 जीत सिक्युरिटीज प्राइवेट लिमिटेड, मंगला चौक सीएलसी प्लाजा बिलासपुर 7247244800, 07752448013 **(37516)**

आवश्यकता है- छड़, सीमेंट दुकान कार्य करने के लिए मेहनती लड़कों वेतन 12000 एवं ट्रैक्टर चलाने हेतु ड्राइवर वेतन 10000 की आवश्यकता है सम्पर्क करें- ममता ट्रेडर्स मोपका बिलासपुर 93003 07926, 9993443207 **(37256)**

आवश्यकता है- मैट्रिमोनी ऑफिस कार्य करने हेतु लड़कियों, महिलाओं की आवश्यकता है सैलरी 10000+ कमीशन+ बोनस सम्पर्क करें- बाबजी कालोनी के पास महाराणा प्रताप चौक बिलासपुर 9993937575 **(37519)**

आवश्यकता है- वेटर/ झाड़ू पोछा सफाई के लिए कर्मचारी/ लड़कों की आवश्यकता है वेतन 10000 ग्रामीणों को रहना खाना निःशुल्क। सम्पर्क करें- अग्रवाल लॉज गोल बाजार बिलासपुर 9406390898, 9827940898 **(37530)**

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु 10वी, 12वी, ग्रेजुएट, 18-30वर्ष लड़को की शीघ्र आवश्यकता है जो बाहर रहकर कार्य कर सके। वेतन 10000+ कमीशन+ बोनस के साथ 20000 रहना खाना फ्री+ गाड़ी किराया+ कोई शुल्क नहीं लगेगा संपर्क करें- 76111 01122 7611101133 **(0328)**

आवश्यकता है- होटल सत्कार डीलक्स में किचन के लिए कुक एवं हेल्पर, सर्विस के लिए वेटर, काउंटर के लिए कैशियर की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता भोजन एवं रहने की सुविधा मुफ्त। सम्पर्क करें- रानी रोड इतवारी बाजार, कोरबा 8770101081, 98271 73856 (20975)

आवश्यकता है- जनरल दुकान मे कार्य करने हेतु अनुभवी लड़को, लड़कियों और अच्छे सेल्समेन की जरूरत है पेमेट भरपुर दिया जायेगा सम्पर्क करें- सुनील प्लास्टिक तेलीपारा अजीत होटल के सामने बिलासपुर **(37292)**

आवश्यकता है- सुरक्षा गार्ड 50 उंचाई 5'-5" योग्यता 5वी से 12वीं वेतन 12000 से 19500 तक (ESIC, PF, Bonus और रहना फ्री) खाने की सुविधा दस्तावेज (आधार कार्ड, पेन कार्ड, 10वीं अंक सूची बैंक पास बुक 8 पासपोर्ट फोटो कार्या.- शाप नं-8 प्रथम तल, कमला सुपर बाजार, तेलघानी चौक, रायपुर (छ.ग.) 0771-4036689, 97703 04037, 8120957510 **(046)**

आवश्यकता है- सफाई कर्मचारी नियुक्ति चंदखुरी रायपुर कुत्तों के अस्पताल में स्वीपर का झाडू लगाना बर्तन कपड़े धोने का काम है वेतन 10,000/- खाने रहने की सुविधा नशेड़ी संपर्क न करें 7225888800 **(6975)**

आवश्यकता है- छोटा हाथी पिकअप चलाने के लिए 2 ड्राइवर एवं दुकान में हमाली का काम करने के लिए 1 लड़के की आवश्यकता है सम्पर्क करें- शारदा एजेन्सी व्यापार विहार बिलासपुर 9926124555 **(37528)**

आवश्यकता है- रायपुर व सभी तहसील व जिला स्तर पर आयुर्वेदिक दवाई सेल्स फील्ड ऑफिसर -20 पद (1-2 वर्ष अनुभवी) चाहिए स्वयं का वाहन अनिवार्य वेतन चर्चानुसार गीता आयुर्वेदिक अवंती विहार रायपुर मोः- 8878461810, 93993 70940 **(7310)**

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु लड़कियों एवं महिलाओं की आवश्यकता है, उम्र 18 से 35 वर्ष, वेतन 5000/- +कमीशन +बोनस सम्पर्क करें:- नेहरू नगर साईं मंदिर के पास 78059 32585 **(064)**

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य के लिए युवक/ युवती की आवश्यकता है, समय सुबह 10 से 5.30 तक, वेतन 6000/- 6500/- संपर्क करें:- कुदुदंड अरुण आइसक्रीम के पास बिलासपुर 9303002278 **(072)**

आवश्यकता है- रायगढ़, रायपुर में गार्ड की नौकरी हेतु 5, 8, 10 पास हाईट 5'-6" इंच, 4 फोटो आधार कार्ड सहित मिले रहने खाने की सुविधा वेतन 14500 से 19000 सम्पर्क करें 81090 70600 **(7086)**

आवश्यकता है- सर्जिकल ऑफिस में कार्य हेतु लड़को की (स्वयं का बाइक अनिवार्य) समान छोड़ने लाने हेतु योग्यता दसवीं+ बारवी एंड ऑफिस बॉय/गर्ल की आवश्यकता है संपर्क:- श्री विनायक सेल्स अज्ञेय नगर बिलासपुर 9893367787 **(070)**

आवश्यकता है- सीसीटीवी कैमरा/ डीटीएच फिटिंग, ऑफिस में हेल्पर, सेल्स मार्केटिंग व कंप्यूटर वर्क हेतु लड़के/ लड़कियों की और जनरल शॉप हेतु लड़के की आवश्यकता है संपर्क:- निशानियां मार्केटिंग जूनी लाईन 9993455200, 07752 415700 **(071)**

आवश्यकता है- सिलतरा रायपुर हेतु, फिल्ड अधिकारी 4, सुपरवाइजर 16, सुरक्षा गार्ड 110, कंप्यूटर ऑपरेटर 2 योग्यता 10वीं स्नातकोत्तर, गार्ड ऊंचाई (5.7) वेतन योग्यतानुसार संपर्क:- ALERT SGS PRIVATE LIMITED 434, चतुर्थ तल, प्रोग्रेसिव पॉइंट लालपुर रायपुर 7747000019, 77460 00016, 7747000016 **(074)**

आवश्यकता है- ऑफिस में कार्य हेतु अविवाहित लडको की उम्र 18-32, 10th, 12th पास जो आगरा में रहकर काम कर सके वेतन 10000+ कमीशन+ बोनस, रहना फ्री शीघ्र सम्पर्क करें- 63952 68809, 7252820491 **(319)**

बेचना है

बेचना है- 50 एकड़ जमीन रायपुर रोड पर बिलासपुर से मात्र 25 किलोमीटर 40 फिट रोड पर नेशनल हाईवे से 5 किलोमीटर जमीन बेचना है। दलाल क्षमा करें। सम्पर्क करें- 8878820110 **(37546)**

बेचना है- 24×48= 1200 वर्गफीट जमीन मोपका रवि रिसोर्ट पैट्रोल पम्प के सामने 2100 वर्गफीट में बेचना है। मेन रोड से लगा हुआ सम्पर्क करें- 9691596978 **(37525)**

बेचना है- बिलासपुर में उसलापुर के पास सागर होम्स फेज-II, कालोनी में दो साइड में रोड वाला कार्नर का डुप्लेक्स 4BHK एक अतिरिक्त किचन वाला मकान अतिशीघ्र बेचना है। सम्पर्क करें 9993283308 **(37526)**

मकान बेचना है- प्लाट साइज 60x24=1440 कंशट्रक्शन एरिया 3550 किराया 30,000/- माह (तीन फ्लोर) वॉलफोर्ट के समीप रिंगरोड 01, भाटागांव रायपुर (नये बस स्टैण्ड के समीप) मूल्य 90 लाख मो. 95750 86006 **(7313)**

बेचना है- हर्ष-फिनिक्स सिटी पूर्ण विकसित कालोनी वार्ड-49, बीआर यादव नगर, बिजौर बिलासपुर विभिन्न साइज लेआउट प्लाट, 3BHK डुप्लेक्स बंगलो, 2/3BHK अफॉर्डेबल फ्लैट, T&C रेरा रजिस्टर्ड। सम्पर्क- एसके बिल्डर्स & डेवलपर्स 88394 55596, 7697644444 **(36177)**

बेचना है- अक्षय तृतीया विशेष ऑफर- बिलासपुर कोरबा हाइवे से लगा T&C कॉलोनी OM Space सकरी में नवनिर्मित सेमीफर्निश्ड रेडी पजेशन 2BHK स्वतंत्र मकान उपलब्ध। कीमत 47.51 लाख, ऑफर अक्षय तृतीया के शुभ अवसर अपने सपनों का घर पाएं और एक Activa का उपहार भी। ऑफर केवल 1 मई 2025 तक बुकिंग कराने पर सम्पर्क करें- M/S Ghosh Associates 9425220523 9893386286, 98278 75257 **(1793)**

बेचना है- बिरकोना मुख्य मार्ग से लगा 40×25 वर्गफीट आवासीय प्लाट बेचना है सम्पर्क करें- 9009087092, 9301355763 **(37550)**

बेचना है- अशोक नगर सरकंडा अशोक वाटिका के पास नवनिर्मित 2BHK मकान, 3 लेटबाथ स्वयं का बोर डायवर्टेड 2000 वर्गफीट में निर्माण प्लाट एरिया 2566 वर्गफीट शीघ्र बेचना है सम्पर्क करें- 6263411803 **(37567)**

बेचना है- मंगला अमन विहार कालोनी न्यू कंस्ट्रक्शन शानदार लोकेशन पर 2BHK मकान जिसमें कार पार्किंग, 1 हाल, 2 बेडरूम, किचन पूजा रूम पोर्च, 2 लेटबाथ है रेट- 40लाख सम्पर्क करें- 9301227779 **(37568)**

बेचना है- उसलापुर गोकुल धाम में नवनिर्मित 2-बीएचके 20x40, 800sqft का रेट 29-लाख, अशोक नगर बिरकोना रोड श्रीराम पुरम कॉलोनी में 5-बीएचके डुप्लेक्स नया मकान बेचना है। प्लॉट एरिया 1000sqft पूर्वमुखी रेट 65-लाख मो. 9301107148, 6260944127 अमन श्रीवास, सिद्धि विनायक ट्रेडर्स सरकंडा बिलासपुर **(073)**

बेचना है- प्रथमेश विहार, घुरु, अमेरी में सुंदर सुव्यवस्थित स्वतंत्र 2BHK, हॉल किचन पूजा कक्ष पोर्च मकान बेचना है। शांत सुरक्षित रिहायशी क्षेत्र में स्थित सीधा मालिक से सम्पर्क करें- 9174086706 **(37553)**

बेचना है- 2BHK फ्लैट फर्स्ट फ्लोर मुंगेली नाका सर्किट हाउस के सामने लिफ्ट पार्किंग सुविधा संपर्क करें 9302078011, 735404 6205 **(37527)**

बेचना है- ब्रिलियंट स्कूल के पास बहतराई बिलासपुर में सीसी रोड, नाली, बिजली, डायवर्सन, कॉलोनी में प्लॉट एवं मकान उपलब्ध हैं रेल्वे स्टेशन, अपोलो हॉस्पिटल, SECL मुख्यालय मात्र 5 मिनट की दूरी सम्पर्क- 83192 51951, 7828225044 **(054)**

खरीदना है

खरीदना है- निगम क्षेत्र में नया मकान 2BHK, 3BHK, 4 BHK या प्लाट और एक दुकान खरीदना है वास्तविक मलिक ही संपर्क करें सुबह 11 बजे के बाद मो. 94076 19765 **(37552)**

किराया

किराया- मंगला चौक में ग्राउंड फ्लोर में 15×60 की दो, फर्स्ट फ्लोर में दो दुकानें, 30×60 हॉल, 15×60 का बेसमेंट पार्किंग हास्पीटल हेतु किराए से देना है। सम्पर्क करें- 9981922140, 9039214975 **(37569)**

किराया- सेन्ट फ्रान्सिस स्कूल के पास 1BHK, 3BHK, 4BHK स्वतंत्र सर्व सुविधा युक्त मकान एवं विनायक प्लाजा उसलापुर में आफिस किराए से देना है सम्पर्क करें- 9755150356, 7999313165 **(37517)**

किराया- बृहस्पति बाजार चौक बजरंग अखाड़ा के पास स्थित 10×12 वर्गफीट की दुकान तथा चिल्हारी स्थित एलआईजी अटल आवास सर्वसुविधायुक्त मकान किराए से देना है सम्पर्क करें- 79877 09719 **(37556)**

किराया- राजेन्द्र नगर तिवारी चाल श्री अमर अग्रवाल जी के घर के पास 2BHK फ्लैट फर्स्ट फ्लोर में किराये से देना है बैंक, सरकारी कर्मचारियों को प्राथमिकता तत्काल सम्पर्क 9425532436 **(37558)**

किराया- बिलासपुर शहर के हृदय स्थल सिम्स चौक जूनीलाइन मोड़ पर स्थित 150 वर्गफुट दुकान डुप्लैक्स सम्पूर्ण फर्निचर, काउन्टर सहित मेडिकल, जनरल, ऑप्टिकलट, गारमेन्ट्स, स्टेशनरी, बुटिक, ज्वेलरी आदि हेतु एवं कोसा क्रिएशन शोरूम के ऊपर प्रथम तल पर 1250 वर्गफुट हाल दो टॉयलेट कमरा सहित बैंक ऑफिस डॉक्टर ग्रुप ओपीडी, ब्लड बैंक पैथोलॉजी सोनोग्राफी एक्सरे, रेस्टोरेंट व अन्य व्यवसाय हेतु किराये से देना है। सम्पर्क करें- कोसा कियेशन 9340664511 **(37555)**

किराया- 2 बैडरूम, हॉल, बैठक, 2 लेटबाथ 24घंटे पानी की सर्वसुविधायुक्त मकान महामाया विहार, वेयर हाऊस रोड, बिलासपुर में किराये से देना है। शासकीय अधिकारी कर्मचारी को प्राथमिकता। सम्पर्क करें- 9131281274 **(37551)**

Medicare Specialists
गुप्त रोगो का सफल ईलाज

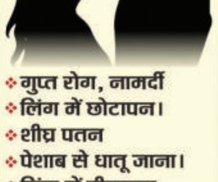

- गुप्त रोग, नामर्दी
- लिंग में छोटापन।
- शीघ्र पतन
- पेशाब से धातू जाना।
- लिंग में ढीलापन,
- शुक्राणु की कमी।
- शुगर से आयी हुई सेक्स में कमी।
- जड़ीबुटी द्वारा खोई हुई शक्ति पुनः प्राप्त करें।
- चर्मरोग व वात रोग का ईलाज किया जाता है।

निःसंतान दम्पति आज ही मिलें
आज ही संपर्क करें
स्टेशन रोड, सीमरन होटल के सामने रायपुर, छ.ग.
9826038170

वैवाहिकी

वधु चाहिए

वधु चाहिए
विश्वकर्मा (लोहार) 17/09/82/ 6', एमबीबीएस, अविवाहित, डॉ. प्राइवेट क्लीनिक हेतु शिक्षित हायर सेकेण्डरी, ग्रेजुएट, अविवाहित सजातीय हिन्दू जाति बंधन नहीं, वधु चाहिए। मैरिज ब्यूरो क्षमा। साधारण विवाह।
9131453175

मैरिज ब्यूरों

मैरिज ब्यूरो
योग्य महाराष्ट्रीयन वर वधु की तलाश हेतु श्री स्वामी समर्थ उपासना मंडल भिलाई- दुर्ग द्वारा संचालित शोध वधू-वारांचा मैरिज ब्यूरो में अपना नाम रजिस्टर करने संपर्क करें
9131455917

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेंवे व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- **जिला कार्यालय कोरबा:-** बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल कामलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- **जिला कार्यालय मुंगेली:-** थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230

- **शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:-** मो. 9993567380, 8770837744
- **एड प्रयास:-** मो. 9826701269, 9926003943
- **श्यामनानी एडवरटाईजर्स:-** मो. 9827168452, 9300625174
- **रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:-** मो. 9826129386, 8319503386
- **जे.जे. एडवरटाइजर्स:-** मो. 9300659628
- **भार्गव एडवरटाइजर्स:-** मो. 9827167997
- **श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:-** मो. 9826705603
- **एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:-** मो. 9827180896, 9131155033
- **रौनक पब्लिसिटी:-** मो. 9300328290, 9981658490
- **श्री श्याम पब्लिसिटी:-** मो. 9425540759
- **अमित पब्लिकेशन:-** मो. 9826304304, 9827124304
- **विप्रा विज्ञापन सेवा:-** मो. 9302462506
- **माधवास & कम्पनी:-** मो. 9977185123, 9893115084
- **बालाजी एडवरटाइजर्स:-** मो. 9827466133, 9907047586

सबसे महंगा प्लेयर और शर्मनाक प्रदर्शन, पंत ने बरकरार रखी 17 साल पुरानी परंपरा

नई दिल्ली। एक कहावत है 'ऊंची दुकान, फीके पकवान', जो आईपीएल के लगभग सभी सीजन में सटीक बैठती है। लीग में बड़े नाम वाले खिलाड़ी जिनके लिए फ्रेंचाइजी भारी रकम खर्च करती है, लेकिन वे अक्सर उम्मीदों पर खरे नहीं उतरते। इंडियन प्रीमियर लीग में जब फ्रेंचाइजी खिलाड़ियों पर पैसों की बारिश करती हैं तो इस उम्मीद के साथ करती हैं कि ये खिलाड़ी उनके लिए किस्मत बदलने वाला साबित होगा। इसी कारण लीग के महंगे खिलाड़ियों की राशि में सीजन दर सीजन इजाफा होता रहा है। आईपीएल-2025 में लखनऊ सुपरजायंट्स ने ऋषभ पंत को 27 करोड़ में खरीदा और वह लीग के इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी बने, लेकिन पंत अब तक फेल रहे। ये नई बात नहीं है। लीग का इतिहास है कि जो सीजन का महंगा खिलाड़ी रहा वो फेल हुआ है।

मिचेल स्टार्क : 2024 : 17 विकेट

मिचेल स्टार्क को कोलकाता ने 24.75 करोड़ में खरीदा था। पिछले सीजन स्टार्क ने 13 मैच खेले थे और 17 विकेट लिए थे।

सैम करन : 2023 : 276 रन

सैम करन आईपीएल 2023 के सबसे महंगे प्लेयर थे। पंजाब किंग्स ने उन पर 18.5 करोड़ रुपए खर्च किए थे। करन ने 14 मैच की 13 पारियों में 276 रन बनाए थे।

ईशान किशन : 2022 : 418 रन

ईशान किशन तब सबसे महंगे प्लेयर थे। मुंबई इंडियंस ने ईशान किशन को 15.25 करोड़ रुपए में खरीदा था। ईशान ने 15वें सीजन में 14 मैच खेले थे और 418 रन बनाए थे।

क्रिस मॉरिस : 2021 : 15 विकेट

राजस्थान रॉयल्स ने् रिस मॉरिस पर 16.25 करोड़ रुपए खर्च कर दिए थे। 11 मैच में सिर्फ 15 विकेट हासिल किए थे। साथ ही वह 7 पारियों में 67 रन ही बना पाए थे।

पैट कमिंस : 2020 : 12 विकेट

ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज कमिंस को कोलकाता ने 15.5 करोड़ में अपने साथ जोड़ लिया था। 14 मैच में सिर्फ 12 सफलताएं प्राप्त की थीं।

उनादकट : 2019 : 10 विकेट

जयदेव उनादकट (राजस्थान रॉयल्स) और वरुण चक्रवर्ती (किंग्स 11 पंजाब) थे। दोनों को उनकी फ्रेंचाइजी ने 8.4-8.4 करोड़ रुपये में खरीदा था। जयदेव उनादकट ने 11 मैच में सिर्फ 10 विकेट लिए थे। वहीं वरुण ने 1 मैच में 1 ही विकेट लिया था।

ऋषभ पंत

2025
27 करोड़
106 रन

आईपीएल 2025 में अब तक पंत का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है। उन्होंने 18वें सीजन में अब तक खेले 9 मैच की 8 पारियों में सिर्फ 106 रन बनाए हैं। इस दौरान वह एक ही अर्धशतक लगा पाए हैं।

बेन स्टोक्स : 2018 : 8 विकेट

राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें 12.5 करोड़ रुपए में अपने साथ जोड़ा था। 11वें सीजन में स्टोक्स ने 13 मैच खेले थे और सिर्फ 8 विकेट लिए थे।

बेन स्टोक्स : 2017 : 316 रन

राइजिंग पुणे सुपरजायंट ने बेन को 14.5 करोड़ में खरीदा था। 12 मैच की 11 पारियों में 316 रन बनाए थे। साथ ही 12 विकेट भी अपने नाम किए थे।

शेन वॉटसन : 2016 : 179 रन

बेंगलुरु ने शेन वॉटसन पर 9.5 करोड़ रुपये खर्च किए थे। वॉटसन ने उस सीजन 16 मैच की 15 पारियों में 179 रन बनाए थे।

युवराज सिंह : 2015 : 248 रन

दिल्ली डेयरडेविल्स ने युवराज को 16 करोड़ रुपए में खरीदा था। 14 मैच खेले थे और 13 पारियों में 248 रन बनाए थे।

युवराज सिंह : 2014 : 376 रन

आरसीबी ने युवी पर 14 करोड़ खर्च किए थे। 14 मैच में 376 रन बनाए थे।

ग्लेन मैक्सवेल : 2013 : 36 रन

ग्लेन मैक्सवेल पर मुंबई इंडियंस ने 6.3 करोड़ रुपये खर्च किए थे। मैक्सवेल ने 3 मैच की 3 पारियों में 36 रन बनाए थे।

रवींद्र जडेजा : 2012 : 191 रन

चेन्नई सुपर किंग्स ने रवींद्र जडेजा को 12.8 करोड़ में अपने साथ जोड़ा था। 19 मैच खेल 191 रन बनाए थे। 12 विकेट लिए थे।

गौतम गंभीर : 2011 : 378 रन

कोलकाता नाइटराइडर्स ने गौतम गंभीर को 14.9 करोड़ रुपये में अपने साथ जोड़ा था। गंभीर ने उस सीजन 15 मैच खेल थे और 15 पारियों में 378 रन बनाए थे। वह चौथे सीजन 16वें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर थे।

शेन बॉन्ड : 2010 : 9 विकेट

शेन बॉन्ड (कोलकाता) और कीरोन पोलार्ड (मुंबई) को उनकी फ्रेंचाइजी ने 4.8-4.8 करोड़ देकर अपने साथ जोड़ा था। शेन बॉन्ड ने 8 मैच में 9 विकेट लिए थे। वहीं पोलार्ड ने 14 मैच में 15 शिकार किए थे।

केविन पीटरसन : 2009 : 93 रन

केविन पीटरसन (आरसीबी) और एंड्रयू फ्लिंटॉफ (सीएसके) को फ्रेंचाइजी ने 9.8-9.8 करोड़ रुपए खर्च किए थे। पीटरसन ने 6 मैच खेले थे और 93 रन बनाए थे। वहीं फ्लिंटॉफ 3 मैच में 62 रन ही बना सके थे।

महेंद्र सिंह धोनी : 2008 : 414 रन

महेंद्र सिंह धोनी आईपीएल के पहले सीजन के सबसे महंगे प्लेयर थे। 2008 में सीएसके ने उन पर 9.5 करोड़ खर्च किए थे। धोनी ने लीग के डेब्यू सीजन में 414 रन बना दिए थे। वह पहले सीजन 9वें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज थे।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
गुजरात	8	6	2	12
दिल्ली	8	6	2	12
बेंगलुरु	9	6	3	12
मुंबई	9	5	4	10
पंजाब	8	5	3	10
लखनऊ	9	5	3	10
कोलकाता	8	3	5	6
हैदराबाद	9	3	6	6
राजस्थान	9	2	7	4
चेन्नई	9	2	7	4

ऑरेंज कैप

साई सुदर्शन
417 रन
गुजरात

पर्पल कैप

प्रसिद्ध कृष्णा
16 विकेट
गुजरात

मुंबई-लखनऊ में आगे निकलने की होड़, लड़खड़ाकर संभली इंडियंस

दोनों टीमों के 10-10 अंक, मुंबई चौथे और लखनऊ की टीम छठे स्थान पर काबिज

एजेंसी ▶▶| मुंबई

हमेशा की तरह शुरू में लड़खड़ाने के बाद शानदार वापसी करने वाली मुंबई इंडियंस की टीम लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में जीत की लय बरकरार रखने की कोशिश करेगी। इन दोनों टीम के अभी तक समान 10 अंक हैं लेकिन मुंबई बेहतर नेट रन रेट के आधार पर चौथे जबकि लखनऊ की टीम छठे स्थान पर है।

अब तक नौ मैचों में से इन दोनों ने पांच मैच जीते हैं और चार हारे हैं। ऋषभ पंत की अगुवाई वाली लखनऊ की टीम की निगाह जीत के अलावा अपने नेट रन रेट में सुधार करने पर भी होगी क्योंकि आगे इसकी भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है।

जहां ये दोनों टीमें वानखेड़े स्टेडियम में मैदान पर वर्चस्व के लिए भिड़ेंगी, वहीं मुंबई की भीषण गर्मी और उमस भी खिलाड़ियों की विपरीत परिस्थितियों में अपना सर्वश्रेष्ठ देने की तैयारी को परखने में अपनी भूमिका निभाएगी।लखनऊ के लिए कप्तान ऋषभ पंत की खराब फॉर्म चिंता का विषय है क्योंकि उन्होंने अब तक नौ मैचों में 106 रन बनाए हैं। मुंबई के मजबूत गेंदबाजी आक्रमण के सामने उनकी कड़ी परीक्षा होगी।

मुंबई की लगातार चार जीत

मुंबई की टीम सही समय पर अपने चरम पर पहुंची है। उसने लगातार चार मैच जीत कर खुद को प्ले ऑफ में पहुंचने की दौड़ में आगे कर दिया है और उसकी टीम अपना विजय अभियान जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध होगी। उसकी टीम यहां की परिस्थितियों से अच्छी तरह वाकिफ है और वह इसका पूरा फायदा उठाने की कोशिश करेगी। मुंबई के प्रमुख खिलाड़ी रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, ट्रेंट बोल्ट और यहां तक कि हार्दिक पंड्या सही समय पर फॉर्म में लौट आए हैं और उनसे पार पाना किसी भी टीम के लिए आसान नहीं होगा।

पूरन, मार्श, मार्क्रम पर लखनऊ निर्भर

जहां तक लखनऊ की बल्लेबाजी का सवाल है तो वह अपने विदेशी खिलाड़ियों निकोलस पूरन (377 रन), मिशेल मार्श (344) और एडेन मार्क्रम (326) पर बहुत अधिक निर्भर है। लखनऊ को फिर से इन तीनों से शानदार प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। लखनऊ के पास गेंदबाजी विभाग में बहुत बड़े नाम नहीं है लेकिन उसके गेंदबाजों ने अभी तक परिस्थितियों के अनुसार गेंदबाजी करके अपनी टीम के अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उसकी तरफ से शार्दुल ठाकुर ने सर्वाधिक 12 विकेट लिए हैं और स्थानीय खिलाड़ी होने के कारण वह यहां की परिस्थितियों से अच्छी तरह अवगत हैं।

आरसीबी और दिल्ली कैपिटल्स में रोमांचक मुकाबले की संभावना

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच रविवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में भारत के दो धुरंधर बल्लेबाज विराट कोहली और केएल राहुल तथा आस्ट्रेलिया के दो खतरनाक तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क और जोश हेजलवुड आकर्षण का केंद्र होंगे। आईपीएल में चीजें तेजी से बदल सकती हैं लेकिन मौजूदा फॉर्म को देखते हुए दिल्ली और आरसीबी दोनों के प्ले-ऑफ में पहुंचने की उम्मीद है। फ़िरोज शाह कोटला में दो अंक इस संदर्भ में विजेता टीम को महत्वपूर्ण रूप से मदद करेंगे। नौ मैचों में पांच अर्धशतक लगाने वाले विराट कोहली का यह क्रिकेट में घरेलू मैदान रहा है और विरोधी टीम में होने के बावजूद उन्हें यहां दर्शकों का भरपूर समर्थन मिलने की संभावना है।

आईपीएल : नौ मैचों में 11 अंक के साथ चौथे पायदान पर किंग्स

बारिश से धुला मैच, पंजाब-कोलकाता ने बांटे अंक, प्रभसिमरन-प्रियांश की फिफ्टी

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

पंजाब किंग्स के खिलाफ कोलकाता नाइट राइडर्स के इंडियन प्रीमियर लीग मैच को शनिवार को यहां तेज आंधी और बारिश के कारण रद्द कर दिया। प्रभसिमरन सिंह (83) और प्रियांश आर्य (69) की अर्धशतकीय पारियों और दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 72 गेंद में 120 रन की साझेदारी के बूते पंजाब किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए चार विकेट पर 201 रन बनाए। कोलकाता के अब नौ मैचों में सात अंक हैं और वह सातवें स्थान पर है, जबकि पंजाब किंग्स के नौ मैचों में 11 अंक के साथ चौथे पायदान पर पहुंच गया है।

पंजाब की टीम14वें ओवर के बाद एक विकेट पर 158 रन बनाकर बड़े स्कोर की तरफ बढ़ रही थी लेकिन केकेआर के गेंदबाजों ने आखिरी छह ओवर में सिर्फ 43 रन पर तीन विकेट लेकर उन्हें 201 रन पर रोक दिया। केकेआर ने लक्ष्य का पीछा करते हुए एक ओवर में बिना किसी नुकसान के सात रन बना लिए थे तभी रात लगभग 9.35 बजे अचानक तेज आंधी के साथ बारिश शुरू हो गई। आंधी इतनी तेज थी कि मैदानकर्मियों को मैदान को कवर्स से ढकने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। तेज हवा के कारण कुछ कवर्स फट गए और कुछ उड़कर बाउंड्री और दर्शक दीर्घा की तरफ चले गए। लगातार बारिश के कारण मैच शुरू होने की गुंजाइश नहीं बची और लगभग 90 मिनट के इंतजार के बाद, मौसम में कोई सुधार न होने पर, मैच को आधिकारिक तौर पर रात 10.58 बजे रद्द कर दिया गया। मैच रद्द होने से दोनों टीमों ने एक-एक अंक साझा किया।

खबर संक्षेप

आप अधिक कमियां दूर नहीं कर सकते

चेन्नई। महेंद्र सिंह धोनी ने मौजूदा आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के लगातार खराब प्रदर्शन पर अपनी बेबसी जाहिर करते हुए कहा है कि जब एक ही समय में चार-पांच खिलाड़ी फॉर्म खो देते हैं तो टीम के लिए वांछित परिणाम हासिल करना मुश्किल होता है। धोनी ने सनराइजर्स हैदराबाद के हाथों पांच विकेट से मिली हार के बाद कहा, 'इस तरह के टूर्नामेंट में अगर एक या दो क्षेत्रों में कमियों को दूर करना है तो यह अच्छा है लेकिन जब अधिकांश खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं तो मुश्किल हो जाती है। ऐसे में आपको बदलाव करने की जरूरत होती है। आप बस चलते नहीं रह सकते। हम पर्याप्त रन नहीं बना पा रहे हैं।'

शुभंकर हेनान गोल्फ टूर्नामेंट में कट से चूके

हेनान। भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा अच्छी शुरूआत का फायदा नहीं उठा सके और दूसरे दौर में तीन ओवर 75 का कार्ड खेलने के कारण हेनान क्लासिक गोल्फ टूर्नामेंट में कट हासिल करने से चूक गए। उनका 69-75 के कार्ड से उनका दो दौर में स्कोर इवन पार रहा। दूसरे दिन का खेल अंधेरा होने के कारण रोकना पड़ा था लेकिन जब सुबह दूसरे दौर का खेल खत्म हुआ तो यह भारतीय कट से चूक गया। वह पिछले हफ्ते वोल्वो चाइना ओपन में भी कट से चूक गए थे।

भारतीय महिला हॉकी टीम ऑस्ट्रेलिया 'ए' से 3-5 से हारी

पर्थ। भारतीय महिला हॉकी टीम को ऑस्ट्रेलिया दौरे पर शनिवार को अपने पहले मैच में दमदार खेल दिखाने के बावजूद ऑस्ट्रेलिया 'ए' के खिलाफ 3-5 की हार का सामना करना पड़ा।भारत की ओर से महिमा टेटे (27वें मिनट), नवनीत कौर (45वें मिनट) और लालरेम्सियामी (50वें मिनट) ने गोल किए, जबकि नेसा फ्लिन (तीसरे), ओलिविया डाउन्स (नौवें मिनट), रूबी हैरिस (11वें मिनट), टैटम स्टीवर्ट (21वें मिनट) और केंड्रा फिट्ज़पैट्रिक (44वें मिनट) ने पर्थ हॉकी स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया 'ए' के लिए गोल किए।

मैड्रिड ओपन

शीर्ष वरीय अलेक्जेंडर और सबालेंका की आसान जीत

एजेंसी ▶▶| मैड्रिड

शीर्ष वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव और आर्यना सबालेंका ने शुक्रवार को मैड्रिड ओपन टेनिस टूर्नामेंट में अपने शुरुआती मैचों में आसान जीत हासिल की। ज्वेरेव ने स्थानीय खिलाड़ी रॉबर्टो बॉतिस्ता अगुट को 6-2, 6-2 से, जबकि सबालेंका ने क्वालीफायर अन्ना ब्लिंकोवा को 6-3, 6-4 से हराया। तीसरे दौर में ज्वेरेव का मुकाबला नूनो बोर्गेस या एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना से होगा। महिला वर्ग में शीर्ष वरीयता प्राप्त सबालेंका का तीसरे दौर में 28वीं वरीयता प्राप्त एलिस मर्टेंस से मुकाबला होगा।

महिला वर्ग में ही अनास्तासिया पोटापोवा ने आठवीं वरीयता प्राप्त किनवेन झेंग को हराया, जबकि 15वीं वरीयता प्राप्त अमांडा अनिसिमोवा हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी पीटन स्टर्न्स से 6-2, 2-6, 7-5 से हार गईं। छठी वरीयता प्राप्त जैस्मीन पाओलिनी ने केटी बोल्टर को 6-1, 6-2 से हराया।

पेगुला ने तीसरे दौर में बनाई जगह

तीसरी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला ने ईवा लिस को 6-2, 6-2 से हराकर तीसरे दौर में पहुंच गईं। पेगुला का अगला मुकाबला मोयुका उचिजिमा से होगा, जिन्होंने ओंस जाबेउर को तीन सेटों में हराया। पुरुष वर्ग में अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज ने ब्रिटेन के क्रिस्टोफर ओ'कोनेल को 6-1, 6-4 से और कैस्पर रूड ने आर्थर रिंडरकनेच को 6-3, 6-4 से हराया। एक अन्य मैच में अमेरिका के बेन शेल्टन ने मारियानो नवोन को 4-6, 7-6 (5), 6-3 से पराजित किया। बुधवार को टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे अधिक उम्र के मैच विजेता खिलाड़ी बनने वाले 38 वर्षीय गेल मोनफिल्स बीमारी के कारण गत चैंपियन एंड्रे रुबलेव के साथ मैच से हट गए।

एशियन मुक्केबाजी चैंपियनशिप में भारत ने पक्के किए 43 पदक

अम्मान। भारत के चार और मुक्केबाजों ने सेमीफाइनल में जगह बनाकर यहां चल रही पहली एशियाई अंडर-15 और अंडर-17 मुक्केबाजी चैंपियनशिप में देश के लिए 43 पदक सुनिश्चित कर लिए हैं। भारत ने अंडर-15 वर्ग में कम से कम 25 पदक पक्के कर लिए हैं, जबकि अंडर-17 वर्ग में 18 पदक जीतने तय हैं, क्योंकि सेमीफाइनल में पहुंचने वाले सभी खिलाड़ियों को कम से कम कांस्य पदक मिलता है। अमन सिवाच (63 किग्रा) और देवांश (80 किग्रा) ने अंडर-17 लड़कों के क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में क्रमशः फिलीपींस और जॉर्डन के मुक्केबाजों के खिलाफ आरएससी (रेफरी द्वारा मुकाबला रोकना) में जीत हासिल की। लड़कियों के वर्ग में, सिमरनजीत कौर (60 किग्रा) ने जॉर्डन की अया अलहसनत पर 5-0 से जीत दर्ज की, जबकि हिमांशी (70 किग्रा) ने फिलिस्तीन की फराह अबू लैला के खिलाफ आरएससी के साथ पहले ही दौर में अपना मुकाबला समाप्त कर दिया।

शांभवी ने निशानेबाजी में जीते दो स्वर्ण पदक

महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में शीर्ष स्थान हासिल किया

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

महाराष्ट्र की किशोरी शांभवी क्षीरसागर ने शनिवार को यहां कुमार सुरेंद्र सिंह स्मारक निशानेबाजी चैंपियनशिप में महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में विश्व चैंपियनशिप पदक विजेताओं, ओलंपिक फाइनलिस्ट और राष्ट्रीय चैंपियन को पछाड़कर शीर्ष स्थान हासिल किया।

पिछले साल लीमा में जूनियर विश्व कप में पांचवें स्थान पर रही 16 वर्षीय शांभवी ने 633.5 के स्कोर के साथ क्वालीफिकेशन में शीर्ष स्थान हासिल किया। इसके बाद उन्होंने 24 निशाने के फाइनल में अपने आखिरी प्रयास में 10.8 के शॉट के साथ हरियाणा की रमिता को पछाड़ दिया। रमिता पेरिस ओलंपिक के फाइनल में पहुंची थीं। विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता पश्चिम बंगाल की मेहुली घोष ने कांस्य पदक जीता। शांभवी ने इससे पहले जूनियर महिला स्पर्धा में रजत और युवा महिला प्रतियोगिता में अपना दूसरा स्वर्ण जीता।

नीस ने थामा पीएसजी का अजेय अभियान

पेरिस। पेरिस सेंट-जर्मेन का फ्रांसीसी फुटबॉल लीग (लीग 1) के वर्तमान सत्र में चला आ रहा अजेय अभियान शुक्रवार को यहां नीस से 3-1 से हार के साथ थम गया। पीएसजी ने तीन सप्ताह पहले ही फ्रांसीसी लीग का खिताब अपने नाम सुरक्षित किया था और उसकी कोशिश आखिर तक अजेय रहने की थी। पीएसजी की पिछले लगभग एक साल में यह अपने घरेलू मैदान पर पहली हार है जिससे उसकी आर्सेनल के खिलाफ मंगलवार को होने वाले चैंपियंस लीग सेमीफाइनल के पहले चरण की तैयारी को भी झटका लगा है। नीस के मॉर्गन सैनसन ने मैच का पहला गोल किया। नीस की बढ़त हालांकि केवल पांच मिनट तक रही।

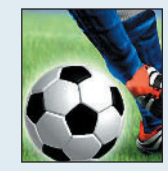

महिला क्रिकेट टीम का त्रिकोणीय श्रृंखला कोलंबो में आज से

भारत के युवा खिलाड़ी श्रीलंका को देंगे चुनौती

एजेंसी ▶▶| कोलंबो

हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम त्रिकोणीय श्रृंखला के पहले मैच में रविवार को यहां जब श्रीलंका का सामना करने के लिए उतरेगी तो उसकी निगाह तेज गेंदबाज काशवी गौतम सहित युवा खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर टिकी रहेगी। भारतीय टीम इस टूर्नामेंट के जरिए साल के आखिर में घरेलू धरती पर होने वाले 50 ओवर के विश्व कप की तैयारी भी शुरू करेगी।

भारत का बल्लेबाजी विभाग अच्छा नजर आता है लेकिन उसे एक अदद गेंदबाजी संयोजन तैयार करने की जरूरत है। भारत की पूर्व अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप विजेता काशवी ने महिला प्रीमियर लीग में गुजरात जाइंट्स के लिए शानदार प्रदर्शन किया, जिसमें उन्होंने 6.45 की इकॉनमी रेट से नौ मैचों में 11 विकेट लिए। टिटास साधु, रेणुका सिंह और पूजा वस्त्राकर के चोटों के कारण बाहर हो जाने से भारतीय तेज गेंदबाजी अरुंधति रेड्डी पर निर्भर है, जबकि ऑलराउंडर अमनजोत कौर टीम में एकमात्र अन्य मध्यम गति की गेंदबाज हैं। प्रेमदासा स्टेडियम में धीमी गति के गेंदबाजों का हमेशा बोलबाला रहा है, ऐसे में सीनियर ऑफ स्पिनर दीप्ति शर्मा और स्नेह राणा के साथ-साथ मुंबई इंडियंस के बाएं हाथ के स्पिनर श्री चरणी के 50 में से 30 ओवर फेंकने की उम्मीद है।

भारतीय बल्लेबाजी मजबूत

भारतीय टीम ने त्रिकोणीय श्रृंखला से पहले वेस्टइंडीज और आयरलैंड को तीन तीन वनडे मैच में हराया था और वह जीत का यह सिलसिला जारी रखने की कोशिश करेगी। शैफाली वर्मा को एक बार फिर से नजरअंदाज कर दिया गया है, लेकिन कप्तान हरमनप्रीत, उप कप्तान स्मृति मंधाना, पावर-हिटर ऋचा घोष, जेमिमा रोड्रिग्स और हरलीन देयोल की मौजूदगी में भारतीय बल्लेबाजी काफी मजबूत नजर आती है। दीप्ति और अमनजोत भी अच्छी बल्लेबाजी करने में सक्षम हैं।

स्कूटी से आ रहे हैं,

आपके विधायक रिकेश सेन आपके द्वार

वैशाली नगर विधानसभा में वार्ड चलो अभियान लेकर।

- अब नेता नहीं, सेवक बनकर आ रहे हैं आपके विधायक आपके द्वार।
- आपकी हर समस्या का हल अब होगा तुरंत
- वैशाली नगर विधानसभा के हर गली, मोहल्ले में होगी सीधी सुनवाई।
- 1 मई से **हेलमेट बैंक** की शुरुआत हो रही है। **मात्र ₹1 किराए** पर आपको **हेलमेट** उपलब्ध कराया जाएगा।

स्थान: नेहरू नगर चौक

शुभारंभ
हो चुका है, 15 अप्रैल से

विनीत – वैशाली नगर विधानसभा विकास समिति

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com